epaper.dehatsandesh.com

3 मनरेगा बचाओ संघर्ष व राज्य बहाली की मांग को लेकर कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

5 सउदी प्रो लीग का बहिष्कार खत्म करने को तैयार रोनाल्डो

8 जम्मू-कश्मीर का बजट 2026 जनहितैषी और युवा-केंद्रित नहीं है : हकीम यासीन

न्यूनतम 10 मौसम जम्मू अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-34 जम्मू तवी, शनिवार 07 फरवरी, 2026 मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये पृष्ठ -8

मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के लिए 113767 करोड़ रुपये का बजट किया पेश

जम्मू, 06 फरवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार कोविधानसभा में 2026-27 के लिए 1,13,767 करोड़ रुपए का बजट पेशकिया। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय योजना का उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेशमें स्थायी विकास, सामाजिक सद्भाव और आर्थिक समृद्धि के लिए मजबूतनींव तैयार करना है। सीएम अब्दुल्ला ने बताया कि उनकी सरकार निवेश, नवाचार और भागीदारी वाली गवर्नेंस को बढ़ावा देकर जम्मू-कश्मीर कोएक आधुनिक, प्रगतिशील और आर्थिक रूप से जीवंत क्षेत्र में बदलने केलिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, गहरी विनम्रता और अटूट संकल्प के साथ, मैं आज वित्त मंत्री के रूप में अपना दूसरा बजट पेश कर रहा हूं। यह मेरासौभाग्य है कि मुझे अपनी भूमि के वित्तीय भविष्य को आकार देने कीजिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बजट पेश करते हुए इसे विकास कारोडमैप बताया और कहा कि यह सिर्फ आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं है।यह एक वित्तीय दिशा-निर्देशक है, जो स्थायी आर्थिक विकास, सामाजिकसद्भाव और समृद्धि की मजबूत नींव रखता है। मुख्यमंत्री ने सदन केसदस्यों से क्षेत्र के विकास के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया।सीएम अब्दुल्ला ने कहा,

जैसे ही हम इस साझा यात्रा पर निकल रहे हैं, मैं सदन के हर सदस्य को एक साथ आने, एक मजबूत और समृद्धजम्मू-कश्मीर बनाने के लिए मिलकर काम करने का आमंत्रण देता हूं।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार जम्मूकश्मीर को प्रगतिशील और आर्थिकरूप से जीवंत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। बाधाओं को अवसरों में बदलनाही उनकी प्राथमिकता है। सरकार निवेश और नवाचार को आकर्षित करनेके लिए एक बिजनेस-फ्रेंडली माहौल तैयार कर रही है। यह बजट चुने हुएप्रतिनिधियों, उद्योगपतियों और हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्शके बाद तैयार किया गया है, ताकि यह लोगों के हित में हो। उन्होंने कहाकि भू-राजनीतिक कारक, पहलगाम आतंकी हमला और जम्मू क्षेत्र मेंविनाशकारी बाढ़ ने आर्थिक गतिविधियों पर प्रभाव डाला। पर्यटन, हस्तशिल्प, बागवानी और कृषि जैसे क्षेत्रों को नुकसान हुआ, जिससे कईपरिवारों को नौकरी और आमदनी का संकट झेलना पड़ा। बजटइंफ्रास्ट्रक्चर, सार्वजनिक सेवाओं और गवर्नेंस में रणनीतिक निवेश केजरिए समावेशी और टिकाऊ विकास पर केंद्रित है। सरकार का लक्ष्ययुवाओं और महिलाओं के लिए न ए अवसर पैदा करना है।

मुख्यमंत्री ने आन्त्योदय अन्न योजना के तहत आने वाले परिवारों को प्रति वर्ष 6 मुफ्त गैस सिलेंडर देने की घोषणा की

श्रीनगर, 06 फ़रवरी मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने घोषणा की कि उनकी सरकार जम्मू-कश्मीर में आन्त्योदय अन्न योजना (एएबाई) के सभी परिवारों को प्रति वर्ष छह मुफ्त एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराएगी। अधिकारी के अनुसार विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना सबसे गरीब लोगों तक पहुंचेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि केंद्र शासित प्रदेश के प्रत्येक एए बाई परिवार को प्रति वर्ष छह मुफ्त एलपीजी सिलेंडर मिलें।

वहीद पारा ने जम्मू-कश्मीर बजट की आलोचना की

जम्मू, 06 फरवरी । पीडीपी नेता और विधायक पुलवामा वहीद-उर-रहमान पारा ने शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश के बजट की तीखी आलोचना की, इसे निराशाजनक और एक अस्पष्ट दस्तावेज़ कहा जो लोगों, विशेषकर युवाओं की गंभीर चिंताओं को दूर करने में विफल है। जम्मू में विधानसभा परिसर के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए पार्रा ने कहा कि बजट जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए कोई उपचार या आशा नहीं प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह निराशाजनक बजट है, प्रस्तुत दस्तावेज़ जम्मू-कश्मीर के लोगों को कोई उपचार या आशा प्रदान नहीं करता है। युवाओं के लिए कुछ भी नहीं है, भले ही हमारी 60-65 प्रतिशत आबादी युवा है । पार्रा ने कहा कि युवाओं, किसानों, दिहाड़ी मजदूरों और बेरोजगारों को उम्मीद थी कि बजट आखिरकार उनके लंबे समय से लंबित मुद्दों का समाधान करेगा। लोगों ने बड़ी उम्मीद के साथ मतदान किया कि बेरोजगारी, दैनिक ग्रामीणों के मुद्दे, किसानों की चिंताओं और बागवानी चुनौतियों का समाधान किया जाएगा। 15 महीने बाद यह दूसरा बजट कोई स्पष्ट मंशा नहीं दर्शाता है। बजट इरादे का प्रतिबिंब होता है और वह इरादा गायब है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछले बजट में की गई कई घोषणाएं अधूरी हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल मुफ्त गैस सिलेंडर के वादे किए गए थे। अब तक किसी को भी यह नहीं मिला है। सरकार केवल संख्याओं के साथ खेल रही है। उन्होंने कहा कि नए वादे किए जाने के बाद भी एएवाई श्रेणी के तहत राशन कार्ड कम हो गए हैं।

सज्जाद लोन ने जम्मू-कश्मीर बजट की कड़ी आलोचना की

जम्मू, 06 फ़रवरी । पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के प्रमुख और विधायक सज्जाद लोन ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर सरकार के बजट की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें राजनीतिक दिशा का अभाव है और यह मुख्य रूप से नौकरशाहों द्वारा तैयार किया गया है जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। अधिकारी के अनुसार पत्रकारों से बात करते हुए लोन ने कहा, 卐यह बजट पिछली बार जैसा ही अच्छा या बुरा है। मैं कहूंगा कि यह पिछली बार जैसा ही बुरा है। उन्होंने दावा किया कि बजट में राजनीतिक निर्णय लेने की बजाय नौकरशाही का दबदबा झलकता है।

जम्मू-कश्मीर के लिए 548 नई मेडिकल सीटें, कश्मीर एम्स जून तक होगा चालू - मुख्यमंत्री

जम्मू, 06 फरवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को विधानसभा में बजट पेश करते हुए केंद्र शासित प्रदेश के लिए चिकित्सा शिक्षा में एक बड़े विस्तार की योजना रखी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की नींव मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि इस साल हम शैक्षिक क्षमता बढ़ाने के लिए 548 मेडिकल सीटें जोड़ रहे हैं। विस्तृत आवंटन में 340 नई एमबीबीएस सीटें, 128 स्नातकोत्तर सीटें, 34 स्नातकोत्तर आयुर्वेद सीटें और 46 डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड (डीएनबी) सीटें शामिल हैं।

एनआईए ने 'व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल के सिलसिले मेंगवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अनंतनाग में छापा मारा

श्रीनगर, 06 फरवरी। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी नेशुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेजमें पिछले साल नवंबर में पकड़े गए 卐व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल केसिलसिले में तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय जाँच एजेंसीके अधिकारियों की एक टीम गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अनंतनाग पहुंचीऔर तलाशी ली। उन्होंने कहा कि यह तलाशी पिछले साल नवंबर में एकडॉक्टर के लॉकर से राइफल मिलने के सिलसिले में थी। डॉ. अदीलअहमद राठेर उन नौ लोगों में शामिल थे जिन्हें टेरर मॉड्यूल की जांच केतहत गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद नेशनल कैपिटल रीजन केफरीदाबाद से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुए थे। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि पुलवामा जिले के कोइल करेवा इलाके मेंसुरक्षा बलों द्वारा सर्च ऑपरेशन जारी है। उन्होंने बताया कि इलाके मेंआतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बादसर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। अभी तक कोई गिरफ्तारी याबरामदगी नहीं हुई है।

बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-3 का परीक्षण, भारत ने एक और कामयाबी हासिल की

नई दिल्ली, 06 फरवरी । भारत ने ओडिशा के तट से दूर एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-3 का सफल परीक्षण करके अपनी मिसाइल शक्ति और आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र में एक और कामयाबी हासिल की है। मिसाइल का परीक्षण पूरी तरह से सफल रहा और यह विभिन्न मानकों पर खरी उतरी। अग्नि-3 बैलिस्टिक मिसाइल 3500 किलोमीटर दूर तक दुश्मनों के ठिकानों पर सटीक निशाना लगाकर उसे तबाह करने की ताकत रखती है। इसकी जद में पूरा पाकिस्तान और चीन का लगभग आधा हिस्सा आता है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इंटरमीडिएट रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि -3 का सफल प्रक्षेपण सामरिक बल कमांड के तत्वावधान में किए गए नियमित उपयोगकर्ता प्रशिक्षण का हिस्सा था। मिसाइल का प्रक्षेपण पूर्व निर्धारित सीमा के लिए किया गया था और सिस्टम के सभी परिचालन मापदंडों को मान्य किया गया। लॉन्च में सभी ऑपरेशनल और टेक्निकल पैरामीटर्स सही पाए गए।परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अग्नि-3 मिसाइल की लंबाई 17 मीटर और व्यास 2 मीटर है। इतना ही नहीं, यह मिसाइल एक सेकेंड में पांच किलोमीटर की दूरी तय करने में सक्षम है।

मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-3 को 2011 में अग्नि-2 के उत्तराधिकारी के रूप में सेवा में शामिल किया गया था। अग्नि-3 की मारक क्षमता 3,000 से 5,000 किलोमीटर तक है। फायर के बाद यह मिसाइल पाकिस्तान और चीन सहित कई पड़ोसी देशों के अंदर तक जाकर टारगेट को हिट कर सकती है। अग्नि-3 दो चरणों वाली बैलिस्टिक मिसाइल है, जो परमाणु हमला करने में सक्षम है। इसे डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ने डिजाइन किया है। यह मिसाइल सॉफिस्टिकेटेड नेविगेशन, ऑनबोर्ड कंप्यूटर सिस्टम और गाइडेंस एवं कंट्रोल सिस्टम्स से लैस है।

भारत ने अपनी ताकत अग्नि-1 मिसाइल से शुरू करके अग्नि-5 मिसाइल तक पहुंचा दी है। 2002 में सफल परीक्षण की रेखा पार करने वाली अग्नि-1 मध्यम रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल थी। इसकी मारक क्षमता 700 किलोमीटर थी और इससे 1000 किलो तक के परमाणु हथियार ढोए जा सकते थे।

सरकार पूरी सीमा सुरक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाएगी : अमित शाह

जम्मू, 06 फरवरी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को आधुनिक उपकरणों के माध्यम से सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि अग्रिम मोर्चों पर तैनात कर्मियों की निरंतर सतर्कता महत्वपूर्ण बनी हुई है, वहीं उन्नत प्रौद्योगिकी से उत्पन्न चुनौतियों का मुकाबला समान रूप से उन्नत तकनीकी समाधानों से किया जाना चाहिए। शाह जम्मू और कश्मीर के कठुआ में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित अग्रिम चौकियों के दौरे के दौरान सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बलों की भूमिका की भी सराहना की, जब जम्मू सीमा ने सीमा पार 118 दुश्मन चौकियों और तीन आतंकी लॉन्च पैड को नष्ट कर दिया था। उन्होंने कहा कि सरकार और बीएसएफ दोनों का साझा उद्देश्य देश की सीमाओं को सुरक्षित रखना है और उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले की चुनौतियां आज की चुनौतियों से बिल्कुल अलग हैं।

गृह मंत्री ने कहा, 卐कुछ साल पहले सीमाओं पर हमें जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा था वे आज की चुनौतियों से बिल्कुल अलग हैं। मोर्चे पर लगातार सतर्क रहने के लिए आपका समर्पण अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालांकि उन्नत प्रौद्योगिकी के माध्यम से नई चुनौतियां उभर रही हैं इसलिए हमें उनका मुकाबला करने के लिए तकनीकी समाधान भी खोजने होंगे।

हीरानगर सेक्टर के गुरनाम और बोबियान सीमा चौकियों के दौरे के दौरान उनके साथ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक

तपन कुमार डेका और बीएसएफ के महानिदेशक प्रवीण कुमार भी थे। उनका यह दौरा आतंकवादियों की घुसपैठ और हथियारों व नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए सीमा प्रबंधन पर बढ़ते ध्यान और आतंकवाद विरोधी अभियानों को तेज करने के बीच हुआ है। इन अभियानों में पिछले दो हफ्तों में कठुआ, उधमपुर और किश्तवार जिलों में लगभग एक दर्जन मुठभेड़ों में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के चार कट्टर पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए हैं। शाह गुरुवार की देर रात जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे, जहां उपराज्यपाल सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया। अधिकारियों ने बताया कि कठुआ में गृह मंत्री ने बोबियान में सीमा सुरक्षा बलों के लिए छह कल्याणकारी योजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन और आधारशिला रखी।

शाह ने कठुआ में अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे अग्रिम इलाकों का किया दौरा

बोबियान में बीएसएफ जवानों को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि वे सीमा निगरानी का जायजा लेने और बल के कर्मियों से सीधे बातचीत करने आए हैं। उन्होंने कहा, 卐मैंने वादा किया है कि बीएसएफ का 60वां वर्ष बीएसएफ आधुनिकीकरण और बीएसएफ कर्मियों और उनके परिवारों के कल्याण के वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। गृह मंत्रालय की एक टीम इन दोनों पहलुओं पर काम कर रही है।卐 उन्होंने कहा कि बीएसएफ कर्मियों के कल्याण के लिए सरकार एक विशेष योजना भी लाएगी।

उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा सरकार प्रौद्योगिकी के आधार पर सीमा सुरक्षा के आधुनिकीकरण के लिए आवश्यक धनराशि खर्च करने को तैयार है। मेरा मानना घ्है कि बेहतर सीमा अवसंरचना और आधुनिक उपकरण आपको अपने कर्तव्यों के निर्वहन में बहुत मदद करेंगे। इसके माध्यम से हम आपकी कठिनाइयों को भी कुछ हद तक कम करने का प्रयास करेंगे ताकि आप अपनी जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभा सकें। गृह मंत्री ने बीएसएफ कर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के कारण ही पूरा देश शांति से सो पाता है और सुरक्षित महसूस करता है।

गृह मंत्री ने कहा, 卐जब भी मैं बीएसएफ चौकी का दौरा करता हूंकृचाहे वह राजस्थान का कच्छ रेगिस्तान हो या जम्मू-कश्मीर क्षेत्रकृमैं हमेशा कर्तव्यनिष्ठा, जागरूकता और उच्चतम मानकों की सच्ची भावना से सीखकर लौटता हूं जो आप समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते हुए प्रदर्शित करते हैं।उन्होंने कहा कि यदि सभी बलों में समर्पण और कर्तव्यनिष्ठापूर्ण सेवा का सबसे अच्छा उदाहरण है तो वे बीएसएफ जवान हैं जो दिन-रात सीमाओं पर तैनात रहते हैं। उन्होंने कहा, यह भावना आपके 60 वर्षों के वीरतापूर्ण इतिहास में निहित है जिसने आपको पूरे देश में सम्मान और प्रशंसा दिलाई है।

लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

नयी दिल्ली, 06 फरवरी । लोकसभा में विपक्षी दलों का हंगामा शुक्रवार को लगातार पांचवे दिन भी जारी रहा जिसके कारण सदन नहीं चला और लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।पीठासीन अधिकारी कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने एक बार के स्थगन के बाद दोपहर बारह बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की, तो विपक्षी दलों के सदस्य नारेबाजी और हंगामा में करते हुए सदन के बीचों बीच आ गए। इस दौरान उन्होंने हंगामे के बीच ही जरूरी कागजात सदन के पटल पर रखवाए।

हंगामा कर रहे सदस्यों से उन्होंने अपनी सीटों पर जाने का आग्रह किया और कहा कि हंगामे के बीच वह सदन की कार्यवाही नहीं चला सकते है इसलिए सभी सदस्य शांत होकर अपनी सीटों पर बैठ जाए। लेकिन

किसी ने उनकी बात नहीं सुनी और हंगामा तेज होता गया जिसकी कारण उन्होंने सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले 11 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सदस्यों में भारी हंगामा किया। अध्यक्ष ओम बिरला ने हंगामे के बीच ही प्रश्नकाल चलाने का प्रयास किया लेकिन हंगामा तेज होता गया जिसके कारण उन्हें सदन की कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित करनी पड़ी।

पीएमएवाई-जी के तहत जम्मू-कश्मीर में 506 परिवारों को 5 मरला भूमि आवंटित, 435 अन्य मामलों पर विचाराधीन: जाविद डार

जम्मू, 06 फरवरी। सरकार ने आज सदन को बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत जम्मू-कश्मीर में 506 परिवारों को 5 मरला भूमि आवंटित की गई है, जबकि 435 अन्य मामलों पर राजस्व अधिकारियों द्वारा विचार किया जा रहा है। यह जानकारी ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के मंत्री जाविद अहमद डार ने विधायक मोहम्मद यूसुफ़ तरीगामी के प्रश्न के उत्तर में दी। मंत्री ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में पीएमएवाई के तहत भूमिहीन और बेघर परिवारों की पहचान के लिए आवश्यक आकलन और सर्वेक्षण किया गया है। उन्होंने कहा कि पीएमएवाई-ग्रामीण चरण-1 (RDD) के तहत स्थायी प्रतीक्षा सूची से ऐसे परिवारों की पहचान के लिए व्यापक सर्वेक्षण किया गया, जिसे पूरे प्रदेश में पूर्ण रूप से संतृप्त कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि कुलगाम जिले सहित लाभार्थीवार सूची को अंतिम रूप दे दिया गया है और योजना दिशा-निर्देशों के अनुसार सत्यापन के बाद पात्र लाभार्थियों को भूमि आवंटित की गई है।

परीक्षा में सफलता की गारंटी आत्मविश्वास होता है, हड़बड़ी नहीं : मोदी

नयी दिल्ली, 06 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि छात्रों को परीक्षा के लिए तनाव पालने और ज्यादा नंबर लाने की होड़ की सोच पर ध्यान देने की बजाय जीवन के लक्ष्य की कसौटी पर खुद को कसते हुए निरंतर और धैर्य तथा आत्मविश्वास के साथ काम करते रहने की जरूरत पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।श्री मोदी ने शुक्रवार को यहां अपने आवास पर परीक्षा पर चर्चा को लेकर देश की विभिन्न हिस्सों से आए बच्चों से संवाद के कार्यक्रम में बच्चों से बात करते हुए कहा कि परीक्षा को बोझ नहीं मानना है और उसे आसानी से लेते हुए अपनी पढ़ाई करनी है। उन्होंने पुराने पेपर देखकर तैयारी करने को पुरानी बीमारी बताया और कहा कि नए दौर ने इसका कोई औचित्य नहीं है। यह एक तरह की बीमारी है इसलिए सहज रूप से अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए तैयारी करनी चाहिए और परीक्षा को तनाव की वजह या बोझ नहीं बनाना चाहिए। प्रधानमंत्री से एक बच्चे ने सवाल किया कि जीवन में सपना पलना ज़रूरी है, श्री मोदी ने कहा कि सपना ना देखना जीवन के साथ सबसे बड़ा अपराध है। सपने से ही लक्ष्य बनते हैं और उससे शक्ति के साथ जीवन मे आगे बढ़ाने की प्रेरणा

मिलती है। कठिन से कठिन सपने को पाने के लिए अनुकूल मेहनत कर ही उसे पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को खुद का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए महापुरुषों की जीवनियां पढ़नी चाहिए।

लोलाब और माछिल के 50 गांवों को 49 जल आपूर्ति योजनाओं से मिल रहा लाभ: जल शक्ति मंत्री

जम्मू, 06 फरवरी। जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा ने आज विधानसभा को जानकारी दी कि लोलाब और माछिल क्षेत्र के 50 गांवों की जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 49 संचालित जल आपूर्ति योजनाएं कार्यरत हैं।

वह यह जानकारी विधायक क़ैसर जमशेद लोन द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में दे रहे थे।

मंत्री ने बताया कि ये सभी जल आपूर्ति योजनाएं नियमित रूप से संधारित की जा रही हैं और क्षेत्र की आबादी की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा कर रही हैं।

जल शक्ति मंत्री ने आगे कहा कि जल की कमी वाले क्षेत्रों में समस्या के समाधान के लिए सरकार ने पिछले तीन वर्षों में विभिन्न चल रही योजनाओं के तहत 16 नए बोरवेल/डगवेल स्रोत तथा 17 नए झरना/नाला स्रोत स्थापित किए हैं।

उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त चार और जल स्रोत वर्तमान में विकासाधीन हैं, जिनके अंतर्गत जल जीवन मिशन और यूटी कैपेक्स के तहत 22 नई जल आपूर्ति योजनाएं शामिल हैं। इनमें से 12 योजनाएं पहले ही चालू हो चुकी हैं, जबकि शेष विभिन्न चरणों में क्रियान्वयनाधीन हैं।मंत्री ने कहा कि इन योजनाओं के पूर्ण होने पर जल आपूर्ति ढांचे को मजबूती मिलेगी और निर्धारित मानकों (55 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन) के अनुसार सुरक्षित पेयजल की सतत उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

सुबह क्यों सूर्य को अर्पित करना चाहिए जल

भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म में सूर्य को भगवान का दर्जा मिला है। ग्रह विज्ञान के हिसाब से भी सूर्य को सभी ग्रहों से श्रेष्ठ माना गया है। सूर्य ऊर्जा का स्रोत है और अन्य ग्रह इसकी परिक्रमा करते हैं। वे इसकी रोशनी प्राप्त करते हैं। सनातन धर्म नें भी इसके महत्व को समझा है और इसिलिए सबसे श्रेष्ठ मानते हुए सूर्य देव की पूजा को कहा गया है। सूर्य को जल अर्पित जाता है। सूर्य को जल अर्पण करने के पीछे धार्मिक कारणों के साथ साथ कुछ वैज्ञानिक तथ्य हैं।

- जिन लोगों की कुंडली मे सूर्य कमजोर होता है या जिनमें आत्मविश्वास की कमी होती है या फिर जो निराशावादी होते हैं और जिन्हें घर-परिवार में मान-सम्मान की अभिलाषा होती है उनके लिए सूर्य को जल चढ़ाना महत्वपूर्ण माना गया है।
- सूर्य की किरणों में सात रगों का समावेश होता है जो रंग हम कृत्रिम रोशनी में नहीं देख पाते वे सभी सूर्य की रोशनी में सपष्ट दिखाई देते हैं। सूर्य की रोशनी के कारण ही हम रंगों की सही पहचान करने में सक्षम होते हैं।
- माना जाता है कि सुबह जब कोई व्यक्ति सूर्य को जल चढ़ाता है तो सूर्य से निकलने वाली किरणें उसको स्वास्थ्य लाभ देती हैं। सुबह के समय सूरज की जो किरणें निकलती हैं वे शरीर में होने वाले रंगों के असंतुलन को सही करती हैं। सूरज की किरणों में सात रंगों का समावेश होता है। यह रंग रंगो के विज्ञान पर काम करते हैं। माना जाता है कि सुबह के समय सूर्य को जल चढ़ाते समय इन किरणों के प्रभाव से रंग संतुलित हो जाते हैं और साथ ही साथ शरीर में प्रतिरोधात्मक शक्ति बढ़ती है।
- धार्मिक दृष्टिकोण से देखें तो सूर्य देव को आत्मा का कारक माना गया है। प्रात:काल सूर्य देव के दर्शन से मन को बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। यह शरीर में स्फूर्ति लाता है। सूर्य प्रकाश का सबसे बड़ा स्रोत है और प्रकाश को सनातन धर्म में सकारात्मक भावों का प्रतीक माना गया है। दुख, तकलीफ और परेशानियों को रात या अंधेरे से जोड़ा गया है। जब सूर्य का उदय होता है तो अंधकार गायब होने लगता है। अर्थात सूर्य के आने से सभी नकारात्मक उर्जा नष्ट हो जाती हैं। यही वजह है सूर्य को श्रेष्ठ ईश्वर का दर्जा दिया गया है।
- सूर्य को जल चढ़ाने के लिए सुबह सूर्योदय से पहले उठकर स्नानादि करके तांबे के लोटे से सूर्य को जल अर्पित करने का विधान है। इस विधि के दौरान जल की धारा में से उगते सूरज को देखना चाहिए इससे धातु और सूर्य कि किरणों का असर आपकी दृष्टि के साथ-साथ आपके मन पर भी पड़ेगा और आपको सकारात्मक उर्जा का आभास होता रहेगा। सूर्य को जल अर्पित करते वक्त इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि अर्घ्य किया हुआ जल बेकार ना जाए। वो जल किसी वनस्पति में गिरे तो आपको सौभाग्य की प्राप्ति होगी। इसके साथ साथ जल चढ़ाते वक्त सूर्य मंत्र ऊं सूर्याय नमः का जाप करते रहना चाहिए। सूर्य को जल चढ़ाने का सही वक्त सूर्योदय होता है।

क्यों खास माना जाता है पीपल का वृक्ष, जानिए इसके बारे में

सनातन धर्म में सभी जीव, जंतुओं और वनस्पतियों को महत्व मिला है। यही कारण है की किसी ना किसी रुप में नदी, पहाड़ जीव और वनस्पतियों को धार्मिक आस्थाओं के साथ जोड़ा गया ताकि लोग इन्हें अपने जीवन का हिस्सा बनाए रखें। सनातन धर्म के सिद्धांतों में पीपल वृक्ष को सर्वोत्तम माना गया है। पीपल को दैवीय वृक्ष माना गया है। पीपल की पूजा की जाती है। जानिए पीपल से जुड़े कुछ तथ्य।

- पद्मपुराण में पीपल वृक्ष को भगवान विष्णु का रूप माना गया है। इसी के चलते धर्म के क्षेत्र में पीपल के वृक्ष को दैवीय पेड़ के रूप में मान्यता मिली और सभी विधि-विधानों के साथ इसकी पूजा की जाने लगी। हिंदू धर्म में अनेक अवसरों पर पीपल वृक्ष की पूजा का विधान है और मान्यता यह भी है की सोमवती अमावस्या के दिन पीपल के वृक्ष में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का वास होता है। स्कंद पुराण के अनुसार पीपल के मूल में विष्णु, तने में केशव, शाखाओं में नारायण, पत्तो में हरि आदि देव रहते हैं। ऐसे में पीपल वृक्ष की पूजा करने से सभी देव प्रसन्न होते हैं। पीपल में पितरों का निवास भी माना गया है। इसमें सब तीर्थों का निवास होता है इसलिए ज्यादातर संस्कार इसके नीचे कराए जाते हैं।
- ज्योतिष विज्ञान के अनुसार अगर किसी जातक की शनि साढ़ेसाती चल रही हो तो ऐसे वक्त में हर शनिवार पीपल वृक्ष में जल अर्पित करके इसके सात चक्कर लगाने से लाभ होता है। इसके साथ-साथ शाम के समय पीपल के पेड़ की जड़ में दीपक जलाना भी फायदेमंद होता है।
- हिंदु धर्म मान्यताओं के अनुसार अगर कोई व्यक्ति पीपल के पेड़ के नीचे भगवान शिव की स्थापना करके नित्य नियम से पूजा आराधना करता हो तो उसके समस्त कष्ट दूर हो जाते हैं।
- पीपल के वृक्ष की महत्ता का पुराणों और अन्य धार्मिक ग्रंथों में खूब वर्णन किया गया है। इस वृक्ष की सकारात्मक उर्जा को देखते हुए ऋषि-महात्माओं नें पीपल वृक्ष के नीचे बैठ कर तप किया और ज्ञान अर्जित किया। महात्मा बुद्ध नें भी पीपल के नीचे बैठकर ही जन्म-मृत्यु और संसार के रहस्यों को जाना था।
- पीपल के वृक्ष का सिर्फ धर्म और पुराणों में नहीं बल्कि विज्ञान में भी काफी महत्व है। प्रकृति विज्ञान के अनुसार पीपल का वृक्ष दिन-रात ऑक्सीजन छोड़ता है, जो हमारे पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा पीपल के पेड़ को अक्षय वृक्ष भी कहा जाता है क्योंकि ये पेड़ कभी भी पत्ते विहीन नही होता। मतलब इसमें एकसाथ पतझड़ नही होती। पत्ते झड़ते रहते हैं और नए आते रहते हैं। पीपल के वृक्ष की इस खूबी के कारण इसके जीवन-मृत्यु चक्र का द्योतक बताया गया है।

पूजा करने के दौरान इन पांच बातों को कभी न करें अनदेखा

भगवान की विशेष कृपा पाने के लिए जरूर करें पालन

पूजा-पाठ का अर्थ केवल भगवान की स्तुति कर उन्हें प्रसन्न करना नहीं होता बल्कि यह अपने मन की शांति के साथ अपने आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए भी पूजा-पाठ का बहुत महत्व है लेकिन पूजा करते समय कुछ बातें ऐसी हैं, जिनका पालन करना बहुत जरूरी है।

दोनों हाथों को मजबूती के साथ जोड़कर करें प्रणाम

भगवान के सामने या पूजा-हवन में शामिल होते वक्त हमेशा हाथों को मजबूती के साथ जोड़कर प्रणाम करना चाहिए। इससे यह पता चलता है कि आप पूरी सकारात्मक ऊर्जा के साथ भगवान को धन्यवाद दे रहे हैं। प्रणाम करने के बाद दोनों हाथों को माथे पर जरूर लगाना चाहिए।

जाप करते हुए या माला फेरते हुए याद रखें

जाप करते या माला फेरते हुए आपको जीभ या होठों को नहीं हिलाना चाहिए बल्कि मन-मन में जप करना चाहिए। इसे उपांशु जप कहा जाता है। ऐसे जप में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हमारे पूरे शरीर में होता है। जिससे हमारा चित्त शांत होता है।

तुलसी तोड़ते हुए ध्यान रखें

बिना नहाए हुए कभी भी तुलसी नहीं तोड़नी चाहिए। साथ ही तुलसी तोड़ते हुए ध्यान रखें कि कभी भी नाखून का इस्तेमाल करके तुलसी न तोड़े। इसके अलावा संक्रांति, द्वादशी, अमावस्याल, पूर्णिमा और रविवार के दिन तुलसी तोड़ने से परहेज करें।

पीपल पर जल कब चढ़ाएं

पीपल पर हमेशा जल नहीं चढ़ाना चाहिए बल्कि शनिवार के दिन पीपल की जड़ों को सींचना चाहिए। शनिवार के दिन पीपल की विशेष पूजा करनी चाहिए। साथ ही पीपल की सात परिक्रमा करनी चाहिए।

जानवरों को जरूर खिलाएं प्रसाद

जानवरों पर भगवान की विशेष कृपा होती है क्योंकि जानवर छल-कपट से दूर होते हैं। जानवरों को पूजा पाठ के बाद हमेशा प्रसाद देना चाहिए। साथ ही इनके जीवन को आसान बनाने के लिए आपको सामर्थ्यनुसार मदद करनी चाहिए जैसे सर्दी में इनके लिए बिछौना, चटाई या बारिश में इन्हें शरण देनी चाहिए।

भूलकर भी घर में नहीं रखने चाहिए ये पौधे, देते हैं अशुभ फल

फेंगशुई के अनुसार घर में पौधे रखना घर में एनर्जी के प्रवाह को बनाए रखता है। कहा जाता है कि कुछ पौधे रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है तो कुछ पौधों को रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा भी आती है। इसलिए ऐसे पौधों को घर में रखने से बचना चाहिए। फेंगशुई एक्सपर्ट की मानें तो इन्हें घर में रखने से घर में बेड लक आता है। यहां हम आपको बता रहे हैं ऐसे ही कुछ ऐसे ही कुछ पौधों के बारे में जिन्हें घर में नहीं रखना चाहिए। आगे की स्लाइडों में पढ़ें ऐसे ही पौधों के बारे में...

कैक्टसः फेंगशुई के अनुसार कैक्टस एक कटीला पौधा है। घर में कांटेदार पौधों को रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा आती है। वैसे तो गुलाब की कांटेवाला पौधा है लेकिन घर में गुलाब लगा सकते हैं, लेकिन कैक्टस का पौधा नहीं लगाया जाता।

बोनसईः बोनसई का पौधा देखने में तो अच्छा लगता है लेकिन फेंगशुई के अनुसार इसे घर में नहीं रखना चाहिए। कहा जाता है कि इस पौधे को घर में रखने से कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

कपासः घर के करीब कपास का पेड़ होने से कलह की स्थिति पैदा होती है।

इमली या मेहंदीः अगर घर के आगे इमली या मेहंदी का पेड़ है तो उसे हटवा लिजिए। वास्तु के अनुसार इनमें बुरी आत्माएं वास करती हैं।

अच्छा नहीं माना जाता है घर पर आकर रुकने वाला रास्ता

कई बार आपने देखा होगा कि घर के ठीक सामने कोई रास्ता या सड़क आकर बंद हो जाती है। वास्तु में इसे अच्छा नहीं माना जाता। इसके बहुत से नुकसान उठाने पड़ सकते हैं। किसी सड़क या मार्ग का घर पर आकर बंद हो जाना या रुकना वास्तु दोष माना गया है। जानिए क्या नुकसान पहुंचा सकता है यह वास्तु दोष।

- जब कोई मार्ग आपके घर के सामने सीधा प्रवेश करता हो या आकर रुक जाए तो वास्तु शास्त्र की दृष्टि से वह अशुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र में यह स्थिति अच्छी नहीं मानी गई है। कोशिश कीजिए इस तरह से कोई रास्ता आपके घर के सामने आकर ना रुके और यदि ऐसा है तो उपाय जरूर कराइए।
- विवाह योग्य युवक-युवती के कमरों की दीवार पर सुंदर चित्र लगाएं, लेकिन रोते हुए बच्चे और डूबते सूरज का चित्र कभी भी नहीं लगाना चाहिए। साथ ही जब कोई विवाह के लिए देखने आए तो इस प्रकार बैठें कि आपका मुख उत्तर दिशा की ओर हो।
- यदि प्रेम-विवाह हो रहा है और बुरे सपने या विचार आते हों तो सोते समय तकिए के नीचे चाकू या कैंची रखकर सोएं।
- घर के मुख्य द्वार पर शीशा नहीं लगा होना चाहिए। इससे वैवाहिक जीवन में अच्छा जीवनसाथी मिलने से पहले ही लौट जाता है।
- यदि घर के मुख्य द्वार के सामने कोई खंभा, वृक्ष, खुली हुई नाली हो तो यह आपके काम में वाधा डाल सकती है। क्योंकि यह सब कुछ नकारात्मक माना जाता है। इसलिए ऐसी जगहों से बचें।
- विवाह में अतिथियों को ठहराने का स्थान हमेशा पश्चिम दिशा में ही होना चाहिए।

जानिए, क्यों हाथ से खाने को माना जाता है अच्छा

हाथ से खाना खाने की हम भारतीयों की सदियों पुरानी परंपरा है। पुरातन समय से ही हमारे पूर्वज, ऋषि और महात्मा हमें हाथ से खाने की प्रेरणा देते आए हैं। लेकिन आज स्थितियां बदल रही हैं। हाथ से खाने के बजाय हमने चम्मच अथवा काटों के सहारे भोजन ग्रहण करना शुरू कर दिया। जानिए हाथ से खाना खाने के पीछे क्या कारण हैं...

- जब हम हाथ से खाना खाते हैं तब उंगलियों और अंगूठे से जो मुद्रा बनती है उससे शरीर में एक विशेष उर्जा बनती है, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक होती है। हमारा शरीर पांच तत्वों के योग से बना है जिन्हें जीवन उर्जा के नाम से जाना जाता है और इन्ही पांच तत्वों की उपस्थिति हमारे हाथों की उंगलियों में होती है। इसमें अंगूठे में अग्नि, तर्जनी में वायु, मध्यमा में आकाश, अनामिका में पृथ्वी और सबसे छोटी उंगली तत्व का प्रतीक मानी गई है। माना जाता है कि जब हम हाथ से खाना खाते हैं तो उंगलियों से बनने वाली मुद्रा से पंच तत्वों का प्रतिनिधित्व मिलता है।
- हाथ से खाना खानें में भोजन का अलग अहसास होता है। मगर इसमें सिर्फ स्वाद ही मुख्य कारक नहीं है। इसका एक तार्किक कारण भी है। जब हम चम्मच से खाना खाते हैं तो हमें खाने के तापमान का अंदाजा नहीं हो पाता, लेकिन यदि हम खाना खाएंगे तो हमें इस तापमान का आसानी से अहसास रहेगा। यही नहीं जब हम हाथ से खाना खाएंगे तो स्वभाविक रूप से पहले उन्हें साफ करेंगे, जबकि चम्मच का प्रयोग करने पर हम कई बार सफाई को इग्नोर कर देते हैं।
- जब हम हाथ से भोजन ग्रहण करते हैं तब हमारे हाथों में स्थित इन पाचों तत्वों की उर्जा हमारे भोजन को और उर्जावान बना देती है। इससे हमारे शरीर के अंदर प्राणाधार की उर्जा में विकास होता है।
- जब हम हाथ से खाना खाते हैं तो हमारी तंत्रिकाओं द्वारा हमारे दिमाग में संदेश पहुंचता है जिससे हमारा पाचन तंत्र सक्रिय हो जाता है और भोजन के प्रकार के अनुसार चयापचय की व्यवस्था करता है जिससे हम भोजन को सही पचाने की उर्जा प्राप्त करते हैं।
- हाथ से खाना खाने पर हम अवांछित वस्तु का अहसास कर पाते हैं जबकि चम्मच या कांटे का प्रयोग से ऐसा नहीं हो पाता। हाथ से सीधे खाने का स्पर्श अलग अहसास देता है। जो सेहत के लिए अच्छा माना जाता है।

वक्त का बदलना है एक सतत प्रक्रिया, बदलाव की राह पर ध्यान रखें ये 5 बातें

वक्त का बदलना एक सतत प्रक्रिया है। दिन-रात, मौसम, जन्म-मृत्यु और बदलाव एक निरंतर चक्र है। समय और जीवन का बदलाव चक्र। बिना बदलाव तरक्की नहीं हो सकती। प्रकृति भी बदलाव में यकीन करती है। जो बीत गया उसका शुक्र मनाते हुए आगे बढ़ना आना चाहिए। साथ ही जो आने वाला है उसका स्वागत करने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। हमें हर बार नई सोच, नई ऊर्जा, नए विचारों, नए लक्ष्यों और नए संकल्पों के साथ नई शुरुआत करनी चाहिए। बीते अनुभव से सीख लें और आगे बढ़ जाएं। मगर बदलाव की राह पर ये 5 बातें जरूर ध्यान रखनी चाहिए-

1. **पसंदः** जब कभी भी बदलाव का सामना होता है, तब आपके सामने दो तरह के विकल्प होते हैं उसे स्वीकार करें या कन्नी काट लें। स्वीकार करने में हिम्मत और विश्वास की जरूरत होती है, चूंकि कंफर्ट जोन से बाहर कदम रखने में हमेशा हिचक होती है। लेकिन जब आप पूरे विश्वास से बढ़ते हैं तो उत्साह के साथ संभावनाओं का उदय होता है।
2. **खुशीः** हमेशा खुशी को तरजीह दें, अपने लिए भी दूसरों के लिए भी। खुशी एक ऐसा विकल्प है, जो हमें हमारे भीतर से ही मिल सकता है। हर चीज के उज्ज्वल पक्ष पर ध्यान केंद्रित करें, उदाहरण के लिए खुद से पूछें मैं इससे क्या सीख सकता हूं? या धन्यवाद व आभार के साथ हर चीज को स्वीकार करें। खुशी खुद ही करीब आती दिखेगी।
3. **स्थिरता का भाव लाएंः** अपनी वास्तविकता और बुद्धि कौशल का प्रयोग करें। इनका आपके भौतिक अस्तित्व से ज्यादा महत्व है। जीवन में जब कभी उतार-चढ़ाव वाले क्षण आएं, अपने मन और आत्मा को और विस्तार देने के लिए इन्हीं अनुभवों की मदद लीजिए। स्थिर चित्त रहेंगे तो कठिन हालात से भी निकल आएंगे।
4. **तरक्कीः** जब आप समय और बदलाव को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ते हैं तो आप आगे बड़ते जाते हैं। आप अपने से बड़ी ताकत को स्वीकार करते हैं, तो आपका विश्वास बढ़ता है और उसका प्राकृतिक प्रतिफल होता है आपकी तरक्की।
5. **नई उत्पत्तिः** इस तरीके से बदलाव को स्वीकार करने के बाद मिलने वाली ताकत और वास्तविकता के धरातल से होती है नई उत्पत्ति। नए दोस्त, संबंध, सफलताएं, उत्साह व खुशियां। आने वाले समय के लिए अपने उत्साह में कमी न आने दें और खुली बांहों से बदलाव को आत्मसात करें। हर कदम में छिपे रहस्यों और उत्साह को पूरी प्रसन्नता के साथ स्वीकार करें।

इन उपायों को करने से परीक्षा में मिलेगी सफलता

बच्चों की परीक्षाएं सिर पर हैं। बच्चों के साथ माता-पिता को भी उनकी पढ़ाई को लेकर बेहद चिंता है। वैसे तो पढ़ाई में की गई मेहनत ही बच्चों के रिजल्ट में रंग लाएगी, लेकिन बच्चों की एकाग्रता बनी रहे, उनका पढ़ाई में मन लग सके, इसे लेकर फेंगशुई के कुछ आसान उपायों को अपनाया जा सकता है। इन उपायों को अपनाने से बच्चे नकारात्मक ऊर्जा से दूर रहेंगे और सकारात्मक ऊर्जा के साथ अपनी परीक्षा अच्छे से दे सकेंगे।

- क्रिस्टल बॉल को बच्चों के स्टडी रूम में नॉर्थ ईस्ट दिशा में रखें। इससे बच्चों में बुद्धि का विकास होता है।
- अध्ययन कक्ष में कोई कॉपी-किताब या पेन को खुला न छोड़ें। कॉपी किताबों को हमेशा उनके तय स्थान पर ही रखें।
- स्टडी टेबल के कोने कटे हुए नहीं होने चाहिए। स्टडी टेबल को दीवार से सटाकर नहीं रखना चाहिए। जिस मेज या कुर्सी पर पढ़ाई करते हों, वह टूटी हुई न हो। पढ़ाई करने वाली मेज पर कभी खाना न खाएं।
- पढ़ाई करते वक्त विद्यार्थी की पीठ के पीछे दीवार होनी चाहिए।
- पढ़ाई करते समय जूते-मोजे उतार दें। विद्यार्थी मोर पंख अपने पास रखें।
- परीक्षा देने जाते समय मीठा दही या मिष्ठान खाकर जाएं।
- फेंगशुई ग्रीन लैंप को घर की उत्तर दिशा में लगाने से बच्चों का पढ़ाई में मन लगता है।
- क्रिस्टल ग्लोब को नॉर्थ-वेस्ट दिशा में रखना चाहिए। पढ़ाई आरंभ करने से पहले अपने ईष्ट देव का ध्यान कर लें। पढ़ाई पूरी करने के बाद भी ऐसा ही करें।

बिजनेस में आ रही है परेशानी तो घर लें आए ये खास चीज

जीवन में सफलता और तरक्की तो हर कोई पाना चाहता है। इसके लिए आप मेहनत करते ही है। कई कितनी भी मेहनत कर लो सफलता नहीं मिल पाती। अगर आपको भी तरक्की नहीं मिल पा रही है तो फेंगशुई के इस आसान उपाय आपकी परेशानी का हल हो सकते हैं। फेंगशुई में घोड़े को तरक्की का रूप माना जाता है। यदि आपको तरक्की चाहिए तो आप घोड़े की मूर्ति घर में रख सकते है।

- घर में रखे घोड़े का स्टैच्यू तरक्की का प्रतीक है। इसे आप घर के दक्षिण दिशा में रखें इससे आपको तरक्की मिलेगी।
- घर में घोड़े की तस्वीर लगा सकते है, वहीं दुकान वगैरह में आप इसका स्टैच्यू रख सकते हैं।
- घोड़े को कभी भी लगाम के साथ नहीं रखना चाहिए। इसे इस तरह रखें कि इसकी रफ्तार रुकी हुई दिखाई दे।
- घर के बेडरूम में आप घोड़ा रखते हैं तो ध्यान रखें कि आप घोड़े का जोड़ा रखें इससे पति-पत्नी के बीच प्रेम बढ़ता है। वहीं सुख-शांति आती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जूनियर क्रिकेट चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में रोमांच, चडवाल और बिलावर फाइनल में पहुँचे

कठुआ, 06 फरवरी (हि.स.)। जिला प्रशासन कठुआ एवं आबकारी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जूनियर क्रिकेट चैंपियनशिप के तीसरे दिन खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। कठुआ स्टेडियम में खेले गए दोनों मुकाबलों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

पहले सेमीफाइनल में मढ़हीन और चडवाल के बीच कांटे की टक्कर हुई। चडवाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 144 रन बनाए। जवाब में मढ़हीन की टीम 143 रन ही बना सकी और मुकाबला मात्र एक रन से हार गई। मढ़हीन के सैरत ने 63 रनों की शानदार पारी खेली। दूसरे सेमीफाइनल में बिलावर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 164 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। बिलावर के सुरजल ने 71 रनों की बेहतरीन पारी खेली, जबकि लखनपुर के बंटी ने चार विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनपुर की टीम 115 रन ही बना सकी और बिलावर ने मुकाबला अपने नाम किया। इन परिणामों के साथ चडवाल और बिलावर की टीमें फाइनल में पहुँच गई हैं। फाइनल मुकाबला सोमवार को खेला जाएगा। प्रतियोगिता युवाओं में खेल भावना, स्वस्थ जीवनशैली और नशा मुक्त भारत अभियान के संदेश को मजबूत कर रही है

एसीबी ने जम्मू में पुलिस एएसआई को 5,000 रुपये की रिश्वत के आरोप में किया गिरफ़्तार

जम्मू, 06 फरवरी (हि.स.)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) जम्मू ने शुक्रवार को जम्मू जिले के खौर इलाके में एक शिकायतकर्ता से 5,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए पुलिस के एक सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) को रंगे हाथों पकड़ लिया। एसीबी के अनुसार आरोपी को घरेलू हिंसा से संबंधित मामले में कार्रवाई करने के बदले पैसे की मांग करने पर मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। एक प्रवक्ता ने कहा कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जम्मू ने शिकायतकर्ता से अवैध परितोषण की मांग करने और स्वीकार करने के लिए पी/एस खौर में तैनात लोक सेवक मोहिंदर लाल, सहायक उप निरीक्षक के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 के तहत एफआईआर संख्या 02/2026 के तहत मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि उक्त आरोपी लोक सेवक ने शिकायतकर्ता से उसकी चचेरी बहन के पति के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए 5,000/- रुपये की रिश्वत की मांग की थी जिसे उसके पति द्वारा नियमित रूप से परेशान और हमला किया जा रहा था। चूंकि, शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था और उसने कानून के तहत आरोपी लोक सेवक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से संपर्क किया। प्रवक्ता ने कहा कि शिकायत प्राप्त होने पर, एक विवेकपूर्ण सत्यापन किया गया जिसमें संबंधित लोक सेवक द्वारा रिश्वत की मांग की पुष्टि हुई और तदनुसार, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 के तहत एफआईआर संख्या 02/2026 पुलिस स्टेशन एसीबी जम्मू में दर्ज की गई और जांच की गई । उन्होंने कहा कि जांच के दौरान एक ट्रैप टीम का गठन किया गया. टीम ने एक सफल जाल बिछाया और आरोपी लोक सेवक को स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में शिकायतकर्ता से रिश्वत की रकम मांगते और स्वीकार करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया।

मनरेगा बचाओ संघर्ष व राज्य बहाली की मांग को लेकर कठुआ में कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

कठुआ, 06 फरवरी (हि.स.)। जिला कांग्रेस कमेटी कठुआ की ओर से शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर मनरेगा बचाओ संघर्ष और जम्मू-कश्मीर की राज्य बहाली की मांग को लेकर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया। यह धरना कांग्रेस जिला अध्यक्ष पंकज डोगरा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया धरने के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मनरेगा योजना में किए जा रहे कथित बदलावों का विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद चैधरी लाल सिंह सहित अन्य नेताओं ने कहा कि देश की आजादी में अहम भूमिका निभाने वाले महात्मा गांधी के नाम पर शुरू की गई मनरेगा योजना का नाम बदलना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर देशव्यापी आंदोलन चला रही है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि किसी भी सरकारी योजना या परियोजना का ननाम किसी भगवान के नाम पर नहीं होना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि भविष्य में ऐसी किसी योजना में घोटाला सामने आता है तो क्या धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचेगी। युवा कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जहां एक ओर विदेशों में महात्मा गांधी को सम्मान दिया जाता है, वहीं देश में उनके नाम से जुड़ी योजनाओं के नाम बदले जा रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने जम्मू-कश्मीर को जल्द राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की। नेताओं का कहना था कि राज्य बहाली से ही युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और जनता को उनके अधिकार वापस मिलेंगे।

11.60 लाख रुपये नकद के साथ नशा तस्कर को किया गिरफ्तार

जम्मू, 06 फ़रवरी (हि.स.)। मादक पदार्थों की तस्करी और मादक द्रव्यों के सेवन के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए जम्मू पुलिस ने पीएस आरएस पुरा के अधिकार क्षेत्र के तहत कोटली गाला बाना, ईंट भट्ठे के पास से एक ड्रग तस्कर से नकदी के साथ भारी मात्रा में प्रतिबंधित गोलियां बरामद करके एक और सफलता हासिल की। पुलिस स्टेशन आर.एस. की एक पुलिस टीम के नेतृत्व में पी एस आई नरेश कुमार व एसएचो पीएस आरएस पुरा इंस्पेक्टर रवि सिंह परिहार की देखरेख में नियमित गश्त के दौरान ईंट-भट्ठे के पास कोटली गला बाना पर एक नाका स्थापित किया और रोका गया। जाँच के उद्देश्य से एक महिंद्रा केयूवी जिसका पंजीकरण नंबर जेके02 बीएम-6680 है। चेकिंग के दौरान सह-चालक की अगली सीट से नारंगी रंग की पॉलिथीन में भारी मात्रा में प्रतिबंधित कैप्सूल और नकदी बरामद की गई। पूछताछ के दौरान कार चालक ने अपनी पहचान शिव गुप्ता पुत्र नरेश कुमार गुप्ता निवासी डब्ल्यू नंबर 01 आरएस पुरा तहसील आरएस पुरा जिला जम्मू बताई।

इस संबंध में एक मामला एफआईआर संख्या 32/2026 यू/एस 8/21/22 एनडीपीएस अधिनियम पुलिस स्टेशन आरएस पुरा में दर्ज किया गया है और तदनुसार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि तस्करी, नकदी और वाहन को जब्त कर लिया गया है।

गहरी सांठगांठ का पता लगाने और मामले में बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज पर काम करने के लिए आगे की जांच चल रही है।

सरस आजीविका मेले में स्वयं सहायता समूहों का फूड कोर्ट ऑनलाइन हुआ

जम्मू, 06 फ़रवरी (हि.स.)। स्वयं सहायता समूहों की बाजार पहुंच को मजबूत करने और उन्हें डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सरस आजीविका मेले में स्थित स्वयं सहायता समूह का विविध फूड कोर्ट ऑनलाइन हो गया है जिससे नागरिक अपने घरों में आराम से बैठकर विभिन्न प्रकार के पौष्टिक और पारंपरिक खाद्य पदार्थों का आनंद ले सकते हैं।स्विगी के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से मुफ्त डिलीवरी सेवा शुरू की गई है जिससे लोग भारत की समृद्ध और विविध खाद्य संस्कृति को दर्शाते हुए, जम्मू-कश्मीर और पूरे देश के विभिन्न हिस्सों के प्रामाणिक पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद सीधे अपने घर पर ले सकते हैं।जम्मू और कश्मीर में खाद्य सेवा उद्यम परियोजना के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री जावेद अहमद डार ने चल रहे सारस आजीविका मेले के दौरान केंद्र शासित प्रदेश के समर्पित एफएसई ब्रांड उम्मीद का ज़ायका का आधिकारिक उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में ग्रामीण विकास विभाग के सचिव मोहम्मद एजाज असद, जम्मू और कश्मीर श्रम मंत्रालय की मिशन निदेशक डॉ. शुभ्रा शर्मा के साथ-साथ विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और निदेशक भी उपस्थित थे।

गौ-तस्करी प्रयास विफल, 18 गोवंश बचाए गए, दो आरोपी गिरफ्तार

कठुआ, 06 फरवरी (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने लखनपुर नेशनल हाईवे पर बड़ी कार्रवाई करते हुए गौ-तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया। पुलिस थाना लखनपुर की टीम ने नाके के दौरान एक संदिग्ध ट्रक को रोककर जांच की जिसमें क्रूरता से ले जाए जा रहे 18 गोवंश बरामद किए गए। इस दौरान दो तस्करों को मौके पर गिरफ्तार कर ट्रक को जब्त कर लिया गया यह कार्रवाई एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल चारक और एसडीपीओ बसोहली ओम प्रकाश के मार्गदर्शन में की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सरफराज खटाना निवासी सिधरा जम्मू और तालिब अहमद खटाना निवासी अनंतनाग के रूप में हुई है।

कठुआ की छात्रा चाहत ने परीक्षा पे चर्चा में किया प्रदेश का नाम रोशन

कठुआ, 06 फरवरी (हि.स.)। कठुआ जिले के लिए गर्व का विषय बनते हुए छात्रा चाहत ने नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में भाग लिया। भारत सरकार की इस महत्वपूर्ण पहल के तहत देशभर से चयनित विद्यार्थियों को माननीय प्रधानमंत्री के साथ परीक्षा, शिक्षा और छात्र जीवन से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद का अवसर मिला।

चाहत आर्मी पब्लिक स्कूल जंगलोट कठुआ की छात्रा हैं और इस कार्यक्रम में उनके साथ शिक्षक के रूप में राजकीय मिडिल स्कूल कठुआ की शिक्षिका मोनिका खोसला उपस्थित रहीं।

उल्लेखनीय है कि कड़े राष्ट्रीय चयन प्रक्रिया के बाद चाहत का चयन हुआ और वे जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश से चयनित होने वाली एकमात्र छात्रा रहीं। परीक्षा पे चर्चा का उद्देश्य परीक्षा से जुड़े तनाव को कम करना और विद्यार्थियों में सकारात्मक व समग्र सोच विकसित करना है।

इस कार्यक्रम में भाग लेकर चाहत ने न केवल अपने विद्यालय बल्कि पूरे कठुआ जिले का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर मुख्य शिक्षा अधिकारी कठुआ केवल कृष्ण ने छात्रा चाहत एवं उनके माता-पिता को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जेकेएससीईआरटी जम्मू-कश्मीर, स्कूल शिक्षा निदेशालय जम्मू तथा समग्र शिक्षा जम्मू-कश्मीर ने छात्रा और एस्कॉर्ट शिक्षक को आवश्यक सहयोग प्रदान कर इस सहभागिता को सफल बनाया।

बजट में स्पष्टता की कमी, चुनावी वादे भी अधूरे : साहनी

जम्मू, 06 फ़रवरी (हि.स.)।

शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर ईकाई ने उमर सरकार द्वारा पेश बजट को अस्पष्टता से भरा बताया है। पार्टी प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पर्यटन स्थलों को विश्व स्तर का बनाने का वादा किया गया है मगर विकास के लिए तरस रहे जम्मू के पर्यटन स्थलों के लिए कोई विशेष राशि का आबंटन नहीं किया गया। वही उच्च बेरोजगारी दर से जूझ रहे युवाओं के लिए 23000 नौकरियों की घोषणा उंट के मुह में जीरा के सम्मान है। युवाओं के लिए बेरोजगारी भत्ता का कोई प्रावधान नहीं किया गया। महिला सशक्तिकरण के लिए कोई सपष्ट नीति नहीं है। उमर सरकार ने तो अपने घोषणा पत्र के 200 युनिट निशुल्क बिजली आदि वादों को भी पूरा नहीं किया गया। डेलीवेजरस का नियमतिकरण व आशा र्वकर का वेतन बढाने को लेकर कोई सपष्टता नहीं दी गई । वही मिड-डे-मील योजना के तहत मात्र 1000 रूपय मासिक वेतन पाने वाले कुक के वेतन में कोई बढौतरी नहीं की गई।

अनंतनाग में प्रस्तावित 249 बिस्तरों वाले प्रसूति एवं शिशु देखभाल अस्पताल की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की गई वापस

जम्मू, 06 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर सरकार ने अनंतनाग में प्रस्तावित 249 बिस्तरों वाले प्रसूति एवं शिशु देखभाल अस्पताल (एमसीसीएच) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) वापस कर दी है और संबंधित विभाग को नाबार्ड के अलावा वित्तपोषण का एक स्पष्ट स्रोत खोजने की सलाह दी है।

सरकार ने शुक्रवार को विधानसभा को यह जानकारी दी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा तैयार की गई 86.5 करोड़ रुपये की इस परियोजना की डीपीआर को वित्त विभाग को नाबार्ड ग्रामीण अवसंरचना विकास कोष के तहत प्रशासनिक मंजूरी के लिए वित्तीय सहमति हेतु प्रस्तुत किया गया था। हालांकि प्रस्ताव को विशिष्ट टिप्पणियों के साथ वापस भेज दिया गया। सरकार ने अनंतनाग पूर्व के विधायक रियाज अहमद खान द्वारा उठाए गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, 卐वित्त विभाग ने नाबार्ड के अलावा परियोजना के लिए वित्तपोषण के एक स्पष्ट स्रोत की पहचान करने और डीपीआर में फर्नीचर और साज-सज्जा की वस्तुओं को शामिल करने की सलाह दी है। सरकार ने कहा कि संबंधित पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा संशोधित वित्तीय अनुमानों पर वर्तमान में काम किया जा रहा है। सरकार ने सदन को सूचित किया कि 2025-26 के पूंजीगत व्यय बजट के तहत इस परियोजना के लिए 5 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। सरकार ने इस अस्पताल को 2026-27 में पूंजी निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) योजना के तहत प्रस्तावित करने की भी योजना बनाई है ताकि इस बड़े बजट वाली परियोजना के क्रियान्वयन में तेजी लाई जा सके। इससे पहले भीड़भाड़ वाले शेरबाग क्षेत्र से मौजूदा एमसीसीएच के स्थानांतरण से संबंधित एक अलग प्रश्न के उत्तर में सरकार ने कहा कि मिर्जा अफजल बेग मेमोरियल अस्पताल (एमएएमबी) सरकारी मेडिकल कॉलेज जीएमसी जांगलातमंडी, अनंतनाग के ब्लॉक-ए के पीछे भूमि की पहचान पहले ही कर ली गई है। उत्तर में कहा गया, अस्पताल का बाल रोग विभाग फिलहाल एमएएमबी जीएमसी के ब्लॉक-ए में स्थानांतरित कर दिया गया है जबकि स्त्री रोग और प्रसूति सेवाएं शेरबाग से ही संचालित होती रहेंगी।卐निर्माण पूरा होने के बाद दोनों विभागों को नए एमसीसीएच भवन में स्थानांतरित कर दिया जाएगा, यह भी बताया गया। शेरबाग स्थित एमसीसीएच में जगह की भारी कमी और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण यह बार-बार सार्वजनिक ध्यान का केंद्र रहा है। पीडब्ल्यूडी और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं ने 2014 में ही अस्पताल के भवन को असुरक्षित घोषित कर दिया था लेकिन यह अभी भी उपयोग में है।

जीडीसी महानपुर में एनएसएस इकाई द्वारा स्वच्छता अभियान, छात्रों ने दिखाया उत्साह

कठुआ, 06 फरवरी (हि.स.)। राजकीय डिग्री कॉलेज महानपुर की एनएसएस इकाई द्वारा कॉलेज परिसर में एक प्रभावी स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

यह अभियान कॉलेज की माननीय प्राचार्या प्रो. (डॉ.) संगीता सूदन के मार्गदर्शन में तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रुपाली जसरोटिया के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

अभियान के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों ने प्रशासनिक एवं शैक्षणिक ब्लॉकों सहित कॉलेज परिसर और आसपास के क्षेत्र की सफाई की। प्राचार्या ने एनएसएस स्वयंसेवकों और कार्यक्रम अधिकारी को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण और युवाओं में जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। सेमेस्टर द्वितीय की छात्राओं सहित 20 से अधिक एनएसएस स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ ने भी सहयोग किया। कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छता, स्वास्थ्य और स्वच्छ वातावरण के महत्व का संदेश दिया ग

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्याः- 230 & 231-2025-26-ADEN-1-FZR   दिनांक : 06.02.2026

मण्डल अभियंता- मुख्यालय, फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई-निविदाएं, अंतिम तिथि 02.03.2026 समय 15:00 बजे तक **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल / संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते है। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध ऑन लाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैकिंग, डेविट कार्ड, व केडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकस चेक, एफ.डी.आर. व रसीदों आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नही हैं।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	पैकेट प्रणाली
खुला	कार्य	एकल पैकेट प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	बोली शुरू की तिथि	निविदा समापन की तिथि तथा समय
03.02.2026	16.02.2026	02.03.2026 15:00 बजे

क्र.	निविदा संख्या	निविदा का विवरण
1	230-2025-26-ADEN-1-FZR	सहायक मंडल अभियंता-प्रथम/फिरोजपुर के अधिकार क्षेत्र में मुक्तसर और मोगा में पुराने परित्यक्त स्टील हीट वाटर स्टोरेज टैंक के स्थान पर 225 किलोलीटर के दो आरसीसी हीट वाटर टैंक, प्लंबिंग पाइप, पंप हाउस, बोरवेल और पंप सहित स्थापित करने का प्रावधान।

विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि
2,09,47,444.30	2,54,700.00	60 दिन	06 महीने

सामान प्रकृति का कार्यः "प्रबलित सीमेंट कंक्रीट ओवरहेड टैंक/आरसीसी फ्रेम वाली संरचनाओं का निर्माण/मरम्मत।"

क्र.	निविदा संख्या	निविदा का विवरण
2	231-2025-26-ADEN-1-FZR	सहायक मंडल अभियंता-प्रथम/फिरोजपुर के अंतर्गत मोगा, जगराओं, कोटकापुरा, मुक्तसर और फरीदकोट में रेलवे कॉलोनियों में सड़क सतहों में सुधार और पार्क का निर्माण।

विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि
2,30,88,163.95	2,65,500.00	60 दिन	06 महीने

सामान प्रकृति का कार्यः "ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।"

नोट : 1. निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जॉच करेंगे।
2. हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करे, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होगे।

416/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पुलिस ने जरूरतमंद छात्रों को स्कूल किट वितरित किए

जम्मू, 06 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अपने नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम (सीएपी) के अंतर्गत 5 फरवरी, 2026 को बिशनाह पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले दूरस्थ गांव देवली के प्रताप सिंह पुरा सरकारी प्राथमिक विद्यालय में एक सामुदायिक सहायता कार्यक्रम का आयोजन किया और जरूरतमंद छात्रों को बैग और स्टेशनरी सहित स्कूल किट वितरित किए। छात्रों से बातचीत करते हुए जम्मू मुख्यालय के एसपी इरशाद एच. राथर,आर एस पुरा के एसडीपीओ गुरमीत सिंह, अरनिया के एसएचओ, इंस्पेक्टर दिलावर कुमार और बिशनाह पुलिस स्टेशन के एसआई मोहम्मद जाहिद ने उन्हें पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने और पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने वंचित छात्रों के कल्याण के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस के निरंतर सहयोग का आश्वासन भी दिया। स्थानीय समुदाय और अभिभावकों ने इस पहल की सराहना की और शिक्षा को बढ़ावा देने और सामुदायिक कल्याण को प्रोत्साहित करने के प्रयासों के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया।

गुप्ता ने बजट 2026-27 को प्रगतिशील, जन-केंद्रित और सभी क्षेत्रों के लिए समान विकास उन्मुख बताया

जम्मू, 06 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष, रतन लाल गुप्ता ने आज मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2026-27 के वार्षिक बजट का स्वागत करते हुए इसे एक प्रगतिशील, जन-केंद्रित और विकास उन्मुख वित्तीय रोडमैप बताया, जो सभी क्षेत्रों में दीर्घकालिक, टिकाऊ और समावेशी विकास की मजबूत नींव रखता है। जम्मू स्थित पार्टी के प्रांतीय मुख्यालय, शेर-ए-कश्मीर भवन से जारी एक बयान में रतन लाल गुप्ता ने कहा कि बजट 2026-27 जन कल्याण, सामाजिक समानता और आर्थिक लचीलेपन के प्रति सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है,

जिसमें मानव पूंजी को मजबूत करने और सेवा वितरण में सुधार पर स्पष्ट जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ बजट की प्राथमिकताओं के केंद्र में बनी हुई हैं और सभी जिलों में मौजूदा स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को उन्नत और मजबूत करने के लिए अतिरिक्त आवंटन किया गया है ताकि नियमित और विशेष चिकित्सा देखभाल दोनों तक पहुंच सुनिश्चित हो सके पुंछ और उरी में प्रस्तावित ट्रॉमा सेंटर की स्थापना और स्वास्थ्य सेवाओं में लक्षित निवेश से आपातकालीन प्रतिक्रिया और स्वास्थ्य देखभाल परिणामों में उल्लेखनीय सुधार होगा। गुप्ता ने सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी उपायों पर सरकार के फोकस की भी सराहना की, जिनमें मुफ्त शिक्षा, अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) परिवारों के लिए प्रतिवर्ष छह एलपीजी सिलेंडर का प्रावधान और बुनियादी ढांचे, सार्वजनिक सेवाओं और शासन सुधारों में निरंतर निवेश शामिल हैं, जो संतुलित क्षेत्रीय विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।

GOVERNMENTOFJAMMU&KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MECHANICAL & HOSPITAL DIVISION
KATHUA

सत्यमेव जयते

Corrigendum

Name of Work:Complete servicing of Onsite Medical Oxygen Generation Plants (750 LPM X 3) installed at Associated Hospital, GMC, Kathua and allied works.
Tender Id:2026_PWDJK_302305_1
Reference: Thisofficee-NIT No:- MHDK/TECH/e-NIT/2025-26/80 dated 04-022026
PleasereadAs per clause 13 at page 15 of 25 of SBDTime of completion as 21 days & Warranty Clause as 12 Months or 4000 compressor running hrs
Insteadof
Time of completion - 60 days from the dateofplacement of Allotment order& Warranty Clause - 24 months from the date of successful completion and commissioning of work
In Annexure "III" of the e-NIT
Rest all other terms and conditions shall remain unchanged
No.MHDK/Tech/ 4239 Dated05.02.2026

DIP/J-11153/25
Dtd: 6-2-2026

Sd/-
Executive Engineer,
MechanicalandHospitalDivision,
Kathua

संपादकीय

वायदों से अमल की ओर

आख़िरकार उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार ने अपने लंबे समय से लंबित वायदों को पूरा करने के लिए पूरी रफ्तार से काम शुरू कर दिया है और ज़रूरतमंद वर्गों को राहत पहुंचाने के लिए लगातार फैसले लेकर अपनी क्षमता साबित की है। इस सिलसिले में मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कई अहम घोषणाएँ की हैं, जिनमें ज़रूरतमंद लोगों और उन वर्गों के लिए खुशखबरी है, जिन्होंने प्राकृतिक आपदाओं के कारण कठिन समय का सामना किया है, साथ ही कम आय वर्ग के लोगों को भी राहत मिलेगी।

इस दिशा में मुख्यमंत्री द्वारा की गई पहली बड़ी घोषणा वर्ष 2025 में प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित भूमिहीन परिवारों को 40 वर्षों की लीज़ पर पाँच-पाँच मरला भूमि आवंटित करने की मंजूरी से संबंधित थी। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि उधमपुर ज़िले में फ्लैश फ्लड और भूस्खलन से प्रभावित 6,400 से अधिक परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा चुकी है।

यह स्पष्ट किया गया है कि जम्मू-कश्मीर में बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने और भूकंप जैसी आपदाओं के कारण बेघर हुए प्रत्येक भूमिहीन परिवार को राज्य भूमि के पाँच मरला भूखंड आवासीय प्रयोजन के लिए लीज़ पर दिए जाएंगे, जिसके लिए कोई प्रीमियम नहीं लिया जाएगा। लाभार्थियों को 40 वर्षों की अवधि के लिए प्रति मरला 10 वार्षिक ग्राउंड रेंट देना होगा, जिसे सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के बाद नियमों के अनुसार आगे बढ़ाया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त सरकार ने अंत्योदय अन्न योजना के अंतर्गत आने वाले परिवारों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का भी आश्वासन दिया है, जो विधानसभा चुनावों से पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा किया गया एक प्रमुख वादा था। यह कदम महंगाई से लंबे समय से जूझ रहे लोगों की चिंताओं को कम करने में अहम साबित होगा।

इन राहत उपायों के साथ-साथ मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के AAY परिवारों के लिए एक और सुखद घोषणा करते हुए प्रति वर्ष छह मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने की भी घोषणा की है। निस्संदेह सरकार के ये कदम जनता का दिल जीतने वाले हैं और यह साबित करते हैं कि जनता से किए गए वादे केवल समर्थन हासिल करने का साधन नहीं थे, बल्कि उन्हें पूरी निष्ठा से पूरा किया जा रहा है।

उमर सरकार ने बिना किसी समझौते के जनहित के फैसले लेकर एक नई मिसाल कायम की है, जो देश की राजनीति में कम ही देखने को मिलती है। इससे नेशनल कॉन्फ्रेंस एक अलग पहचान वाली पार्टी के रूप में उभरकर सामने आई है।

भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौता- मुक्त और निष्पक्ष व्यापार के प्रति प्रतिबद्धता

वस्तु और सेवाओं के लिए बाजार खोलना- समझौते का मुख्य ध्यान दोनों पक्षों के विशाल और व्यापक बाजारों को एक-दूसरे के लिए खोलना है। यह समझौता भारत के निर्यात व्यापारमूल्य के 99 प्रतिशत से अधिक के लिए बाजार पहुँच प्रदान करता है, जिसमें कम से कम 90 प्रतिशत भारतीय निर्यात को समझौते के लागू होने पर तुरंत निःशुल्क प्रवेश की सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से, श्रम-सघन वस्तुएँ जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा, रत्न और आभूषण, लकड़ी और लकड़ी की शिल्पकलाऔर समुद्री उत्पादों को जल्दी लाभ मिलेगा। यह रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि-प्रसंस्करण उद्योग और खनिज जैसे उद्योगों को भी जीवंत ईयू सामान्य बाजार में अपने निर्यात को विविधता देने में सक्षम करेगा। हालांकि,भारत ने ईयू वाहन के लिए बाजार पहुँच की अनुमति दी है, लेकिन इसे चरणबद्ध और सन्तुलित तरीके से टैरिफ कोटा के माध्यम से अंतिम रूप दिया गया है। इसी तरह, यूरोपीय संघ की शराब पर भारत की छूट घरेलू उद्योग के हितों की रक्षा करने के साथ-साथ उच्च मूल्य वर्ग में प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती है।

श्री राजेश अग्रवाल

भारत का यूरोप के साथ 250 ईसा पूर्व से एक समृद्ध व्यापारिक संबंध रहा है, जो सिल्क रोड से भी पहले की अवधि है। अगले 2000 वर्षों के अधिकांश हिस्से के दौरान, भारतीय मसलिन, कपास, हस्तशिल्प, मसाले, पन्ना और रत्न अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की सबसे पसंदीदा वस्तुओं में शुमार होते थे, जिनमें से अधिकांश यूरोप तक पहुँचती थीं। इन शानदार वस्तुओं के भुगतान के तौर पर भारत को सोना और चांदी मिलते थे। अपने सुनहरे दिनों में, भारत-यूरोप व्यापार ने मात्रा और पैमाने की दृष्टि से अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की।

एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते के माध्यम से इस संबंध को सुदृढ़ करने के प्रयास 2007 में शुरू हुए थे। गंभीर मतभेदों के कारण 2013 में बातचीत को रोकना पड़ा, क्योंकि कई मुद्दों पर दोनों पक्षों के विचार अलग थे। 2022 में बातचीत फिर से शुरू हुई और चुनौतियों की जटिलता के बावजूद इसे केवल दोनों राजनेताओं की मजबूत प्रतिबद्धता और दूरदर्शी नेतृत्व के कारण अंतिम रूप दिया जा सका। महत्वपूर्ण बात यह है कि जिस व्यापार समझौते को दोनों पक्षों ने बातचीत के माध्यम से पूरा किया है, वह अस्थिर वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में नियम-आधारित व्यापार संबंध की पुष्टि करता है। यह समझौता ऐतिहासिक है सिर्फ इसलिए नहीं कि इसमें शामिल विषय और क्षेत्र व्यापक हैं; समझौता ऐतिहासिक इसलिए भी है क्योंकि दोनों पक्षों को ऐसे मुद्दों पर साझा रुख अपनाना पड़ा, जो कठिन और जटिल थे।

सबसे महत्वपूर्ण व्यापार समझौता- भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता शायद हाल के समय में किया गया सबसे महत्वपूर्ण व्यापार समझौता है। यह दुनिया के सबसे बड़े मुक्त व्यापार क्षेत्रों में से एक का निर्माण कर सकता है, जिसमें लगभग 2 अरब लोग और 28 देश शामिल होंगे और जो वैश्विक जीडीपी का 25 प्रतिशत है। इसके अलावा, यह समझौता मुद्दों और चिंताओं के समाधान के सन्दर्भ में आधुनिक और नवीन है। इस समझौते में व्यापार संबंध को प्रगाढ़ करने के लिए अद्यतन और मूल विषयों के साथ-साथ प्रक्रिया-संबंधी प्रावधान भी हैं। यह समझौता वस्तु और सेवा; दोनों के लिए बाजार पहुंच और नियामक बाधाओं के समाधान के लिए एक नया मॉडल स्थापित करता है, जो पारंपरिक विषयों को नवाचार-तत्वों के साथ सुदृढ़ करता है।उदाहरण के लिए, उत्पत्ति के नियमों का अध्याय सुनिश्चित करता है कि केवल वही उत्पाद जिनका पर्याप्त प्रसंस्करण या उत्पादन साझेदार देशों में हुआ है, उन्हें मूल देश का प्रमाण दिया जाएगा; इसे विस्तृत और जटिल उत्पाद-विशिष्ट नियमों के माध्यम से हासिल किया गया है, जो मौजूदा और नयी आपूर्ति श्रृंखलाओं के अनुरूप हैं। इसके अलावा, यह समझौता बौद्धिक संपदा संरक्षण को पुनर्स्थापित करता है और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व सूचना प्रवाह को बढ़ावा देने पर अतिरिक्त ध्यान केंद्रित करता है।

वस्तु और सेवाओं के लिए बाजार खोलना- समझौते का मुख्य ध्यान दोनों पक्षों के विशाल और व्यापक बाजारों को एक-दूसरे के लिए खोलना है। यह समझौता भारत के निर्यात व्यापारमूल्य के 99 प्रतिशत से अधिक के लिए बाजार पहुँच प्रदान करता है, जिसमें कम से कम 90 प्रतिशत भारतीय निर्यात को समझौते के लागू होने पर तुरंत निःशुल्क प्रवेश की सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से, श्रम-सघन वस्तुएँ जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा, रत्न और आभूषण, लकड़ी और लकड़ी की शिल्पकलाऔर समुद्री उत्पादों को जल्दी लाभ मिलेगा। यह रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि-प्रसंस्करण उद्योग और खनिज जैसे उद्योगों को भी जीवंत ईयू सामान्य बाजार में अपने निर्यात को विविधता देने में सक्षम करेगा। हालांकि,भारत ने ईयू वाहन के लिए बाजार पहुँच की अनुमति दी है, लेकिन इसे चरणबद्ध और सन्तुलित तरीके से टैरिफ कोटा के माध्यम से अंतिम रूप दिया गया है। इसी तरह, यूरोपीय संघ की शराब पर भारत की छूट घरेलू उद्योग के हितों की रक्षा करने के साथ-साथ उच्च मूल्य वर्ग में प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती है।

सेवाओं के व्यापार के लिए भारत-ईयू व्यापार संबंध में महत्वपूर्ण संभावनाएँ हैं। इस समझौते के तहत भारत ने 144 सेवा क्षेत्रों में ईयू की प्रतिबद्धताएँ प्राप्त की हैं, जो कि अभूतपूर्व है। इसके अलावा, गतिशीलता पर अध्याय यह सुनिश्चित करता है कि पेशेवरों और संविदा सेवा प्रदाताओं का अस्थायी प्रवेश और निवास सरल और भरोसेमंद होगा, जिसका अर्थ है कि भारत के प्रतिभाशाली सेवा पेशेवर ईयू बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कर सकते हैं। वित्तीय सेवाओं पर संलग्नक भारत और ईयू के बीच इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणालियों पर अधिक सहभागिता का प्रावधान करता है, जिसमें भारत की डिजिटल भुगतान प्रणालियों जैसे यूपीआई में तकनीकी विशेषज्ञता का उपयोग शामिल है। यह समझौता आयुष और पारंपरिक चिकित्सा कर्मियों को भी अधिक निश्चितता के साथ ईयू में अपनी सेवाएँ प्रदान करने की संभावना पेश करता है।

मुक्त और न्यायसंगत व्यापार को बढ़ावा देना- मुक्त व्यापार समझौता दो बड़े बाजारों के बीच मुक्त, न्यायसंगत और पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। व्यापार और सतत विकास अध्याय सतत विकास संबंधी चिंताओं के संदर्भ में सहयोग का एक नया मॉडल प्रस्तुत करता है। यह अध्याय दोनों पक्षों के श्रम या पर्यावरण मानकों में तालमेल बिठाये बिना दोनों पक्षों के व्यापार संबंध में सतत विकास के उद्देश्य को समग्र रूप से एकीकृत करता है। इस सहभागिता का मुख्य उद्देश्य नीति संवाद, तकनीकी सहायता और वित्तीय उपकरणों और संसाधनों को जुटाने पर है। दोनों पक्षों ने त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र, गैर-उल्लंघन शिकायतें और स्वतंत्र परिशिष्ट जैसी व्यवस्थाओं पर भी बातचीत की है, जो कुछ नीति उपायों या उत्पाद-विशिष्ट उपायों के संबंध में उनकी विशिष्ट चिंताओं का समाधान कर सकते हैं।

असल चुनौती यह थी कि कुछ महत्वपूर्ण हितधारकों, जैसे कि डेयरी और कृषि क्षेत्र, की चिंताओं और संवेदनशीलताओं की अनदेखी किए बिना बाजार खोलने के उच्च महत्वाकांक्षा को हासिल किया जा सके। छोटे और सीमांत किसानों और कुछ उद्योग क्षेत्रों की आय और जीवनयापन की चिंताएं हमारे मन में सबसे पहले थीं। ईमानदारी से कहें तो, इस मामले में यूरोपीय संघ ने आवश्यक लचीलापन भी दिखाया।

भारत की एफटीए रणनीति का पूरक- आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान के युग में, भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता; भारत-यूके एफटीए, ईएफटीए और अन्य व्यापक व्यापार समझौतों से हुए लाभ में पूरक की भूमिका निभाएगा। 2021 से, भारत ने 9 व्यापक व्यापार समझौते किए हैं और अगले कुछ महीनों में कई प्रमुख आर्थिक साझेदारी समझौतों को अंतिम रूप देने के लिए वार्ता कर रहा है। भारत-ईयू व्यापार समझौते का निष्कर्ष भारत की नई आर्थिक और व्यापारिक पहलों को तेज करने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा। भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता विस्तारित बाजार पहुंच, नजदीकी आर्थिक एकीकरण और विशेष रूप से अनिश्चित और अस्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में रणनीतिक स्वायत्तता और सुदृढ़ता प्राप्त करने में एक बड़ा कदम है। जैसा कि आर्थिक इतिहासकार उल्लेख करते हैं, आर्थिक समृद्धि सबसे अच्छे तरीके से तब प्राप्त की जा सकती है जब राष्ट्र न्यायपूर्ण, नियम-आधारित और पूर्व अनुमान योग्य कानूनी रूपरेखा और संस्थानों के आधार पर व्यापार करते हैं। भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता समय पर खरे उतरे इस सिद्धांत को बनाए रखने का प्रयास करता है।

(लेखक वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के सचिव हैं।)

भारत टैक्सी का भविष्य

– गौरव अवस्थी

दिल्ली एनसीआर और गुजरात में दो महीने के सफल ट्रायल के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने सहकारिता क्षेत्र की 8 बड़ी संस्थाओं के संयुक्त उपक्रम के रूप में सहकारिता आधारित टैक्सी सर्विस भारत टैक्सीको आधिकारिक रूप से कल नई दिल्ली में लॉन्च कर दिया। दो साल में इस सेवा को पूरे देश में लागू करने का भी ऐलान हुआ है।

भारत टैक्सी बहु-राज्य सहकारी समितियां अधिनियम, 2002 के अंतर्गत पंजीकृत भारत का पहला सहकारिता-नेतृत्व वाला राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म है। इसकी स्थापना 6 जून 2025 को की गई। दावा है कि अपनी स्थापना के बाद से भारत टैक्सी दुनिया का पहला और सबसे बड़ा सहकारिता-आधारित राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म तथा विश्व का सबसे बड़ा ड्राइवर-स्वामित्व वाला मोबिलिटी प्लेटफॉर्म बनकर उभरा है। अब तक लगभग चार लाख ड्राइवर भारत टैक्सी प्लेटफॉर्म से जुड़ चुके हैं और दस लाख से अधिक उपयोगकर्ता पंजीकृत हो चुके हैं। लगभग 10 करोड़ की राशि अब तक सीधे ड्राइवरों में वितरित की जा चुकी है।

सहकारिता क्षेत्र की संस्थाओं का सर्विस सेक्टर में उतरना स्वागत योग्य कदम माना जाना चाहिए लेकिन सरकारी दखलऔर सरकारी बैसाखीसहकारिता आधारित इस सेवा को भी कहीं अन्य सेवाओं की तरह प्रभावित न करे, इसके पुख्ता प्रबंध शुरुआती चरण से ही सुनिश्चित किए जाने जरूरी हैं। यह बात इसलिए कि भारत टैक्सी सेवा को ओला, उबर एवं रैपीडो जैसी प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों टक्कर लेनी है और बेहतर सेवा देते हुए उपभोक्ता का भरोसा भी अर्जित करना है।

निजी क्षेत्र की कंपनियां जब सेवा या किसी भी क्षेत्र में अपनी सेवा या उत्पाद लेकर उतरती हैं तो मजबूत नेटवर्क का निर्माण अपनी लुभावनी योजनाओं के माध्यम से करती हैं। जैसे, राइड सर्विस को ही लें तो (जैसा-एक कैब ओनर ने बताया) ओला ने भारत में अपनी लॉन्चिंग के प्रारंभिक चरण में कैब मालिकों को 1 दिन में पांच राइड पर 1500 रुपये का अतिरिक्त बोनस देना शुरू किया। इस लालच में कैब मालिक ऑनलाइन राइड सर्विस से जुड़ते चले गए और भारत भर में इस सेवा का विस्तार होता गया। आज छोटे शहरों में भी बाइक राइड सर्विस मिलने लगी हैं। हालांकि अब बोनस बंद और कमीशन भी 15-20 फीसदी है लेकिन राइड बढ़ीं हैं। रेट कंपटीशन का असर कैबवालों की इनकम पर पड़ा है।

निजी क्षेत्र की कंपनियों की बढ़ती उपलब्धियों को देखते हुए ही प्रधानमंत्री मोदी के सहकार से समृद्धिमंत्र को आत्मसात करते हुए सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस क्षेत्र में सहकारी सेवाशुरू कराई है। इसे एक अच्छा कदम माना जाना चाहिए लेकिन सरकार को बैसाखीके बजाय सहकारी संस्थाओं को अपने दम पर इस सेवा को स्थापित करने का अवसर देना चाहिए। यह बात इसलिए कि बैसाखी चलने की हिम्मत तो देती है लेकिन सहारेकी गलत आदत भी डेवलप कर सकती है। ट्रायल पीरियड में ही भारत टैक्सी को बैसाखी थमा देने को किस रूप में देखा जाए, आप ही तय करें।

उदाहरण के लिए यहां एक ग्राहकके रूप में अपनी आपबीती बताना जरूरी है। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का सबसे व्यस्ततम हवाई अड्डा है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से हजारों लोगों की रोज आवाजाही होती है। भारत टैक्सी सर्विस को सफल बनाने के लिए सरकार ने जानबूझकर आईजीआई एयरपोर्ट पर ओला-उबर-रैपीडो के पिकअप पॉइंट कुछ दूर बनवा दिए ताकि ग्राहक भारत टैक्सी राइड लेने को मजबूर हो। ट्रायल के दौरान ही भारत के इस सबसे व्यस्ततम हवाई अड्डे पर सरकार की तरफ से बैसाखी के रूप में एयरपोर्ट के बाहर टैक्सी की सुविधा दिल्ली पुलिस से लेकर भारत टैक्सी को दे दी गई। इसके पीछे शायद सोच यही होगी कि पिकअप पॉइंट दूर होगा तो मजबूर होकर लोग भारत टैक्सी का सहारा लेंगे और ऐसा हो भी रहा। आमतौर पर ऑनलाइन राइड बुक करने के अधिकतम पांच मिनट में टैक्सी पिकअप पॉइंट पर पहुंच जाती थी लेकिन भारत टैक्सी सर्विस लॉन्च होने के बाद ऐसा नहीं है। एयरपोर्ट के बाहर अब ओला, उबर और रैपीडो की बुकिंग पर टैक्सी में औसत 20 से 25 मिनट लग रहे हैं। कभी-कभी तो जाम की समस्या बता कर निजी कंपनियां ग्राहक को तीन-चार सौ मीटर आगे धौलाकुआं चौराहे तक सामान लेकर आने को कहती हैं। अब आप समझ सकते हैं कि लगेज के साथ इतनी दूर कौन पैदल जाएगा?

मेरी समझ में ऐसा सिर्फ इसलिए कि उपभोक्ता मजबूर होकर भारत टैक्सी बुक कराए। उपभोक्ता को ट्रायल पीरियड में ही मजबूर करना कहीं से भी सही नहीं माना जा सकता। यह इसका एक पहलू है। दूसरा पहलू भी काबिलेगौर है। अभी हाल में ही एयरपोर्ट से गुरुग्राम के लिए उबर ऐप पर टैक्सी बुक करने के दौरान 650 रुपए किराया शो कर रहा था लेकिन भारत टैक्सी ने उसी डेस्टिनेशन का 900 रुपये चार्ज किया। खेल इसी बढ़े हुए किराए का है। मौज सहकारिता की और भरण उपभोक्ता-सारथी दोनों का। नई दिल्ली में लांचिंग के दौरान यह दावा किया गया कि सारथी से मालिक से कमीशन नहीं कटेगा लेकिन हकीकत यह नहीं है। एयरपोर्ट से होने वाली हर बुकिंग पर कैब मलिक को 10त्न कमीशन काटकर ही भुगतान मिलना है और एयरपोर्ट का पार्किंग शुल्क उपभोक्ता की जेब से जाना है। यह बात भारत टैक्सी सर्विस देने वाले ड्राइवर ने हमसे खुद साझा की। एमसीडी का प्रवेश शुल्क भी सारथी के हिस्से। हमें गंतव्य तक ले जाने वाले ड्राइवर का यह दर्द सरकार को जरूर सुनना चाहिए। ड्राइवर के कथनानुसार, एयरपोर्ट पर टैक्सी बुकिंग राशि काउंटर पर कैश जमा कराई जाती है और कैब मालिक को 10-15 दिन बाद भुगतान की व्यवस्था। यह मेरी नहीं, कैब मलिक की ही आशंका है कि सहकारी संस्थाएं भुगतान में जानबूझकर विलंब कर रहीं होंगी ताकि इतने दिनों के ब्याज की रकम भी उनकी आयबने। इस आशंका को निर्मूल करना भी अच्छी सर्विसके लिए जरूरी है। इसके अलावा कैब ओनर के सामने अपने दिन-प्रतिदिन के खर्चे पूरे करने में दिक्कतें भी हैं। जबकि दावा यह है कि सहकारिता आधारित मोबिलिटी इकोसिस्टम में उत्कृष्ट में सारथी ही मालिकके मूल सिद्धांत को और अधिक मजबूती मिलेगी। कैब मालिक पहले ही घटती आय और बढ़ते खर्च को लेकर चिंतित हैं। उनकी इस चिंता पर भी गौर किया जाना चाहिए। प्राइवेट सेक्टर को चुनौती देने उतरी भारत टैक्सी सर्विस का ऐप भी अभी पूरी तरह डेवलप नहीं है। गुरुग्राम से दिल्ली तक की राइड लेने के दौरान एक बात और सामने आई कि भारत टैक्सी की ऑनलाइन बुकिंग में एमसीडी का प्रवेश शुल्क जुड़ा नहीं होता। कैब मालिक ग्राहक से उसकी अलग से डिमांड करता है। यह स्थिति कैब ओनर और ग्राहक दोनों को असहज करती है।

बदलता बांग्लादेश, बढ़ता भारत-विरोध

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

दक्षिण एशिया की राजनीति में बांग्लादेश हमेशा से भारत का महत्वपूर्ण और संवेदनशील पड़ोसी रहा है। साल 1971 के मुक्ति संग्राम से लेकर पिछले एक दशक तक दोनों देशों के रिश्ते सहयोग, विश्वास और साझा हितों की मजबूत नींव पर खड़े रहे, किंतु हालिया राजनीतिक घटनाक्रम विशेषकर शेख हसीना के सत्ता से हटने, उनके भारत आने और अंतरिम सरकार के गठन ने इस संतुलन को बुरी तरह प्रभावित किया है। अब 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव से पहले बांग्लादेश में भारत-विरोध एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनकर उभर रहा है, इससे क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं।

भारत और बांग्लादेश के रिश्तों की पृष्ठभूमि ऐतिहासिक और भावनात्मक रही है। साल 1971 के युद्ध में भारत ने प्रत्यक्ष सैन्य और कूटनीतिक सहयोग देकर बांग्लादेश के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाई थी। यही कारण है कि दशकों तक दोनों देशों के बीच आपसी भरोसे का रिश्ता बना रहा। शेख हसीना के नेतृत्व में साल 2009 से 2023 के बीच भारत और बांग्लादेश के संबंध अपने सबसे मजबूत दौर में पहुंचे। इस अवधि में दोनों देशों के बीच व्यापार कई गुना बढ़ा, सीमा विवादों का समाधान हुआ और आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई को मजबूती मिली।

आंकड़ों के अनुसार, भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय व्यापार साल 2009 में लगभग 3 अरब डॉलर था, जो साल 2022-23 तक बढ़कर करीब 18 अरब डॉलर तक पहुंच गया। भारत, बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया। भारत ने बांग्लादेश को लगभग 8 अरब डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट भी दी, जिसके तहत सड़क, रेलवे, ऊर्जा और बंदरगाह परियोजनाओं पर काम हुआ। इसके अलावा, सीमा समझौते के तहत साल 2015 में 162 एन्क्लेवों का आदान-प्रदान किया गया, जो दशकों पुराने विवाद का शांतिपूर्ण समाधान था लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद यह पूरा समीकरण तेजी से बदलता दिखाई दे रहा है। शेख हसीना के हटने और उनके भारत में शरण लेने की घटना ने बांग्लादेश की राजनीति में भारत को सीधे एक विवादित मुद्दा बना दिया है। जमात-ए-इस्लामी और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) जैसे राजनीतिक दल हसीना को वापस भेजने की लगातार मांग कर रहे हैं। इस मांग को केवल एक कानूनी या राजनीतिक मुद्दे के रूप में नहीं देखा जा रहा बल्कि इसे भारत के खिलाफ राष्ट्रीय अस्मिता से जोड़कर पेश किया जा रहा है। इसी के साथ, बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों की घटनाएं भी चिंता का विषय बन गई हैं। बांग्लादेश की कुल आबादी लगभग 17 से 18 करोड़ के बीच है, जिसमें हिंदुओं की संख्या लगभग 1.3 से 1.5 करोड़ मानी जाती है, यानी करीब 8-9 प्रतिशत। पिछले कुछ वर्षों में दुर्गा पूजा के दौरान मंदिरों पर हमलों, मूर्तियों को तोड़ने और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की कई घटनाएं सामने आई हैं। कुछ मानवाधिकार संगठनों की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2021 से 2025 के बीच ऐसे मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इस बीच 100 से अधिक टारगेटेड हिंदू हत्याएं की गईं। इस्लामी अतिवादियों द्वारा घर जलाने, संपत्ति हड़पने और उसे नुकसान पहुंचाने की घटनाओं की बात करें तो आंकड़े बहुत भयंकर हैं, यह 10000 को पार कर चुके हैं। हालांकि अंतरिम सरकार इन घटनाओं को सांप्रदायिक हिंसा मानने से बचती रही है और उन्हें व्यक्तिगत विवाद या स्थानीय झगड़ों का परिणाम बताती रही है, लेकिन इन घटनाओं से भारत में यह धारणा मजबूत हो रही है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कमजोर हो रही है और सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं ले रही। अंतरिम सरकार के प्रमुख डॉ. मोहम्मद यूनुस और उनके सलाहकारों के हालिया बयानों ने भी भारत-बांग्लादेश संबंधों में दूरी की झलक दिखाई है। कई मौकों पर यह कहा गया कि बांग्लादेश को किसी छोटे देश की तरह न समझा जाए और वह अपनी स्वतंत्र विदेश नीति चलाने में सक्षम है। कुछ बयानों में यह भी संकेत दिया गया कि बांग्लादेश की आबादी और सामरिक स्थिति उसे क्षेत्र में एक मजबूत देश बनाती है। ऐसे में वह भारत से हर मोर्चे पर निपटने के लिए तैयार है- इस तरीके की सोच भारत को अप्रत्यक्ष रूप से धमकी देना भी है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव से पहले इस तरह की बयानबाजी इस्लामी जिहादियों और कट्टर वादियों को भावनाओं को उभारने के लिए की जा रही है। भारत के खिलाफ लिए जा रहे कुछ अन्य फैसले और रुख भी इसी बदलाव की ओर इशारा करते हैं। व्यापारिक समझौतों की समीक्षा की बात उठ रही है। सीमा प्रबंधन को लेकर सख्ती बढ़ाई गई है। कुछ राजनीतिक संगठनों ने भारत के खिलाफ जनसभाएं और अभियान भी शुरू किए हैं। यह माहौल धीरे-धीरे ऐसे राजनीतिक नैरेटिव को जन्म दे रहा है जिसमें भारत को एक बाहरी प्रभाव और शत्रुदेश के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम का एक बड़ा पहलू धार्मिक और सामाजिक पहचान की राजनीति भी है। बांग्लादेश के संविधान में लंबे समय से धर्मनिरपेक्षता और इस्लामी पहचान के बीच संतुलन बना हुआ था लेकिन अब इस विषय पर नई बहस शुरू हो गई है। कुछ कट्टरपंथी संगठन देश को अधिक इस्लामी पहचान देने की बात कर रहे हैं, हालांकि अंतरिम सरकार ने साफ किया है कि शरिया कानून लागू करने की कोई योजना नहीं है। फिर भी अल्पसंख्यक संगठनों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के खिलाफ दिए जा रहे तीखे बयान सामाजिक तनाव को बढ़ा रहे हैं। जब हिंदू-बौद्ध-क्रिश्चियन समुदाय से जुड़े संगठनों को राजनीतिक रूप से निशाना बनाया जाता है तब इससे देश के भीतर असुरक्षा का माहौल बनना स्वभाविक है। इसका असर भारत में भी महसूस किया जा रहा है क्योंकि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंध गहरे हैं। भारत के लिए यह स्थिति कूटनीतिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण है। एक तरफ वह अपने पड़ोसी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहता, दूसरी तरफ उसे वहां रहने वाले हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर चिंता भी है। इसके अलावा, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के लिए बांग्लादेश एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। भारत-बांग्लादेश के बीच लगभग 4096 किलोमीटर लंबी सीमा है जोकि भारत की सबसे लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं में से एक है। इस सीमा की स्थिरता भारत की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। आर्थिक दृष्टि से भी दोनों देश एक-दूसरे पर निर्भर हैं। बांग्लादेश भारत से पेट्रोलियम उत्पाद, कपास, मशीनरी और खाद्य सामग्री का बड़ा आयातक है। वहीं, भारत के लिए बांग्लादेश एक बड़ा निर्यात बाजार है। यदि राजनीतिक तनाव बढ़ता है तो इसका असर दोनों देशों के व्यापार पर पड़ सकता है। 12 फरवरी के चुनाव इस पूरे परिदृश्य को तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। यदि चुनाव के बाद ऐसी सरकार बनती है जो भारत के साथ संतुलित और सहयोगपूर्ण संबंध बनाए रखना चाहती है, तो वर्तमान तनाव कम हो सकता है। लेकिन यदि भारत-विरोधी राजनीति को जनसमर्थन मिलता है तो आने वाले वर्षों में संबंधों में और खटास आ सकती है। यह भी सच है कि बांग्लादेश अपनी राष्ट्रीय पहचान और स्वतंत्र नीति को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। हर देश का यह अधिकार है कि वह अपनी विदेश नीति तय करे। लेकिन जब यह प्रक्रिया पड़ोसी देशों के खिलाफ तीखी बयानबाजी और नकारात्मक राजनीतिक अभियान के रूप में सामने आती है तो इससे क्षेत्रीय स्थिरता प्रभावित होती है। फिर यह स्थिति केवल भारत और बांग्लादेश के रिश्तों का सवाल नहीं है बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता का भी मुद्दा है। यदि दोनों देशों के बीच अविश्वास बढ़ता है तो इसका असर क्षेत्रीय सुरक्षा, व्यापार और विकास पर पड़ेगा। वस्तुतः आज की स्थिति यह संकेत दे रही है कि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते नए मोड़ पर खड़े हैं। यह मोड़ सहयोग और साझेदारी की ओर भी जा सकता है और टकराव की दिशा में भी। आने वाले चुनाव और उसके बाद बनने वाली सरकार इस बात को तय करेगी कि दक्षिण एशिया के ये दो महत्वपूर्ण पड़ोसी किस रास्ते पर आगे बढ़ेंगे। फिलहाल बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की तरफ से बार-बार भारत विरोध की कोशिश हो रही है, इससे नुकसान भारत की तुलना में बांग्लादेश का अधिक है। यह बात उसे अभी समझ नहीं आ रही। वह अभी पाकिस्तान और चीन की गोद में खेल रहा है, यह सभी को दिखाई दे रहा है। बांग्लादेश में हिंदुओं की हालत भयंकर रूप से खराब है और उनके सामने जीवन का संकट बना हुआ है। ऐसे में भारत सरकार का यह दायित्व है कि वह अपनी जिम्मेदारी को समझे, कम से कम 1947 में हुआ भारत विभाजन इस शर्त पर तो नहीं हुआ था कि जो जहां है वह अल्पसंख्यक होने के नाते वहाँ प्रताड़ित किया जाएगा और उसके प्रति बार-बार हिंसा घटेगी इसलिए भारत सरकार की ओर से सख्त निर्णय लेना आज के समय की जरूरत है, जिसे बिना किसी देरी के केंद्र की मोदी सरकार को बांग्लादेश के प्रति लेना चाहिए।

बॉक्सम एलिट के दूसरे दिन भी भारतीय मुक्केबाजों का जलवा, लवलीना की दमदार शुरुआत

एजेंसी

मैड्रिड। बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। खेले गए दूसरे दिन ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स चैंपियन हितेश गुलिया (70 किग्रा) की अगुआई में भारत ने कई भार वर्गों में प्रभावशाली जीत दर्ज की। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने बताया कि लवलीना ने अपने अभियान की सशक्त शुरुआत करते हुए यूक्रेन की ओल्हा पिलिपचुक को सर्वसम्मत 5:0 के फैसले से हराया। पूरे मुकाबले में लवलीना का नियंत्रण साफ नजर आया–तेज पंच, सटीक कॉम्बिनेशन और शानदार फुटवर्क के दम पर उन्होंने आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया। पुरुष वर्ग में हितेश गुलिया ने भी अपनी लय बरकरार रखते हुए कनाडा के विन्सेंट सैंटोएिलो को 5:0 से शिकस्त दी और 70 किग्रा वर्ग में अपनी मजबूत दावेदारी फिर साबित की।

एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025-26 राउरकेला चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय हॉकी टीम घोषित

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025-26 के राउरकेला चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट का यह चरण 10 से 15 फरवरी 2026 तक ओडिशा के राउरकेला स्थित बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। राउरकेला चरण में मेजबान भारत के साथ अर्जेंटीना और बेल्जियम जैसी मजबूत टीमें हिस्सा लेंगी, जिससे घरेलू दर्शकों के सामने बेहद रोमांचक और उच्च स्तरीय मुकाबलों की उम्मीद की जा रही है। भारतीय टीम में अनुभव और युवा प्रतिभा का संतुलित मिश्रण देखने को मिलता है। टीम प्रबंधन ने सभी विभागों–गोलकीपिंग, डिफेंस, मिडफील्ड और फॉरवर्ड लाइन–में गहराई और संतुलन बनाए रखने पर खास ध्यान दिया है, ताकि प्रो लीग अभियान की घरेलू शुरुआत मजबूती से की जा सके। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी सूरज करकेरा और पवन संभालेंगे। डिफेंस की कमान कप्तान हरमनप्रीत सिंह के हाथों में होगी। उनके साथ अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, सुमित, संजय और नीलम संजीप ज़ेस शामिल हैं, जो टीम को रक्षात्मक मजबूती और नेतृत्व प्रदान करेंगे। डिफेंस सूची में अमनदीप लकड़ा का नाम भी शामिल है, जिन्होंने हाल ही में संपन्न पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025-26 में शानदार प्रदर्शन किया था और 'हीरो प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुने गए थे।

जाग्रेब रैंकिंग सीरीज़ कुश्तीः अमन सहरावत को रजत, सुजीत कलकल ने जीता स्वर्ण

नई दिल्ली। जाग्रेब में जारी रैंकिंग सीरीज कुश्ती टूर्नामेंट में भारत ने शानदार शुरुआत की है। पुरुष फ्रीस्टाइल स्पर्धाओं के पहले दिन बुधवार को भारत ने एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम करते हुए अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग सर्किट में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत ने 61 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर भारत को दिन का पहला बड़ा परिणाम दिलाया। अमन ने शुरुआती दोनों मुकाबलों में दमदार तकनीकी जीत दर्ज की। उन्होंने पहले मुकाबले में जॉर्जिया के जियोर्गी गोनियाशविली को 10-0 से और दूसरे मुकाबले में ईरान के रज़ा मोमेनिजूजादेह को 12-2 से मात दी। हालांकि तीसरे दौर में अमन को अमेरिका के ऑस्टिन डी-सैंटो के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जहां अमेरिकी पहलवान ने उन्हें 0-8 से फॉल के जरिए पराजित किया।भारत के लिए दिन का एकमात्र स्वर्ण पदक सुजीत कलकल ने दिलाया। सुजीत ने पुरुषों के 65 किग्रा भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। उनकी इस जीत से भारतीय दल को टूर्नामेंट के शुरुआती दिन ही बड़ा मनोबल मिला और अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग अंक भी हासिल हुए। 70 किग्रा भार वर्ग में अभिमन्यु मंडवाल ने कांस्य पदक जीतकर भारत की पदक तालिका को और मजबूत किया। अभिमन्यु ने क्वार्टरफाइनल में अमेरिका के टायलर कासक को 10-0 से हराते हुए जबरदस्त प्रदर्शन किया।

एमसीजी करेगा ऐतिहासिक 150वां एनिवर्सरी टेस्ट की मेजबानी, टिकटों की रिकॉर्ड मांग

नई दिल्ली। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में मार्च 2027 में खेले जाने वाले ऐतिहासिक 150वें एनिवर्सरी टेस्ट को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने वाले इस खास मुकाबले के लिए टिकटों की मांग उम्मीद से कहीं ज्यादा रही है। सार्वजनिक टिकट बैलेट इस सप्ताह बंद होने जा रहा है और उससे पहले ही भारी संख्या में आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। यह ऐतिहासिक टेस्ट मैच 11 मार्च 2027 से एमसीजी में खेला जाएगा और खास बात यह है कि यह पिंक बॉल से डे-नाइट टेस्ट होगा। यह मुकाबला क्रिकेट के 150 साल के गौरवशाली इतिहास का जश्न होगा, जिसमें खेल की दुनिया के कई बड़े और प्रतिष्ठित नामों की मौजूदगी तय मानी जा रही है। टिकटों की अत्यधिक मांग को देखते हुए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपने इतिहास में पहली बार सार्वजनिक बैलेट सिस्टम अपनाया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार, इस बैलेट के लिए आवेदन की अंतिम तिथि शुक्रवार, 6 फरवरी को शाम 5 बजे (ऑस्ट्रेलिया समय के अनुसार) तय की गई है। बैलेट बंद होने के बाद सभी आवेदनों को रैंडमाइज किया जाएगा।

कोपा डेल रेः लुकमैन ने डेब्यू पर किया गोल, एटलेटिको मैड्रिड सेमीफाइनल में

एजेंसी

मैड्रिड। नाइजीरिया के फॉरवर्ड अडेमोला लुकमैन ने एटलेटिको मैड्रिड के लिए डेब्यू मैच में ही गोल दागते हुए टीम को बड़ी जीत दिलाई। एटलेटिको ने खेले गए कोपा डेल रे क्वार्टरफाइनल में रियल बेटिस को 5-0 से रौंदकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। डिएगो सिमियोने की टीम के लिए डेविड हान्को, जुलियानो सिमियोने, अडेमोला लुकमैन, एंटोनी ग्रिज़मैन और थियागो अल्माडा ने एक-एक गोल किया। एटलेटिको लगातार तीसरे सीजन कोपा डेल रे के अंतिम चार में पहुंची है। एटलेटिको 2012-13 के बाद पहली बार कोपा डेल रे का खिताब जीतने की कोशिश करेगा। सेमीफाइनल का ड्रॉ शुक्रवार को होगा, जिसमें बार्सिलोना, एथलेटिक बिलबाओ और रियल सोसिएदाद भी शामिल हैं। मैच में एटलेटिको की शानदार शुरुआत

रही। 12वें मिनट में हान्को ने स्कोरिंग का आगाज़ किया। इसके बाद 30वें मिनट में जुलियानो सिमियोने ने बढ़त दोगुनी कर दी। 37वें मिनट में तेज काउंटर अटैक पर लुकमैन ने डेब्यू पर अपना पहला गोल दागा। लुकमैन ने मैच के बाद कहा, 'मैं बहुत खुश और गर्व महसूस कर रहा हूं। टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। मुझे यहां सभी ने बहुत अच्छे से अपनाया, जिससे मुझे जल्दी सेट होने में मदद मिली।' दूसरे हाफ में 62वें मिनट में ग्रिज़मैन ने लुकमैन के असिस्ट पर चौथा गोल किया, जबकि 83वें मिनट में अल्माडा ने पांचवां गोल कर जीत पर मुहर लगा दी। कोच डिएगो सिमियोने ने कहा, 'लुकमैन हमें मजबूत बनाने आए हैं। उनमें अलग तरह की खूबियां हैं, जो टीम को और बेहतर बनाएंगी।' लुकमैन ने विंटर ट्रांसफर विंडो के अंत में अटलांटा से एटलेटिको जॉइन किया था। 28 वर्षीय फॉरवर्ड ने अटलांटा में खराब व्यवहार और अधूरे वादों का हवाला देते हुए क्लब छोड़ने की इच्छा जताई थी। इस मुकाबले में मैक्सिको के मिडफील्डर ओबेद वर्गास ने भी एटलेटिको के लिए डेब्यू किया। वे 79वें मिनट में लुकमैन की जगह मैदान पर आए। एक अन्य नए खिलाड़ी रोड्री मेंडोज़ा को 66वें मिनट में मौका मिला। एटलेटिको और बेटिस अब रविवार को ला लीगा में फिर आमने-सामने होंगे।

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने सिद्धिविनायक मंदिर में किया विघ्नहर्ता का दर्शन

एजेंसी

मुंबई। टी20 वर्ल्ड कप शुरू होने से दो दिन पहले भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने मुंबई स्थित सिद्धिविनायक मंदिर में भगवान गणेश का दर्शन किया। यह जानकारी सिद्धिविनायक मंदिर के सूत्रों ने दी। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर आज सुबह मुंबई में दादर में स्थित सिद्धिविनायक मंदिर में पहुंचे और आरती में हिस्सा लिया। इसके बाद गंभीर ने भगवान का गणेश का दर्शन किया और टीम के लिए आशीर्वाद मांगा। सात फरवरी से टी 20 वर्ल्ड कप शुरु होने जा रहा है। उल्लेखनीय है कि गौतम गंभीर 2024 में भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच नियुक्त हुए थे, जिसके बाद उनकी कोचिंग में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी (2025) खिताब जीता। पिछले साल हुए एशिया कप में भी भारत चैंपियन बना, इसके अलावा टी20 में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। गंभीर ने आज सिद्धिविनायक मंदिर में भगवान गणेश से टीम इंडिया के सफल होने की कामना की है।

रायगढ़ में शतरंज को बढ़ावा देने पहल, छात्राओं को निःशुल्क इंटरनेशनल चेस सेट वितरित

एजेंसी

रायगढ। वश्व स्तर पर शतरंज को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'द गिफ्ट ऑफ चेस ऑर्गेनाइजेशन (यूएसए)' द्वारा अंतरराष्ट्रीय मानकों वाले चेस सेट वितरित किए जा रहे हैं। ये वही इंटरनेशनल चेस बोर्ड हैं, जिनका उपयोग राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में किया जाता है।

इसी कड़ी में आज रायगढ़ शतरंज संघ द्वारा जिले के छात्र-छात्राओं से जुड़े प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में निःशुल्क इंटरनेशनल चेस सेट वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में बौद्धिक विकास, एकाग्रता और खेल भावना को बढ़ावा देना है।कार्यक्रम के तहत पोस्ट मैट्रिक पिछड़ा वर्ग बालिका छात्रावास में अधीक्षिका नेहा दीक्षित की उपस्थिति में छात्राओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर के शतरंज बोर्ड प्रदान किए गए। छात्राओं में इस पहल को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर रायगढ़ शतरंज संघ के कई वरिष्ठ

पदाधिकारी और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी उपस्थित रहे, जिनमें– अशोक पटेल (अध्यक्ष एवं अंतरराष्ट्रीय रेटेड खिलाड़ी),राजेंद्र पांडेय (पूर्व अध्यक्ष),शिवशंकर अग्रवाल (पूर्व अध्यक्ष एवं नेशनल खिलाड़ी),अबरार हुसैन (संरक्षक, जिला शतरंज संघ एवं नेशनल खिलाड़ी),कार्तिकेश्वर मैत्री (सचिव, कोच एवं नेशनल खिलाड़ी),रमेश पाणि (चेस निर्णायक),ईश्वर नेताम (खिलाड़ी एवं पदाधिकारी)तथा मुकेश दुबे (पूर्व सचिव)शामिल रहे। संघ पदाधिकारियों ने बताया कि शतरंज न केवल एक खेल है, बल्कि यह मानसिक विकास, निर्णय क्षमता और अनुशासन को मजबूत करता है। इस तरह की पहल से ग्रामीण और पिछड़े वर्ग की छात्राओं को भी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

वाईएफसी खड्डु ने 4-0 से हराया पंडोगा स्कूल, सिद्ध बाबा ग्वालबड़ टूर्नामेंट का दूसरा दिन

एजेंसी

ऊना। पंडोगा में करवाए जा रहे 18वे सिद्ध बाबा ग्वालवाड़ फुटबाल टूर्नामेंट में कई रोमांचकारी मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता के दूसरे दिन सीनियर व जूनियर कैटेगरी में खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। जूनियर वर्ग के पहले मुकाबले में बीबीएनबी क्लब सलोह ने एसबीएस क्लब पंडोगा को तीन-शून्य से मात दी। मुबारकपुर की टीम ने सागर खड्डु की टीम को 3-0 से हराया।

हिमालयन फुटबाल क्लब ने जेएस फुटबॉल क्लब को दो-एक के गोल से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं सीनियर विंग के एकतरफा मुकाबले में वाईएफसी खड्डु-बी की टीम ने रावमपा पंडोगा की टीम को 4-0 से हराया। रेड पंजवार की टीम ने लायंस पंडोगा की टीम को मात दी।

बीबीएनबी सलोह की टीम ने पीडीएफ टीम को 2-1 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। जानकारी देते हुए आयोजनकर्ता कमेटी के सदस्य विकास राणा ने बताया कि इस वर्ष प्रतियोगिता जूनियर वर्ग में 16 ओर सीनियर वर्ग में 18 टीमें हिस्सा ले रहीं हैं। सम्मानित करेंगे। टूर्नामेंट में विजेता टीम को 61 हजार और जबकि उपविजेता टीम को 41 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। इसके अलावा तीसरे और

आठ फ़रवरी को प्रतियोगिता के समापन अवसर पर समाजसेवी एवं भाजपा नेता अजय जोशी मुख्यातिथि होंगे और खिलाड़ियों को चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों को पांच-पांच हजार रुपये का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

सऊदी प्रो लीग का बहिष्कार खत्म करने को तैयार रोनाल्डो, अल-इत्तिहाद के खिलाफ उतरने की संभावना

एजेंसी

रियाद। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर और अल-नस्र के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो के सऊदी प्रो लीग में अपने कथित बहिष्कार को खत्म कर अल-इत्तिहाद के खिलाफ हाई-वोल्टेज मुकाबले में खेलने की संभावना है।

गोल.कॉम की एक रिपोर्ट में यह खबर ऐसे समय आई है, जब पांच बार के बैलन डी'ओर विजेता रोनाल्डो ने हाल ही में अल-रियाद के खिलाफ डर्बी मुकाबले में हिस्सा नहीं लिया था। माना जा रहा है कि वह सऊदी अरब में क्लबों के बीच ट्रांसफर फंड के असमान वितरण से नाराज थे। इससे पहले यह खबरें थीं कि रोनाल्डो सऊदी पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड (पीआईएफ) की क्लब प्रबंधन और निवेश नीति से असंतुष्ट होकर लगातार दूसरे सऊदी प्रो लीग मैच का बहिष्कार कर सकते हैं। अल-नस्र ने सोमवार को अल-रियाद के खिलाफ 1-0 से जीत दर्ज की थी, लेकिन उस मैच में रोनाल्डो मैदान पर नजर नहीं आए थे। रिपोर्ट के मुताबिक

रोनाल्डो को यह भी नाराजगी थी कि पीआईएफ कथित तौर पर अल-नस्र में पर्याप्त निवेश नहीं कर रहा, जबकि उसके चिर-प्रतिद्वंद्वी अल-हिलाल को ज्यादा समर्थन दिया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, रोनाल्डो ने फ्रांसीसी फुटबॉल स्टार करीम बेंजेमा के अल-इत्तिहाद से अल-हिलाल जाने के प्रस्ताव का भी विरोध किया था, क्योंकि उन्हें यह कदम अनुचित लगा और इससे अल-हिलाल के खिताब जीतने की राह आसान होती दिख रही थी। हालांकि, इस सप्ताह रोनाल्डो ने टीम के साथ ट्रेनिंग की और बुधवार को सोशल मीडिया पर अल-नस्र की जर्सी में अपनी तस्वीरें भी साझा कीं। इसके बावजूद क्लब के आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर कोच जॉर्ज जीसस और अन्य खिलाड़ियों की ट्रेनिंग तस्वीरें तो दिखीं, लेकिन रोनाल्डो की कोई फोटो साझा नहीं की गई। लीग तालिका की बात करें, तो अल-नस्र 46 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है और वह शीर्ष पर मौजूद अल-हिलाल से सिर्फ एक अंक पीछे है। वहीं, अल-इत्तिहाद फिलहाल छठे स्थान पर है। दोनों टीमों के बीच मुकाबला शुक्रवार को खेला जाएगा। हाल के महीनों में अल-नस्र के स्पोर्टिंग डायरेक्टर सिमाओ कूटिन्हो और सीईओ जोसे सेमेडो को पीआईएफ ने निलंबित कर दिया था। इस फैसले के बाद क्लब के खर्चों में कटौती हुई और शीर्ष खिलाड़ियों के आने की संभावनाएं भी प्रभावित हुईं, जिससे रोनाल्डो की नाराजगी और बढ़ गई।

संतोष ट्रॉफी में केरल ने पंजाब को 4-0 से रौंदा, फाइनल में सर्विसेज से होगी भिड़ंत

एजेंसी

असम। संतोष ट्रॉफी 2025-26 के सेमीफाइनल में केरल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब को 4-0 से करारी शिकस्त दी और फाइनल में जगह पक्की कर ली। यह मुकाबला असम के धकुआखाना फुटबॉल स्टेडियम में खेला गया। अब संतोष ट्रॉफी 2025-26 का फाइनल मुकाबला केरल और सर्विसेज के बीच खेला जाएगा, जिसमें दोनों टीमें खिताब के लिए पूरी ताकत झोंकेंगी। केरल की जीत के नायक मुहम्मद रियास पीटी रहे, जिन्होंने मुकाबले के दोनों हाफ में एक-एक गोल दागा। उनके अलावा मुहम्मद अजसल और विकनेश एम ने भी एक-एक गोल कर टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की। पूरे मैच में केरल का दबदबा साफ नजर आया और पंजाब की टीम को वापसी का कोई मौका नहीं मिला। इस जीत के साथ केरल ने लगभग दो दशक बाद लगातार दूसरी बार संतोष ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश किया है। अब खिताबी मुकाबले में केरल का सामना सर्विसेज से होगा। इससे पहले दिन के पहले सेमीफाइनल में सर्विसेज ने सिलापाथार फुटबॉल स्टेडियम में रेलवे को 2-0 से हराकर

फाइनल में जगह बनाई। सर्विसेज की ओर से अभिषेक पवार ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच के दोनों हाफ में एक-एक गोल दागकर अपनी टीम को दो साल बाद फाइनल में पहुंचाया। पवार ने 30वें मिनट के तुरंत बाद शानदार हाफ-वॉली से पहला गोल किया, जबकि दूसरे हाफ में पेनल्टी पर गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को जाल में पहुंचाया।

पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट के सेमी फाइनल में पहुंचा श्याम लाल कॉलेज

एजेंसी

नई दिल्ली। मेजबान श्याम लाल कॉलेज (प्रातः) ने 12वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट के पुरुष वर्ग में जीत का चौका मार पूल ए से सेमी फाइनल में प्रवेश किया। महिला वर्ग में विवेकानंद कॉलेज ने भारती कॉलेज को 6-2 से मात दी।

श्याम लाल कॉलेज (प्रातः) ने श्याम लाल कॉलेज (सांध्य) को 5-1 से हरा कर लीग दौर का अंत अपने चारों मैच जीत कर किया। विजेता टीम के पंकज को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। उभरते फॉरवर्ड प्रत्यूष सिंह जग्गी ने तीन शानदार गोल किए। श्लोक और हर्ष ने एक-एक गोल किया। पराजित टीम के लिए

एकमात्र गोल लक्ष्मण ने किया। अन्य मैचों में श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने एमिटी यूनिवर्सिटी को 8-2 से शिकस्त दी। उसकी टीम के मनीष को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। खालसा कॉलेज के लिए विपिन ने तीन, मनीष और रिशुल ने दो-दो और मनीष कुमार ने एक गोल किया। पराजित टीम के लिए मोहित राणा और अग्रिम रैना ने एक-एक गोल किया। इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ़ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस ने एसएलसी एलुमनी को 6-2 से मात दी। विजेता टीम के शेखर को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। इंदिरा गाँधी इंस्टीट्यूट के लिए पुलकित, शेखर, गुरमुख, ध्रुव, अर्श और चंद्रभूषण ने एक-एक गोल किया। एसएलसी एलुमनी की तरफ से डी एस जग्गी और पंकज ने एक-एक गोल किया।

अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव खेल प्रतियोगिता हाकी और फटबॉल में सुंदरनगर विजेता

एजेंसी

मंडी। अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष्य में मंडी जिला पुलिस द्वारा आयोजित करवाई जा रही खेलकूद प्रतियोगिताओं में मंगलवार को हॉकी तथा फुटबॉल के फाइनल मुकाबले खेले गए। ये विजेता। जिसमें पुरुष वर्ग हाकी फाइनल मुकाबला स्पोर्ट्स हॉस्टल सुंदरनगर और हमीरपुर के बीच खेला गया। जिसमें सुंदरनगर स्पोर्ट्स हॉस्टल 3-0 से विजयी रहा। उसी प्रकार हाकी महिला वर्ग फाइनल मुकाबला मंडी और हमीरपुर के बीच खेला गया। जिसमें हमीरपुर की टीम 9-1 से विजय रही। उसी प्रकार फटबॉल का फाइनल मुकाबला सुंदरनगर एफसी और राइजिंग स्टार एफसी मंडी के

बीच खेला गया। जिसमें सुंदरनगर एफसी ने राइजिंग स्टार एफसी मंडी को 3-2 के अंतर से हराया । इस मौके पर विजेता व उपविजेता टीमों को एडीसी मंडी द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

एशियाई शूटिंग : सुरुचि सिंह, सम्राट राणा को 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में रजत

एजेंसी

नई दिल्ली। एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में भारत की सुरुचि सिंह और सम्राट राणा की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 479.6 अंक हासिल किए। फाइनल मुकाबले में भारत को उज्बेकिस्तान की निगिना सईदकुलोवा और मुखम्मद कमालोव की जोड़ी से कड़ी चुनौती मिली। उज्बेकिस्तान की टीम ने दूसरे हिस्से में जोरदार वापसी करते हुए 481.3 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीत लिया। वहीं, चीनी ताइपे की चेंग येन-चिंग और ह्सीह ह्सियांग-चेन की जोड़ी ने 412.2 अंक जुटाकर कांस्य पदक हासिल किया। भारत ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की और पहली दो सीरीज़ के बाद बढ़त बनाए रखी, जिससे उज्बेकिस्तान की टीम पर दबाव बना। हालांकि, तीसरी सीरीज़ से उज्बेक जोड़ी ने मुकाबले का रुख पलट दिया और लगातार बढ़त बनाते हुए अंत तक उसे बरकरार रखा। अंततः उज्बेकिस्तान ने 1.7 अंकों के अंतर से स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

आरसीबी ने तोड़ा दिल्ली का दिल, जीता डब्ल्यूपीएल 2026 का खिताब

एजेंसी

वडोदरा। कहानी बदलनी थी, लेकिन अंजाम वही रहा। महिला प्रीमियर लीग यानी डब्ल्यूपीएल 2026 के फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने 203 रन का विशाल स्कोर खड़ा करने के बावजूद एक बार फिर खिताब गंवा दिया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने ऐतिहासिक रन चेज़ करते हुए 19.4 ओवर में 204/4 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया। यह डीसी की लगातार चौथी फाइनल हार है, जबकि आरसीबी ने दूसरी बार डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी जीती।

फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए डीसी की शुरुआत बेहद धीमी रही। पावरप्ले के पहले तीन ओवरों में टीम सिर्फ 9 रन ही जोड़ सकी। लिज़ेल ली को लॉरेन बेल के खिलाफ रन बनाने में खासी दिक्कत हुई। इसके बाद सायली सतघरे के ओवर में ली ने लगातार दो छक्के जड़कर पारी को रफ्तार दी। शेफाली वर्मा ने सीमित गेंदों में दो चौके लगाए लेकिन उसी ओवर में आउट हो गईं। इसके बावजूद लिज़ेल ली ने श्रीयंका पाटिल के ओवर में 19 रन बटोरकर डीसी को मजबूती दी। ली 37 रन बनाकर आउट हुईं, लेकिन तब तक लय डीसी के पक्ष में आ चुकी थी। इसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए सिर्फ 32 गेंदों में अर्धशतक जड़ा और टीम को 94/2 तक पहुंचाया। उनके आउट होने के बावजूद डीसी की रफ्तार नहीं थमी। अंतिम ओवरों में चिनेल हेनरी ने विस्फोटक बल्लेबाजी की। एक ओवर में

4,4,4,4,6 लगाकर उन्होंने मैच का रुख ही बदल दिया। लॉरा वोलवार्ट की अहम बाउंड्री के साथ डीसी ने स्कोर 203/4 तक पहुंचाया। इस मैदान पर डब्ल्यूपीएल 2026 में इससे पहले 160 से ज्यादा का स्कोर कभी चेज़ नहीं हुआ था और टूर्नामेंट के इतिहास में भी सिर्फ एक बार 200+ लक्ष्य हासिल किया गया था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत भी सहज नहीं रही। ग्रेस हैरिस ने दो चौके जरूर लगाए, लेकिन चिनेल हेनरी ने उन्हें जल्दी आउट कर दबाव बना दिया। कप्तान स्मृति मंधाना शुरुआती ओवरों में ज्यादा स्ट्राइक पर नहीं रहीं, लेकिन जॉर्जिया वोल ने लगातार बाउंड्री लगाकर रनरेट को गिरने नहीं दिया। पावरप्ले के आखिरी ओवर में मंधाना ने चौका और छक्का लगाकर आरसीबी को मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने स्कोरबोर्ड को तेजी से चलाया और 10 ओवर में टीम का स्कोर 100/1 तक पहुंच गया। इसके बाद मंधाना ने लगातार बड़े शॉट लगाए और दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने अर्धशतक पूरे किए। 165 रन की यह साझेदारी डब्ल्यूपीएल इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारी साबित हुई।

रोहित ऋषि ने आईआईएफसीएल के प्रबंध निदेशक पद का कार्यभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली। रोहित ऋषि ने सार्वजनिक क्षेत्र की इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) के नए प्रबंध निदेशक (एमडी) के रूप में अपना कार्यभार संभाल लिया है। उन्हें तीन साल की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है। आईआईएफसीएल ने एक बयान में कहा कि ऋषि के पास बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा क्षेत्र में तीन दशक से ज्यादा का अनुभव है। वे इंडियन बैंक में एफजीएम के तौर पर काम किया है, जहां उन्होंने अहम लीडरशिप और स्ट्रेटेजिक ज़िम्मेदारियां संभाली हैं। रोहित ऋषि बैंक ऑफ महाराष्ट्र में बतौर कार्यकारी निदेशक काम कर चुके हैं। उन्हें 3 साल की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है। आईआईएफसीएल, भारत सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है।

गोयल को 4 से 5 दिन में भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अगले चार से पांच दिनों में संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा कि संयुक्त बयान के बाद एक औपचारिक समझौता होगा, जिस पर मार्च के बीच में हस्ताक्षर किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि संयुक्त बयान के बाद अमेरिका मौजूदा टैरिफ को 18 फीसदी तक कम करने के लिए एक कार्यकारी आदेश जारी करेगा। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग ने यहां एक प्रेस कांफ्रेस में कहा कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते का पहला हिस्सा लगभग तैयार है। पीयूष गोयल ने कहा कि हमें उम्मीद है कि अगले 4-5 दिनों में एक संयुक्त बयान (जॉइंट स्टेटमेंट) पर हस्ताक्षर हो जाएंगे। गोयल ने संवाददाताओं को बताया कि समझौते के पहले चरण के लिए कानूनी समझौते पर मार्च के मध्य तक हस्ताक्षर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त बयान के बाद एक विस्तृत कानूनी समझौता किया जाएगा। वाणिज्य मंत्री ने साथ ही बताया कि इस समझौते में किसी भी प्रकार के निवेश की प्रतिबद्धता नहीं है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि एक बार बयान पर हस्ताक्षर हो जाने के बाद यह एक कानूनी समझौते में तब्दील हो जाएगा, जबकि मार्च के मध्य तक हमें उस कानूनी समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। कानूनी दस्तावेज पर हस्ताक्षर होने के बाद भारत कुछ अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क में कटौती करेगा।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, चांदी ने लगाई जोरदार छलांग

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। इसी तरह चांदी भी आज मजबूती के साथ कारोबार कर रही है। कीमत में तेजी आने के कारण सोना आज 440 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 480 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं, चांदी की कीमत में आज 20,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की जोरदार तेजी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,54,420 रुपये से लेकर 1,54,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,41,550 रुपये से लेकर 1,41,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में जबरदस्त उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज तीन लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,54,570 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

आय फाइनेंस का आईपीओ नौ फरवरी से खुलेगा

अहमदाबाद। आय फाइनेंस लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) नौ फरवरी से खुलेगा। कंपनी की ओर से यहां जारी बयान में कहा, इसने अपने पहले आईपीओ के लिए 122 से 129 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। शेयरों की फेस वैल्यू दो रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए सोमवार, नौ फरवरी को खुलेगा और बुधवार, 11 फरवरी को बंद हो जाएगा। निवेशक कम से कम 116 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इसके बाद 116 शेयर के मल्टीपल में बोली लगाइ जा सकती है। उन्होंने बताया कि आज की तारीख में दो रुपए फेस वैल्यू वाले कंपनी के कुल 19,17,45,507 इक्विटी शेयर आउटस्टैंडिंग हैं। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 710 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी। इसके साथ ही अल्फा वेव इंडिया आईएलपी, एमएजे इन्वेस्ट फाइनेंशियल इन्क्लूजन फंड ढ्ढ्ढ के/एस, कैपिटल-जी एलपी, एलजीटी कैपिटल और विक्रम जेटली जैसे मौजूदा निवेशक 'ऑफर फॉर सेल' (ओएफएस) के जरिए 300 करोड़ रुपये के शेयर बेचेंगे।

भारत ने जीसीसी देशों के साथ एफटीए के लिए उठाया बड़ा कदम, टीओआर पर साइन किए

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और जीसीसी की ओर से फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) के लिए संदर्भ शर्तों (टीओआर) पर साइन किए गए हैं। यह जानकारी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से दी गई। मंत्रालय ने बताया कि संदर्भ शर्तें जीसीसी-भारत एफटीए को निर्देशित करेंगे, इसके दायरे और तौर-तरीके परिभाषित करेंगे। राष्ट्रीय राजधानी में स्थित वाणिज्य भवन में अपर वाणिज्य सचिव और मुख्य वार्ताकार अजय भादू और खाड़ी सहयोग परिषद सचिवालय के मुख्य वार्ताकार डॉ. राजा अल मरजूकी ने टीओआर पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद और वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल उपस्थित थे।हस्ताक्षर समारोह में पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और

खाड़ी सहयोग परिषद के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वैश्विक हित में महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता निश्चितता और स्थिरता लाएगा, जिससे दोनों पक्षों के बीच संबंध और प्रगाढ़ होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुक्त व्यापार समझौते से वस्तुओं और सेवाओं का निर्बाध प्रवाह और निवेश आकर्षित होगा। साथ ही समझौते से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्र में खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा बढ़ने से दोनों पक्षों के बीच गहरे आर्थिक संबंध और मजबूत होंगे। खाड़ी सहयोग परिषद के महासचिव और मुख्य वार्ताकार डॉ. अल मरजूकी ने कहा कि खाड़ी सहयोग परिषद और भारत के बीच ऐतिहासिक व्यापारिक संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि संदर्भ शर्तों पर हस्ताक्षर पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की दिशा में वार्ता की शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मुक्त व्यापार समझौता भारत और जीसीसी के बीच संबंधों में मजबूती लाएगा जो विशेष रूप से मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में अहम है। भारत-खाड़ी सहयोग परिषद मुक्त व्यापार समझौता भारत के व्यापार और वाणिज्य में दीर्घकालिक ऐतिहासिक संबंध रहे महत्वपूर्ण क्षेत्र के साथ व्यापार बढ़ाने और विस्तारित करने की अपार क्षमता प्रदान करता है। वित्त वर्ष 2024-25 में खाड़ी सहयोग परिषद के साथ भारत का व्यापार 178.56 अरब डॉलर का रहा जो भारत के वैश्विक व्यापार का 15.42 प्रतिशत है।

एलआईसी का मुनाफा तीसरी तिमाही में 17 फीसदी बढ़कर 12,958 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवनी बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर को समाप्त अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एलआईसी का मुनाफा 17 फीसदी बढ़कर 12,958 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में 11,056 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।एलआईसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-तिमाही के दौरान बीमा कंपनी की शुद्ध प्रीमियम आय बढ़कर 1,25,613 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में 1,06,891 करोड़ रुपये रही थी। सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनी के मुताबिक कुल आय भी तीसरी तिमाही में बढ़कर 2,33,984 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 2,01,994 करोड़ रुपये थी। एलआईसी का नए कारोबार से प्रीमियम चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में 10,605 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित?त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि में 7,285 करोड़ रुपये था।

टीवी और केबल कंपनियों के लिए ट्राई जारी किए नए नियम, ऑडिट प्रक्रिया होगी आसान

एजेंसी

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने दूरसंचार (प्रसारण और केबल) सेवाएं अंतर्संबंध (पता योग्य प्रणालियां) (सातवां संशोधन) नियम, 2026 जारी किए। इन नियमों का उद्देश्य ऑडिट प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और सरल बनाना है। संचार मंत्रालय के मुताबिक अब हर वितरक (डिस्ट्रिब्यूटर) को हर साल 30 सितंबर तक ऑडिट रिपोर्ट प्रसारक को सौंपनी होगी। पहले यह प्रक्रिया कैलेंडर वर्ष पर आधारित थी, लेकिन अब इसे वित्तीय वर्ष के आधार पर किया जाएगा। यानी ऑडिट अप्रैल से मार्च तक की अवधि के हिसाब से होगा। नए नियमों में प्रसारकों को भी ज्यादा अधिकार दिए गए हैं। वह चाहें तो ऑडिट के दौरान अपने प्रतिनिधि भेज सकते हैं ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहे। अगर रिपोर्ट में कोई कमी या गड़बड़ी मिलती है तो प्रसारक ऑडिटर से जवाब मांग सकते हैं। अगर जवाब संतोषजनक न हो तो वे ट्राई की अनुमति लेकर

अपने खर्च पर अलग से ऑडिट करा सकते हैं। ट्राई ने बताया कि इन नियमों में छोटे वितरकों को राहत दी गई है। छोटे वितरकों के 20 हजार से कम ग्राहक हैं, उनके लिए हर साल ऑडिट करना अनिवार्य नहीं होगा।हालांकि, अगर प्रसारक चाहें तो ऐसे वितरकों का ऑडिट अपने खर्च पर करा सकते हैं।

अवसंरचना साझारकरण से जुड़े नियम के तहत अब अलग-अलग कंपनियों के लिए अलग सिस्टम इंस्टेंस बनाने होंगे ताकि डेटा का सही मिलान हो सके। इसके अलावा पे चैनलों पर नेटवर्क लोगो वॉटरमार्किंग अनिवार्य होगी। इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदाता को चैनल पर लोगो लगाना होगा और सेवा लेने वाली कंपनी को भी अपने नेटवर्क का लोगो दिखाना होगा लेकिन दर्शकों के अनुभव को ध्यान में रखते हुए स्क्रीन पर अधिकतम दो लोगो ही दिखेंगे।

ऊर्जा सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता, वेनेजुएला समेत किसी भी नए विकल्पों के मूल्यांकन के लिए तैयारः भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने कहा है कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को देखते हुए उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता अपने 140 करोड़ लोगों की ऊर्जा सुरक्षा है। वह वेनेजुएला समेत किसी भी नए आपूर्ति विकल्प के वाणिज्यिक लाभों का मूल्यांकन करने के लिए तैयार है। भारत ने दोहराया कि वह ऊर्जा आपूर्ति में विविधता लाने का पक्षधर है विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक बार फिर ऊर्जा जरूरतों और लाभकारी मूल्यों को निर्णय का आधार बताया। उन्होंने दोहराया कि भारत आपूर्ति में विविधता लाने का पक्षधर है। भारत की इस टिप्पणी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि भारत रूसी तेल खरीदी बंद करने पर सहमत हो गया है। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में व्यापार समझौता सम्पन्न हुआ है। समझौते के बाद अमेरिका ने भारतीय समानों पर लग रहा अतिरिक्त टैरिफ हटा लिया है। वहीं ट्रम्प ने दावा किया है कि भारत रूस से तेल खरीदी नहीं करेगा और वेनेजुएला को प्राथमिकता देगा।

जायसवाल ने भारत अमेरिकी समझौते से जुड़े कई प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रवक्ता ने राष्ट्रपति ट्रंप के दावे पर कहा, ऊर्जा आपूर्ति के संबंध में सरकार ने कई मौकों पर सार्वजनिक रूप से बयान दिया है। सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। भारत की रणनीति रही है कि अपने इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बाजार स्थितियों और बदलते वैश्विक घटनाक्रम के अनुरूप ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाए। भारत के सभी कदम इसी बात को ध्यान में रखकर उठाए गए हैं और भविष्य में भी उठाए जाएंगे। ट्रम्प के वेनेजुएला से तेल खरीद से संबंधित दावों पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि वेनेजुएला भारत का ऊर्जा क्षेत्र, व्यापार और निवेश को लेकर लंबे समय से सहयोगी रहा है। वेनेजुएला भारत का 2019-20 तक तेल खरीद का सबसे बड़ा स्रोत रहा है। बाद में प्रतिबंधों के चलते हमने तेल खरीद रोक दी थी। वहीं भारतीय तेल कंपनियों का वेनेजुएला की राष्ट्रीय तेल कंपनियों के साथ सहयोग पहले से रहा है। ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भारत वेनेजुएला सहित किसी भी नए कच्चे तेल आपूर्तिकर्ता से जुड़े विकल्पों के वाणिज्यिक फायदों को जानने के लिए तैयार है। इसके अलावा, भारत अमेरिकी व्यापार समझौते से जुड़े कई प्रश्नों के उत्तर में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने वाणिज्य मंत्रालय और वाणिज्य मंत्री के बयानों पर गौर फरमाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि मंत्रालय और मंत्री इस संबंध में बयान दे चुके हैं और कई स्थितियों को स्पष्ट कर चुके हैं।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील में कृषि और डेयरी पर कोई समझौता नहीं, किसान हित पूरी तरह सुरक्षितः शिवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-अमरिका व्यापार समझौते को लेकर विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे भ्रामक आरोपों को खारिज करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा समझौते से भारतीय कृषि, विशेषकर कृषि और डेयरी सेक्टर के हितों से कोई भी नुकसान नहीं है। उन्होंने कहा कि यह डील प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में डिप्लोमेसी, डेवलपमेंट और डिग्निटी का नया उदाहरण है। किसान हित सरकार के लिए सर्वोपरि हैं।

केंद्रीय मंत्री शिवराज ने पत्रकारों के साथ बात करते हुए कहा कि हमारे मुख्य अनाज, फल, प्रमुख फसलें, मिलेट्स और डेयरी उत्पाद पूरी तरह सुरक्षित हैं और भारतीय कृषि या डेयरी पर किसी तरह का खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि किसानों के हित पूरी तरह संरक्षित हैं और इस समझौते से उल्टा भारत के किसानों को नए अवसर मिलेंगे।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह

ने कहा कि कोई 'बड़ी चीज़' भारत के बाजार में अचानक नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि हमारी सभी मुख्य फसलें, मुख्य अनाज, फल और डेयरी उत्पाद सुरक्षित हैं और किसी भी ऐसे क्षेत्र के लिए बाजार नहीं खोला गया है, जो भारतीय किसानों के लिए नुकसानदेह हो सके।

यूएस ट्रेजरी सेक्रेटरी के उस ट्वीट से पैदा संशय पर, जिसमें अमेरिकी फार्म प्रोडक्ट्स के ज़्यादा भारत आने की बात कही गई थी, चौहान ने कहा कि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में पूरे तथ्य स्पष्ट कर दिए हैं और वे स्वयं भी दोहरा रहे हैं कि छोटे और बड़े, सभी भारतीय किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं और मुख्य कृषि उत्पादों के लिए बाजार इस प्रकार नहीं खोला गया है कि किसानों पर दबाव बने।केंद्रीय कृषि मंत्री ने बताया कि भारत पहले से ही अमेरिका सहित विभिन्न देशों को चावल का बड़ा निर्यातक है और हाल के आंकड़ों के अनुसार लगभग 63,000 करोड़ रुपये के चावल का निर्यात किया गया था।

उन्होंने कहा कि टैरिफ कम होने से हमारे चावल, मसालों और टेक्सटाइल के निर्यात को बल मिलेगा और जब टेक्सटाइल एक्सपोर्ट बढ़ेगा तो इसका सीधा लाभ कपास उगाने वाले हमारे किसानों को होगा। चौहान ने कहा कि यह समझौता समग्र रूप से भारत के किसानों के हित में है और विपक्ष द्वारा भ्रम फैलाने के बावजूद तथ्य यही हैं कि किसान हित सुरक्षित हैं और निर्यात के नए अवसर खुल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं एक बार फिर कहना चाहता हूं, किसान अन्नदाता हैं, अन्नदाता मतलब जीवनदाता। उनके हित ही देश के हित हैं और वे हित सुरक्षित हैं। 'केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसानों की सेवा सरकार के लिए भगवान की पूजा के समान है और मोदी सरकार हर कदम पर किसान के पक्ष में खड़ी रहेगी।

अमेरिकी टैरिफ कटौती के बाद 14 फरवरी से ग्रेटर नोएडा में शुरू होने वाले निर्यात मेला को लेकर निर्यातकों में उत्साह

एजेंसी

मुरादाबाद। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 14 फरवरी से शुरू हो रहे निर्यात मेले की तैयारी तेजी चल रही है। अमेरिका के टैरिफ में किए गए बदलाव के बीच इस मार्ट के आयोजन को लेकर उत्तर प्रदेश की पीतल नगरी मुरादाबाद के निर्यातकों में भी उत्साह है। भारतीय हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के चेयरमैन डॉ नीरज विनोद खन्ना ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय टैरिफ में की गई कटौती के बाद देशभर के निर्यातकों में ग्रेटर नोएडा में 14 फरवरी से शुरू हो रहे निर्यात मेले को लेकर उत्साह है। क्योंकि बीते 4 से 5 माह में निर्यात कारोबार पर मंदी के बादल छाए हुए थे।

निर्यात मेले को लेकर उन्होंने बताया कि अमेरिका समेत प्रमुख देशों के बड़े खरीदारों व स्टोर संचालकों की मौजूदगी की आस के साथ मेले की व्यवस्थाएं निर्धारित की जा रही हैं। ईपीसीएच के चेयरमैन डॉ. खन्ना ने अमेरिकी टैरिफ की बड़ी मार से राहत को भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत बताया है। उनका कहना है कि टैरिफ दर 18 प्रतिशत होने के साथ-साथ इंडिया-यूएस आर्थिक पार्टनरशिप से भी भारतीय कारोबार को काफी फायदा मिलेगा, विशेषकर हस्तशिल्प और टैक्सटाइल सेक्टर के लिए। आईएचजीएफ दिल्ली फेयर में बड़े यूएस ब्रांड और खरीदारों की मौजूदगी सुनिश्चित होगी। मुरादाबाद के निर्यातकों का काम ही नहीं जोश भी बढ़ेगा। अब ईपीसीएच टीम नई परिस्थितियों के हिसाब से निर्वात मेलों की रणनीति तय करेगी।

केंद्र, नागालैंड सरकार और ईएनपीओ ने एफएनटीए गठन के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में यहां केंद्र सरकार, नागालैंड सरकार और ईस्टर्न नागालैंड पीपल्स ऑर्गनाइजेशन (ईएनपीओ) के प्रतिनिधियों के साथ नागालैंड राज्य के भीतर फ्रंटियर नागालैंड टेरिटोरियल अथॉरिटी (एफएनटीए) के गठन को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो भी उपस्थित रहे।

समझौते के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह दिन नॉर्थ-ईस्ट को विवाद-मुक्त, हिंसा-मुक्त और विकसित बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार हर क्षेत्रीय विवाद का लोकतांत्रिक तरीके से समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। अमित शाह ने 2021-22 का जिक्र करते हुए कहा

कि जब ईएनपीओ ने चुनाव बहिष्कार की घोषणा की थी, तब उन्होंने संगठन से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा रखने की अपील की थी और समाधान का आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय ने ईएनपीओ और नागालैंड सरकार के बीच सेतु की भूमिका निभाते हुए इस लंबे समय से चले आ रहे विवाद का समाधान निकाला है। गृह मंत्री ने कहा कि ईस्टर्न नागालैंड एक रणनीतिक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है और इसके विकास के लिए केंद्र सरकार पूरी जिम्मेदारी निभाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि एफएनटीए के गठन, प्रशासनिक ढांचे और शुरुआती खर्चों के लिए केंद्र सरकार वित्तीय सहायता उपलब्ध कराएगी तथा हर साल एक निश्चित राशि भी तय की जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2019 के बाद से नॉर्थ-ईस्ट में 12 से अधिक महत्वपूर्ण समझौते किए गए हैं और मोदी सरकार की परंपरा रही है कि वह केवल समझौते ही नहीं करती, बल्कि उनके पूर्ण क्रियान्वयन के लिए भी प्रतिबद्ध रहती है। मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने कहा कि यह समझौता आपसी विश्वास को दर्शाता है और ईस्टर्न नागालैंड की आकांक्षाओं के साथ-साथ पूरे राज्य के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। मुख्यमंत्री ने ईस्टर्न नागालैंड के लोगों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि एक यात्रा का अंत हुआ है और विकास की नई यात्रा शुरू हो रही है। उन्होंने केंद्र सरकार के प्रति आभार जताते हुए सभी नागा जनजातियों से इसे नागा समाज की साझा जीत के रूप में देखने की अपील की। उन्होंने कहा कि हम भारत सरकार के आभारी हैं और उम्मीद करते हैं कि केंद्र हमें सर्वांगीण विकास की दिशा में मार्गदर्शन देता रहेगा।

तीन दिन की तेजी के बाद थमी शेयर बाजार की चाल, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति का ऐलान होने के एक दिन पहले आज घरेलू शेयर बाजार गिरावट का शिकार हो गया। इस तरह पिछले तीन दिन से जारी तेजी के सिलसिले पर आज रोक लग गई। आज सेंसेक्स की वीकली एक्सपायरी होने के कारण भी बाजार में बिकवाली का दबाव बना रहा। दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.60 प्रतिशत और निफ्टी 0.52 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान डिफेंस, मेटल और आईटी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, ऑयल एंड गैस, पीएसयू बैंक और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी होती रही।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में ढाई लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 466.53 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 469.16 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.63 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,366 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,726 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,477 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 163 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,910 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 964 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,946 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 4 शेयर बढ़त के साथ और 26 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 19 शेयर हरे निशान में और 31 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 60.15 अंक की कमजोरी के साथ 83,757.54 अंक के स्तर पर खुला।

पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन का मुनाफा छह फीसदी बढ़कर 8,212 करोड़ रुपये हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर को समाप्त अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का मुनाफा लगभग छह फीसदी बढ़कर 8,211.90 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में उसका मुनाफा 7,759.56 करोड़ रुपये रहा था। इस बीच कंपनी के निदेशक मंडल ने इस तिमाही के लिए प्रति शेयर चार रुपये का अंतरिम लाभांश घोषित किया है। वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में कंपनी की कुल आय करीब नौ फीसदी बढ़कर 29,140.57 करोड़ रुपये हो गई, जो गत वित्त वर्ष की समान अवधि में 26,821.84 करोड़ रुपये थी। इसके अलावा अप्रैल से दिसंबर अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 13 फीसदी बढ़कर 25,028 करोड़ रुपये रहा जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में यह 22,157 करोड़ रुपये था। पीएफसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) परमिंदर चोपड़ा ने कहा कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के नौ महीनों में मजबूत प्रदर्शन किया है। इस दौरान ऋण परिसंपत्तियों में सालाना आधार पर 13 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

मप्र के जबलपुर में स्थापित होगा देश का सबसे बड़ा मल्टी फंक्शनल ट्रेनिंग सिम्युलेटर

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी (एमपीपीजीसीएल) जबलपुर के नयागांव स्थित पॉवर जनरेटिंग प्रशिक्षण संस्थान में लगभग 14 करोड़ रुपये की लागत से देश का सबसे बड़ा मल्टी-फंक्शनल थर्मल और हाइड्रो ऑपरेटर ट्रेनिंग सिम्युलेटर स्थापित करने जा रही है। कंपनी के मुख्य अभियंता (मानव संसाधन व प्रशासन) दीपक कुमार कश्यप ने बताया कि इस अत्याधुनिक सिम्युलेटर के माध्यम से विद्युत उत्पादन अभियंताओं को विद्युत संयंत्रों के संचालन, नियंत्रण एवं आपातकालीन परिस्थितियों के प्रबंधन का यथार्थपरक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त होगा, जिससे प्लांट ट्रिपिंग जैसी घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आएगी। यह सिम्युलेटर रिमोट ऑपरेशन की सुविधा से भी युक्त होगा। इससे पॉवर जनरेटिंग प्रशिक्षण संस्थान न केवल राज्य बल्कि अन्य राज्यों की विद्युत कंपनियों के अभियंताओं एवं तकनीकी विद्यार्थियों के लिए भी एक प्रमुख प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने बताया कि एमपीपीजीसीएल अपने कार्मिकों को उच्च स्तरीय तकनीकी, वित्तीय एवं प्रबंधकीय दक्षताओं से सुसज्जित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्यालय स्थित नयागांव में प्रशिक्षण संस्थान को अत्यधुनिक नवाचारों के साथ विकसित कर रही है। कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह, डायरेक्टर टेक्नि?कल सुबोध निगम और डायरेक्टर कॉमर्शि?यल मिलिन्द भान्दक्कर के प्रगतिशील मार्गदर्शन में यह संस्थान देश के ऊर्जा क्षेत्र में एक विशिष्ट एवं अग्रणी प्रशिक्षण केंद्र के रूप में उभर रहा है। मुख्य अभियंता कश्यप ने बताया कि प्रशिक्षण संस्थान में आधुनिक स्मार्ट कक्षाओं की स्थापना की जा रही है, जहाँ कंपनी के सभी कॉडर के कार्मिकों को तकनीकी, वित्तीय व प्रबंधकीय विषयों पर समग्र प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह संस्थान नवनियुक्त कार्मिकों व अभियंताओं के लिए प्रेरण प्रशिक्षण (इंडक्शन ट्रेनिंग) का प्रमुख केंद्र होगा। कंपनी की मिड-कैरियर ट्रेनिंग पॉलिसी के अंतर्गत करंट चार्ज अथवा पदोन्नति प्राप्त करने वाले सहायक अभियंता से लेकर अतिरिक्त मुख्य अभियंता स्तर तक के कार्मिकों को विशेष रूप से संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभान्वित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि निर्माणाधीन 'मंत्रा' ऑडिटोरियम एवं आईटी प्रशिक्षण केंद्र-प्रशिक्षण संस्थान परिसर में 150 सीटों की क्षमता वाला अत्यधुनिक 'मंत्रा' ऑडिटोरियम निर्माणाधीन है, जिसमें सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशालाएँ एवं विभिन्न प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 21 कम्प्यूटर एवं समर्पित कार्यस्थलों से युक्त एक आधुनिक कम्प्यूटर प्रशिक्षण केंद्र भी विकसित किया जा रहा है, जहाँ ईआरपी, ऑटोकैड, प्राइमावेरा सहित विभिन्न तकनीकी एवं वित्तीय सॉफ्टवेयर पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। कश्यप ने बताया कि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित बहुआयामी प्रशिक्षण परिसर-प्रशिक्षण संस्थान में एक अत्याधुनिक मॉडल रूम एवं डिजिटल पुस्तकालय का विकास भी किया जा रहा है, जहाँ हाइड्रो एवं थर्मल पॉवर प्लांटों के कार्यशील मॉडल, कोल हैंडलिंग प्लांट, टरबाइन, जनरेटर, बॉयलर, ईएसपी, कंडेंसर एवं कूलिंग टावर जैसी प्रमुख मशीनों के मॉडल स्थापित किए जाएंगे। प्रशिक्षणार्थियों के आवास के लिए लगभग 3.8 करोड़ रुपये की लागत से 16 कमरों वाला छात्रावास निर्माणाधीन है, जिसमें डाइनिंग हॉल, किचन, रिक्रिएशन हॉल एवं मिनी जिम जैसी सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। साथ ही, संस्थान में एक हाई-टेक स्टूडियो भी विकसित किया जाएगा, जहाँ विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण वीडियो की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग एवं एडिटिंग की जाएगी।

चुनाव नज़दीक आते ही ओली पर दबाव बढ़ा, रणनीतिक गठबंधनों की चर्चा फिर तेज

एजेंसी

काठमांडू। अगले माह 5 मार्च को होने वाले चुनाव में अब समय कम रह गया है जिससे नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएन-यूएमएल) पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। सितंबर में हुए जेन-जी आंदोलन के बाद पैदा हुआ राजनीतिक असर अब चुनावी परिदृश्य को स्पष्ट रूप से प्रभावित करने लगा है। पिछले साल 8 और 9 सितंबर को हुए जेन-जी प्रदर्शनों के दौरान हुई मानवीय और भौतिक क्षति को लेकर यूएमएल लगातार आलोचना के घेरे में है। उस समय पार्टी अध्यक्ष और तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सरकार का नेतृत्व कर रहे थे। आलोचकों का आरोप है कि ओली ने हिंसा की जिम्मेदारी स्वीकार नहीं की और यही आरोप पार्टी का पीछा करता रहा है। हाल ही में ओली ने फेसबुक पोस्ट के माध्यम से जान गंवाने वाले 19 लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की लेकिन इससे जनआक्रोश शांत नहीं हो सका। ज्यादातर प्रमुख दलों के स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने के फैसले के बीच यूएमएल की चुनौतियां और बढ़ गई हैं। काठमांडू महानगर के पूर्व मेयर बालेन शाह का झापा-5 से चुनाव लड़ने का निर्णय ओली पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है, क्योंकि यह क्षेत्र परंपरागत रूप से उनका गढ़ माना जाता रहा है।

नेपाल में दर्दनाक सड़क हादसा, बारात ले जा रही बस खाई में गिरी, 8 की मौत...45 से अधिक घायल

बैतडी। नेपाल के बैतडी में शादी की बारात ले जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त हुई; हादसे में आठ की मौत, 45 घायल। नेपाल में सड़क हादसों में वृद्धि, आर्थिक व मानवीय नुकसान बढ़ रहा है। नेपाल के बैतडी जिले में गुरुवार शाम एक शादी की बारात ले जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। यह घटना जिले के पुर्चौडी नगरपालिका में रात लगभग 8 बजे हुई। डीएसपी दीपक कुमार राय ने बताया कि बस शादी की बारात ले जा रही थी और अचानक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में लगभग 45 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 16 को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्रों में प्राथमिक उपचार मिला, जबकि बाकी घायलों को बेहतर सुविधाओं वाले अस्पतालों में भेजा गया। दुर्घटना के समय बस में लगभग 60 लोग सवार थे, लेकिन दुल्हन और दूल्हा सुरक्षित रहे क्योंकि वे दूसरी गाड़ी में यात्रा कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना का सही कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। वहीं, जिलाधिकारी कृष्णा थापा ने बताया कि नेपाल सेना, नेपाल पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल और स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू अभियान चलाया गया और घायलों को सुरक्षित निकाला गया।

सिंगापुर शांति बोर्ड में शामिल होने के प्रस्ताव का कर रहा है मूल्यांकन

सिंगापुर सिटी। सिंगापुर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शांति बोर्ड में शामिल होने के प्रस्ताव का मूल्यांकन कर रहा है। यह जानकारी द स्ट्रेट्स टाइम्स अखबार ने सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के हवाले से दी। रिपोर्ट में कहा गया कि संसद के पांच सदस्यों ने श्री बालाकृष्णन से सिंगापुर को शांति बोर्ड में शामिल होने के लिए अमेरिका द्वारा दिए गए स्थायी निमंत्रण के बारे में सवाल किया था। उल्लेखनीय है कि 16 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इस शांति बोर्ड के गठन की घोषणा की, जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, श्री ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर, विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा और अमेरिकी उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट गैब्रियल शामिल हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने रूस और बेलारूस सहित कई वैश्विक नेताओं को भी इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

ढाका में तारिक रहमान आठ फरवरी को बीएनपी की अंतिम चुनावी रैली को करेंगे संबोधित

ढाका। बंगलादेश में चुनाव प्रचार अपने अंतिम चरण में प्रवेश कर रहा है, ऐसे में बंगलादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष तारिक रहमान आठ फरवरी को ढाका के नयापल्टन इलाके में पार्टी की अंतिम चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। यह रैली दोपहर दो बजे शुरू होने वाली है, जिसमें श्री रहमान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रुहुल कबीर रिजवी ने गुरुवार को पार्टी के नयापल्टन केंद्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। श्री रिजवी ने कहा कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और ढाका और आसपास के निर्वाचन क्षेत्रों से बीएनपी के उम्मीदवार रैली में शामिल होंगे। उन्होंने आगे कहा कि बीएनपी ऐतिहासिक रूप से जनता के समर्थन से सत्ता में आई है और दावा किया कि पार्टी गंभीर दमन के बावजूद लचीली बनी रही है। श्री रिजवी ने कहा कि बीएनपी हमेशा जनता के जनादेश से सत्ता में आई है और पार्टी ने वर्षों के दमन को सहा है, फिर भी वह दृढ़ता से खड़ी रही है। शांतिपूर्ण चुनावी माहौल के प्रति आशावाद व्यक्त करते हुए श्री रिजवी ने कहा कि मतदाताओं को स्वतंत्र रूप से और बिना किसी भय के अपने मताधिकार का प्रयोग करने की उम्मीद है।

चुनाव की निष्पक्षता सवालों के घेरे में, अमेरिकी विद्वान बोले 'बड़े दलों को बाहर रखना ठीक नहीं'

एजेंसी

वॉशिंगटन। बांग्लादेश में जल्द ही चुनाव होने वाले हैं। देश की स्थिति बेहद चिंताजनक है। इस बीच एक अमेरिकी स्कॉलर ने कहा है कि बांग्लादेश में होने वाले नेशनल चुनाव 'स्वतंत्र या निष्पक्ष' नहीं होंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि बड़े सियासी दलों को बाहर करने से यह प्रक्रिया पहले ही लोकतांत्रिक तौर पर अपनी अहमियत खो चुकी है। अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट थिंक-टैंक के सीनियर फेलो माइकल रूबिन ने आईएएनएस से वोट की विश्वसनीयता के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'बांग्लादेश में बिल्कुल भी स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं होंगे।' रूबिन ने कहा कि असली चुनावों के लिए खुली प्रतिस्पर्धा जरूरी है। उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने का

एकमात्र तरीका यह है कि मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियों में मुकाबला हो। ये ऐसी पार्टियां हैं, जिन्हें ज्यादातर बांग्लादेशियों का सहयोग प्राप्त है। ' उन्होंने कहा कि अवामी लीग को रोकने की कोशिशें लोकतांत्रिक सिद्धांत के बजाय राजनीतिक डर को दर्शाती हैं। रूबिन ने कहा, 'यह तथ्य कि मोहम्मद यूनुस (मुख्य सलाहकार) और जमात-ए-इस्लामी अवामी लीग पर बैन लगाना चाहते हैं, सिर्फ इस बात का संकेत देती है कि एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव में अवामी लीग ही जीतेगी। '

इससे पहले, इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटेजिक डायलॉग द्वारा आयोजित बांग्लादेशी चुनावों पर एक कॉन्फ्रेंस में अपने मुख्य भाषण में, रूबिन ने चेतावनी दी कि बांग्लादेश संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक बड़ा विदेश नीति संकट बन सकता है। रूबिन ने कहा, 'बांग्लादेश का संकट कई मायनों में लगभग धीमी गति से होने वाली ट्रेन दुर्घटना जैसा लगता है।' उनका मानना है कि वाशिंगटन नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस की सरपरस्ती में हो रही हिंसक घटनाओं पर लगाम लगाने में विफल रहा है। यूनुस ने 8 अगस्त, 2024 से मुख्य सलाहकार के रूप में पदभार संभाला था। 2024 के मध्य में बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के बारे में प्रचलित बातों को चुनौती देते हुए, उन्होंने कहाः 'अब हम जो जानते हैं, वह यह है कि हमने जो विरोध प्रदर्शन देखे, वे स्वाभाविक नहीं थे। '

उन्होंने ऐसी स्थितियों में हुए चुनावों की तुलना सत्तावादी प्रणालियों से की।

नेपाल सरकार देशभर की 3 लाख बालिकाओं को एचपीवी टीका लगाएगी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार ने देशभर की 3 लाख बालिकाओं को गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के खिलाफ ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) का टीका देने का निर्णय लिया है। यह टीकाकरण आगामी रविवार से शुरू होगा। परिवार कल्याण महाशाखा के अंतर्गत टीकाकरण शाखा के प्रमुख डॉ. अभियान गौतम के अनुसार यह कार्यक्रम कक्षा 6 में अध्ययनरत और 10 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी बालिकाओं को लक्षित कर लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले इसे अभियान के रूप में चलाया गया था, लेकिन अब इसे नियमित कार्यक्रम में शामिल किया गया है। 10 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी और कक्षा 6 में पढ़ने वाली बालिकाओं को एचपीवी टीका लगाया जाएगा। डॉ. गौतम ने बताया कि विद्यालयों में ही टीकाकरण केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जिससे टीका वितरण प्रक्रिया अधिक सरल और प्रभावकारी होगी। सरकार ने गत वर्ष अभियान के रूप में कक्षा 6 से 10 तक की छात्राओं के साथ-साथ स्कूल न जाने वाली 10 से 14 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों सहित कुल 16 लाख किशोरियों को टीका लगाया था, जिनमें से 94 प्रतिशत ने टीका प्राप्त किया था। चिकित्सकों के अनुसार नेपाल में महिलाओं की मृत्यु के प्रमुख कारणों में गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर भी एक है। इस कैंसर का मुख्य कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) संक्रमण माना जाता है। एचपीवी एक संक्रामक वायरस है, जो आसानी से फैलता है और मुख्य रूप से त्वचा के संपर्क से संक्रमण होता है। ह्यूमन पैपिलोमा वायरस की 200 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से 12 प्रजातियां मानव शरीर में कैंसर का कारण बनती हैं।

अमेरिका में एरिजोना के फ्लैगस्टाफ में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, पायलट समेत दो की मौत

एजेंसी

फ्लैगस्टाफ (एरिजोना) अमेरिका। अमेरिका में एरिजोना राज्य के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग (एरिजोना डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी) का एक हेलीकॉप्टर फ्लैगस्टाफ में गोलीबारी की घटना की निगरानी के वक्त दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पायलट और चिकित्सा सहायक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। यह जानकारी विभाग की आधिकारिक विज्ञप्ति में दी गई। फ्लैगस्टाफ एरिजोना के उत्तरी भाग में स्थित है और कोकोनिनो काउंटी का प्रमुख शहर है। यह शहर लगभग 7,000 फीट की ऊंचाई पर बसा है।

आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, विभाग के सार्जेंट कैमरन ली ने एक बयान में कहा कि रात को एक रेंजर हेलीकॉप्टर का क्रू फ्लैगस्टाफ पुलिस डिपार्टमेंट और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मदद के लिए गया था। ली ने कहा, दुख की बात है कि गोलीबारी की घटना के दौरान हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। इस हादसे में पायलट और चिकित्सा सहायक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। ली ने कहा कि

आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, विभाग के सार्जेंट कैमरन ली ने एक बयान में कहा कि एक रेंजर हेलीकॉप्टर का क्रू फ्लैगस्टाफ पुलिस डिपार्टमेंट और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मदद के लिए गया था

गोलीबारी में संदिग्ध को जानलेवा चोटें नहीं आईं और उसे हिरासत में ले लिया गया। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं जारी की गई है। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, संघीय विमानन प्रशासन ने एक बयान में कहा कि हेलीकॉप्टर (बेल 407) फ्लैगस्टाफ के पास रात करीब 10:15 बजे क्रैश हो गया और उसके बाद आग लग गई। रजिस्ट्रेशन नंबर की जांच से पता चला कि हेलीकॉप्टर का निर्माण 2004 में हुआ था। प्रशासन ने कहा कि दुर्घटना की जांच में नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड की मदद की जाएगी। विज्ञप्ति में कहा गया कि एरिजोना सार्वजनिक सुरक्षा विभाग 06 फरवरी को सुबह 10 बजे संवाददाता सम्मेलन में हेलीकॉप्टर के क्रैश के बारे में अपडेट देगा।

संवाददाता सम्मेलन में विभाग के निदेशक कर्नल जेफरी ग्लोवर बयान जारी करेंगे। यह संवाददाता सम्मेलन फ्लैगस्टाफ पुलिस विभाग के मुख्यालय फीनिक्स में होगा। इस दौरान फ्लैगस्टाफ के पुलिस चीफ सीन कॉनॉली भी मीडिया को संबोधित करेंगे।

पाकिस्तान की सेना क्वेटा में घरों में घुसी, 100 से अधिक बलोच लोगों को उठा ले गई

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान की आजादी के लिए संघर्षरत बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के अभियान से तिलमलाई पाकिस्तान की सेना राजधानी क्वेटा के विभिन्न इलाकों से 100 से ज्यादा लोगों को उठा ले गई है। इन सभी को घरों से अगवा किया गया है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, प्रांतीय सरकार ने दावा किया है कि सेना ने 100 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और कई घरों से छोटे-बड़े हथियार बरामद किए हैं। हालांकि, प्रांतीय सरकार ने मीडिया को कोई सबूत नहीं दिया। प्रांतीय सरकार दावा किया कि बलूचिस्तान में स्थिति नियंत्रण में है। हालांकि, नुश्की समेत कई इलाकों में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और संचार व्यवस्था ठप है। यह उल्लेखनीय है कि 31 जनवरी को बलोचिस्तान के क्वेटा, ग्वादर, पसनी, दलबांदिन, खारान और नुश्की समेत 12 शहरों में बीएलए ने सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर हमले

किया। रिपोर्ट के अनुसार क्वेटा से उठाए गए लोगों में 25 वर्षीय असदुल्लाह भी शामिल है। जफरुल्लाह कुर्द का पुत्र असदुल्लाह बलोचिस्तान विश्वविद्यालय में बीएससी का छात्र है। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, असदुल्लाह को बुधवार और गुरुवार की आधी रात क्वेटा के बुरोरी रोड से अगवा किया गया। इस बीच, हथियारबंद लोगों ने खुजदार जिले की तहसील नल पुलिस चौकी पर कब्जा कर लिया और वहां मौजूद अधिकारियों को हिरासत में ले लिया। सशस्त्र लोगों ने पुलिस के हथियार छीन लिए और वाहनों को जला दिया। इस घटना की जिम्मेदारी अभी तक किसी भी समूह ने नहीं ली है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने विज्ञप्ति में कहा कि सुरक्षा बलों ने बलोचिस्तान में ऑपरेशन रद-उल-फितना-1 को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस अभियान में 216 विद्रोही मारे गए। इस दौरान विदेशी मूल के हथियारों, गोला-बारूद, विस्फोटकों और उपकरणों का बड़ा जखीरा भी बरामद किया गया है। अभियान के दौरान महिलाओं और बच्चों सहित 36 निर्दोष नागरिकों की जान चली गई। गोलीबारी में 22 जवानों की भी मौत हो गई।

अमेरिका में सस्ती दवाओं के लिए वेबसाइट लॉन्च : ट्रंप का दावा देशवासियों का बचेगा बहुत सा पैसा, रहेंगे स्वस्थ

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रंपआरएक्सडॉटजीओवी नाम की एक नई फेडरल वेबसाइट लॉन्च की, जो आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली दर्जनों प्रिस्क्रिप्शन दवाओं पर भारी छूट देने का विश्वास दिलाती है। ट्रंप ने इसे अमेरिकी इतिहास में दवाओं की कीमतों में सबसे बड़ी कमी बताया। ट्रंप के मुताबिक इससे अमेरिकी निवासियों को काफी लाभ पहुंचेगा। उन्होंने इसे 'वेरी बिग डील' करार दिया। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने दावा किया, 'लोग बहुत सारा पैसा बचाएंगे और हेल्दी रहेंगे।' उन्होंने कहा कि उपभोक्ता इस साइट का इस्तेमाल करके फार्मेसियों में रिडीम किए जा सकने वाले कूपन के जरिए प्रिस्क्रिप्शन ड्रग्स पर डिस्काउंट वाली कीमतों का फायदा उठा सकते हैं। यह योजना चुनावी वादों और 'अमेरिका फर्स्ट' हेल्थ पॉलिसी से जुड़ी है। ट्रंप का कहना है कि दूसरे अमीर देश अमेरिका में बनी दवाइयां कम कीमत पर खरीदते हैं, जबकि अमेरिकियों को इसके लिए तिगुना ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। यह प्रोग्राम सुनिश्चित करेगा कि दवा कंपनियां उसी दाम पर दवा बेचें जो बाकी देशों में मिल रही है।

ट्रंप ने इसे लॉन्च करते हुए कहा कि यह पहल 'मोस्ट फेवर्ड नेशन' प्राइसिंग मॉडल लागू करती है, जिसके तहत यूनाइटेड स्टेट्स उसी दवा के लिए किसी भी दूसरे देश द्वारा दी जाने वाली सबसे कम कीमत का भुगतान करेगा। उन्होंने कहा, 'हम दवाओं के लिए दी जाने वाली सबसे कम कीमत ले रहे हैं, हम दुनिया में कहीं भी सबसे कम कीमत के बराबर भुगतान करेंगे।' 'यही वह कीमत है जो आपको चुकानी होगी। '

उन्होंने तर्क दिया कि अमेरिकी लंबे समय से दूसरे देशों के मरीजों की तुलना में दवाओं के लिए ज्यादा पैसे दे रहे हैं। ट्रंप ने कहा, 'अमेरिकी असल में पूरी दुनिया के लिए दवाओं की लागत पर सब्सिडी दे रहे थे, और अब ऐसा नहीं होगा। '

राष्ट्रपति के अनुसार, दुनिया की 17 सबसे बड़ी फार्मास्युटिकल कंपनियों में से 16 ने प्राइसिंग फ्रेमवर्क के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, और बाकी कंपनी के भी इसमें शामिल होने की उम्मीद है। ट्रंप ने कहा कि समझौतों के तहत यूनाइटेड स्टेट्स में पेश की जाने वाली नई दवाओं को भी उसी सबसे कम ग्लोबल कीमत पर देना होगा।

ट्रंप ने प्राइसिंग समझौतों को टैरिफ के इस्तेमाल से जोड़ा और कहा कि उन्होंने दूसरे देशों को चेतावनी दी थी कि अगर वे यूनाइटेड स्टेट्स के लिए कीमतें कम करने पर सहमत नहीं हुए तो विदेशों में दवाओं की कीमतें बढ़ जाएंगी। उन्होंने कहा, 'ऐसा करने से दूसरे देशों में दवाओं की कीमतें बढ़ जाएंगी।उन्हें सहमत होना पड़ा, और उनके सहमत होने का कारण मेरी टैरिफ नीति रही। '

सेंटर्स फॉर मेडिकेयर एंड मेडिकेड सर्विसेज के एडमिनिस्ट्रेटर मेहमत ओज ने कहा कि उपभोक्ताओं को अब सीधी छूट मिलेगी। ओज ने कहा, 'आज, आप इन छूट वाली कीमतों का फायदा उठा सकते हैं।' उन्होंने अमेरिकियों से दवाएं खरीदने से पहले साइट को ठीक से जांचने का आग्रह किया। ओज ने कहा, 'हर तीन में से एक अमेरिकी को दवा की दुकान से वापस भेज दिया जाता है; वे दवाएं नहीं खरीद सकते। अब ऐसा नहीं होगा। ' यूएस के चीफ डिजाइन ऑफिसर जो गेब्बिया ने इस साइट की बारीकियां समझाईं। उन्होंने कहा कि यह साइट 40 से अधिक दवाओं के साथ लॉन्च हुई है।

लुंबिनी में 29-30 अप्रैल को तीसरा अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन होगा

एजेंसी

काठमांडू। लुंबिनी में 29-30 अप्रैल को तीसरा अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। हुई लुंबिनी विकास कोष की परिषद बैठक ने लुंबिनी के पर्यटन प्रवर्द्धन और पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय समुदाय में लुंबिनी के प्रचार-प्रसार को नई ऊंचाई तक ले जाने के लक्ष्य के साथ इस सम्मेलन के आयोजन का निर्णय लिया। संस्कृति, पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन मंत्री तथा लुंबिनी विकास कोष के अध्यक्ष अनिल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में हुई बैठक ने अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन के लिए मूल आयोजक समारोह समिति के गठन को भी मंजूरी दी। लुंबिनी विकास कोष के उपाध्यक्ष डॉ. ल्हारक्याल लामा को संयोजक बनाते हुए 10 सदस्यीय मूल समारोह समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है।

सरकार ने चालू आर्थिक वर्ष के लिए सम्मेलन आयोजन के लिए 3 करोड़ रुपये का बजट विनियोजित किया है। इससे पहले देश में हुए राजनीतिक और संरचनात्मक परिवर्तनों के कारण नवंबर में प्रस्तावित सम्मेलन को 2570वीं बुद्ध जयंती के अवसर पर आगामी 29-30 अप्रैल को लुंबिनी में आयोजित करने की तैयारी की गई है। समारोह समिति के संयोजक डॉ. लामा ने बताया कि बुद्ध धर्म और दर्शन के माध्यम से विश्व शांति को बढ़ावा देने, दया, करुणा और विश्व बंधुत्व की भावना फैलाने के उद्देश्य से यह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में विश्व के 60 से अधिक देशों से बौद्ध विद्वानों, गुरुओं, विशिष्ट अतिथियों तथा विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख व्यक्तित्वों की भागीदारी रहने की उम्मीद है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन औक्यूबा की आशंकाओं को अमेरिका ने किया खारिज

एजेंसी

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने अमेरिका-क्यूबा बातचीत को लेकर क्यूबा की तरफ से जताई गई आशंकाओं को खारिज कर दिया, और कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कूटनीति के लिए तैयार हैं और संकेत दिया कि बातचीत पहले ही शुरू हो चुकी है। एक रिपोर्टर ने क्यूबा के नेता मिगुएल डियाज-कैनेल की टिप्पणियों का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि क्यूबा अमेरिका के साथ बातचीत 'बिना किसी दबाव, बिना किसी शर्त, बराबरी के आधार पर और संप्रभुता के सम्मान के साथ' करेगा, जबकि उनकी सरकार ने ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया कि बातचीत पहले से ही हो रही थी। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने हवाना को एक कड़ी चेतावनी देते हुए जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'मुझे

अमेरिका और क्यूबा के बीच लंबे समय से, अक्सर तनावपूर्ण संबंध रहे हैं, जो दशकों के प्रतिबंधों और बातचीत में समय-समय पर बदलावों से चिह्नित हैं।

लगता है कि क्यूबा सरकार अपने आखिरी पड़ाव पर है और उसका देश गिरने वाला है, इसलिए उन्हें अमेरिका के राष्ट्रपति के बारे में अपने बयानों में समझदारी दिखानी चाहिए। '

लेविट ने फिर ट्रंप के रुख को दोहराया। उन्होंने कहा, 'लेकिन जैसा कि मैंने अभी दोहराया, राष्ट्रपति हमेशा कूटनीति में शामिल होने को तैयार रहते हैं। ' उन्होंने आगे कहा कि बातचीत अभी हो रही है। लेविट ने कहा, 'और मेरा मानना है कि यह कुछ ऐसा है जो वास्तव में क्यूबा सरकार के साथ हो रहा है। '

लेविट ने बातचीत के चैनल या एजेंडे के किसी भी विषय की पहचान नहीं बताई। उन्होंने डियाज-कैनेल की 'कोई शर्त नहीं' की मांग पर भी कुछ नहीं कहा, सिवाय इसके कि ट्रंप कूटनीति का समर्थन करते हैं।

यह बातचीत एक व्यापक ब्रीफिंग के दौरान हुई जिसमें व्हाइट हाउस ने कई राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों पर बात की।

अमेरिका और क्यूबा के बीच लंबे समय से, अक्सर तनावपूर्ण संबंध रहे हैं, जो दशकों के प्रतिबंधों और बातचीत में समय-समय पर बदलावों से चिह्नित हैं। 2010 के दशक के मध्य में राजनयिक संबंध औपचारिक रूप से बहाल किए गए थे, लेकिन कई प्रतिबंध बने रहे, और अलग-अलग प्रशासनों में नीति में उतार-चढ़ाव होता रहा है।

क्यूबा के चल रहे आर्थिक तनाव और राजनीतिक दबावों ने प्रवासन से संबंधित समन्वय और सीमित राजनयिक जुड़ाव सहित द्विपक्षीय संपर्कों की गति और लहजे को बार-बार आकार दिया है।

नेपाल में प्रतिनिधि सभा के चुनाव की तारीख करीब आने के साथ ही कमजोर पड़ा पुनर्स्थापना का मुद्दा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में 5 मार्च को प्रतिनिधि सभा चुनाव की तारीख तय होने के साथ ही सर्वोच्च अदालत में विचाराधीन प्रतिनिधि सभा पुनर्स्थापना से जुड़ा मुद्दा का औचित्य समाप्त होता नजर आ रहा है। जेन-ज़ी आंदोलन के बाद प्रतिनिधि सभा को भंग कर चुनाव की तारीख घोषित किए जाने के बाद सर्वोच्च अदालत में 18 याचिकाएं दायर की गई थीं। इन रिटों पर विपक्ष की ओर से लिखित जवाब दाखिल हो चुके हैं, लेकिन अदालत ने याचिकाकर्ताओं को साधारण तारीख पर ही रखा है।

इन रिट याचिकाओं पर सर्वोच्च अदालत ने न तो अंतरिम आदेश जारी किया और न ही उन्हें प्राथमिकता देने का निर्णय लिया। अब अदालत ने याचिकाकर्ताओं को 28 फरवरी की साधारण तारीख दी है। जबकि 5 मार्च को मतदान संपन्न हो जाएगा। वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश त्रिपाठी ने कहा कि अब सर्वोच्च अदालत में सुनवाई होने के बावजूद प्रतिनिधि सभा की पुनर्स्थापना की संभावना बहुत कम नजर आती है। अगर नवंबर महीने में तय पेशी में लगातार सुनवाई होती, तो फैसला संभव था। अब चुनावी प्रक्रिया काफी आगे बढ़ चुकी है, ऐसे में सर्वोच्च अदालत के लिए चुनाव रोकने का आदेश देना मुश्किल है। उन्होंने आगे कहा कि जेन-ज़ी आंदोलन के बाद पुरानी संसद को फिर से बहाल करना अब एक महीने के भीतर संभव नहीं दिखता। राज्य ने चुनाव तैयारियों पर भारी निवेश कर दिया है, ऐसे में अदालत के लिए लगातार सुनवाई कर चुनाव रोकना व्यावहारिक नहीं है। प्रतिनिधि सभा की पुनर्स्थापना की मांग को लेकर कई अधिवक्ताओं के साथ-साथ नेपाली कांग्रेस और नेकपा एमाले के तत्कालीन सांसद भी सर्वोच्च अदालत पहुंचे थे। जिन दलों ने संसद पुनर्स्थापना की मांग की थी, वही अब चुनावी मैदान में उतर चुके हैं, ऐसे में सर्वोच्च अदालत से इस मामले में त्वरित फैसला आने की संभावना कम मानी जा रही है। इस मामले की प्रारंभिक सुनवाई में सर्वोच्च अदालत ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, तत्कालीन सभामुख और निर्वाचन आयोग से लिखित जवाब मांगे थे। सभी प्रतिवादियों के लिखित जवाब अदालत में दाखिल हो चुके हैं।

प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बालेन शाह के संपर्क कार्यालय में तोड़फोड़

एजेंसी

काठमांडू। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) के वरिष्ठ नेता तथा प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बालेन शाह के निर्वाचन क्षेत्र झापा 5 स्थित चुनावी संपर्क कार्यालय में तोड़फोड़

की गई है। पुलिस के अनुसार, झापा के कमल गांवपालिका स्थित बालेन शाह के चुनावी संपर्क कार्यालय वाले मकान की खिड़की का शीशा टूटा हुआ पाया गया है। पुलिस मौके पर मामले की जांच कर रही है। जिला पुलिस कार्यालय झापा की एसपी बसुंधरा खड्का ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'खिड़की का शीशा टूटने की खबर मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ' झापा निर्वाचन क्षेत्र संख्या 5 से रास्वपा के वरिष्ठ नेता बालेन शाह उम्मीदवार हैं। इसी क्षेत्र से नेकपा एमाले के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली भी चुनाव मैदान में हैं। सुरक्षा की दृष्टि से इस क्षेत्र को अत्यंत संवेदनशील माना जा रहा है।

डिएगो गार्सिया में सैन्य कार्रवाई से पीछे नहीं हटेंगे ट्रंप, बोले- ये हमारा अधिकार

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह डिएगो गार्सिया में अमेरिकी मिलिट्री की मौजूदगी को कभी खतरे में नहीं पड़ने देंगे, और चेतावनी दी कि अगर भविष्य में कोई समझौता टूटता है या अमेरिकी सेना खतरे में पड़ती है, तो उन्हें बेस को 'मिलिट्री तरीके से सुरक्षित और मजबूत' करने का अधिकार है। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, 'मैंने डिएगो गार्सिया द्वीप को लेकर (ब्रिटिश) प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ बातचीत की है। यह एक बड़े अमेरिकी मिलिट्री बेस की जगह है, जो हिंद महासागर के बीच में रणनीतिक रूप से स्थित है और इसलिए, संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।' ट्रंप ने विदेशों में अमेरिकी बेस की रणनीतिक भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने लिखा, 'पिछले एक साल में हमारे मिलिट्री ऑपरेशन हमारे सैनिकों की ताकत, हमारे उपकरणों की क्षमता और सबसे महत्वपूर्ण बात, हमारे मिलिट्री बेस की रणनीतिक स्थिति के कारण सफल रहे हैं। ' द्वीप से जुड़े यूनाइटेड किंगडम और मॉरीशस के बीच एक कथित लीज समझौते के बारे में ट्रंप ने कहा कि वह ब्रिटिश प्रधानमंत्री की स्थिति को समझते हैं। उन्होंने लिखा, 'मैं समझता हूं कि प्रधानमंत्री स्टार्मर ने जो डील की है, कई लोगों के अनुसार, ये सबसे अच्छी डील है जो वह कर सकते थे। ' लेकिन उन्होंने अमेरिकी हितों के लिए भविष्य में किसी भी जोखिम के बारे में साफ चेतावनी दी। ट्रंप ने कहा, 'हालांकि, अगर भविष्य में कभी भी लीज डील टूट जाती है, या कोई भी हमारे बेस पर अमेरिकी ऑपरेशन और सेना को धमकी देता है या खतरे में डालता है, तो मैं डिएगो गार्सिया में अमेरिकी मौजूदगी को मिलिट्री तरीके से सुरक्षित करने और मजबूत करने का अधिकार रखता हूं। '

ट्रंप ने वहां अमेरिकी मौजूदगी पर उठाई गई चुनौतियों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने लिखा, 'यह जान लें कि मैं इस तरह के महत्वपूर्ण बेस पर हमारी मौजूदगी को कभी भी झूठे दावों या पर्यावरण के नाम पर बकवास से कमजोर या खतरे में नहीं पड़ने दूंगा। ' व्हाइट हाउस ने अपनी रेगुलर ब्रीफिंग के दौरान इसी संदेश को दोहराया। प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप ने स्टार्मर से सीधे बात की थी और उनके फैसले का समर्थन किया था। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'उन्होंने प्रधानमंत्री स्टार्मर से सीधे बात की और वे ब्रिटिश पीएम की स्थिति को समझते हैं और उसका समर्थन करते हैं। ' लेविट ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिकी सुरक्षा अधिकार बरकरार हैं। उन्होंने कहा, 'लेकिन जैसा कि राष्ट्रपति ने उस बयान में दोहराया, निश्चित रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी संपत्ति की रक्षा करने का अधिकार रखता है। निश्चित रूप से, हमारे पास अभी भी डिएगो गार्सिया द्वीप पर एक मिलिट्री बेस है। ' उन्होंने आगे कहा कि ट्रंप की स्थिति इस मामले से कहीं आगे तक जाती है। लेविट ने कहा, 'अगर जरूरी हुआ तो संयुक्त राज्य अमेरिका दुनिया में डिएगो गार्सिया सहित कहीं भी अपनी संपत्ति की रक्षा करने में कभी पीछे नहीं हटेगा। 'लेविट ने लीज समझौते या भविष्य के फैसलों के लिए किसी टाइमलाइन के बारे में और ज्यादा जानकारी नहीं दी। उनकी टिप्पणियों में अमेरिकी सेना की पहुंच को फिर से पक्का करने और एक सहयोगी नेता के नजरिए के लिए राष्ट्रपति के समर्थन पर जोर दिया गया। डिएगो गार्सिया विदेशों में सबसे महत्वपूर्ण अमेरिकी सैन्य बेस में से एक है, और यह लंबे समय से हिंद महासागर क्षेत्र में ऑपरेशन्स के लिए एक हब के रूप में काम कर रहा है।

page 1 and 8 Feb 7_page 1 Mar 25 final ds.qxd 2/7/2026 12:31 AM Page 2

पौध संरक्षण के महत्वापूर्ण घटकों में समन्वित कीट प्रबंधन

फसल-उत्पाषदन के लक्ष्य हासिल करने में पौध-संरक्षण की भूमिका महत्वकपूर्ण रही है। पौध संरक्षण के महत्वापूर्ण घटकों में समन्वित कीट प्रबंधन, को प्रोत्साकहन, फसल पैदावार को कीटों और बीमारियों के दुष्प्र भाव से बचाने के लिए सुरक्षित और गुणवत्तायुक्त कीटनाशकों की उपलब्धाता सुनिश्चित करना, ज्या दा पैदावार देने वाली नई फसल प्रजातियों को तेजी से अपनाए जाने के लिए संगरोधन (क्वाचरन्टी्न) उपायों को सुचारू बनाना शामिल है। इसके अंतर्गत बाहरी कीटों के प्रवेश की गुंजाइश समाप्ति करना और पौध-संरक्षण कौशल में महिलाओं को अधिकारिता प्रदान करने सहित मानव संसाधन विकास पर भी ध्याान दिया जाता है।

भारत में कीट प्रबंधन दृष्टिकोण को मजबूत बनाने और आधुनिकीकरण के अवयव

समन्वित कीट प्रबंधन (आईपीएम) का संवर्धन
टिड्डा नियंत्रण और अनुसंधान
पौध संरक्षण में प्रशिक्षण
कीटनाशक अधिनियम का कार्यान्वयन
एकीकृत कीट प्रबंधन का संवर्धन

रासायनिक कीटनाशकों के बुरे प्रभावों कीट प्रतिरोध के विकास, कीट पुनरूत्थाहन, भोजन, चारा, हवा और पानी में मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक कीटों को घटाने और पर्यावरण असंतुलन को देखते हुए भारत सरकार ने एकीकृत कीट प्रबंधन (आईपीएम) को अपनाया है। आईपीएम पारिस्थितिकी के अनुकूल है और इसका लक्ष्य कीट नियंत्रण के लिए उपलब्ध्य वैकल्पिक तरीके सांस्कृतिक, यांत्रिक और जैव तथा जैव कीटनाशकों का इस्तेमाल कर रासायनिक कीटनाशकों का न्यूनतम उपयोग करना है।

जैव नियंत्रण एजेंटों/जैव कीटनाशकों का उत्पादन बढ़ाने के लिए भारत सरकार ने अनुदान निर्धारित किया। आईपीएल दृष्टिकोण अपनाने के बाद कीटनाशकों का उपयोग नीचे आया है। पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित जैव कीटनाशकों के उपयोग में लगातार वृद्धि हो रही है। कुछ राज्यों में किसानों ने रासायनिक कीटनाशकों का इस्तेमाल बंद कर दिया है और जैविक खेती को अपनाया है।

टिड्डी नियंत्रण एवं अनुसंधान

टिड्डी चेतावनी संगठन जोधपुर टिड्डी निगरानी और नियंत्रण के लिए अपने टिड्डी वृत्त कार्यालयों और फील्ड स्टेशन के साथ राजस्थान, गुजरात, और हरियाणा के दो लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर नजर रखता है। अन्य टिड्डी प्रभावित देशों और एफएओ के साथ टिड्डी के संभावित आक्रमण पर नजर रखी जाती है।

पौध संरक्षण में प्रशिक्षण

1966 तक राज्यों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत में राष्ट्रीय प्रशिक्षण की कोई सुविधा नहीं थी। इस अंतर को पाटने के लिए हैदराबाद (आंध्रप्रदेश) में 1966 में राष्ट्रीय पादप संरक्षण प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किया गया। इस संस्थान को संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा पौध संरक्षण के लिए क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान और विश्व बैंक द्वारा पादप संरक्षण प्रौद्योगिकी में उन्नत प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है। संस्थान में पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं और विदेशी प्रशिक्षुओं सहित अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

कीटनाशकों अधिनियम के कार्यान्वयन

खाद्य उत्पादन बनाए रखने के लिए फसल सुरक्षा उपायों में कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है। ये वेक्टर जनित रोगों के नियंत्रण में भी प्रयोग में लाए जाते हैं। ये जहरीले होते हैं इसलिए इनका उपयोग संक्रामक कीटों को मारने में इनका उपयोग होता है। इनका दुरुपयोग मनुष्य, पशु, और पर्यावरण के लिए खतरनाक हो सकता है। इसलिए इनके सुरक्षित और विवेकपूर्ण इस्तेमाल की आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए उनके आयात, निर्माण, बिक्री और उपयोग आदि को कीटनाशक अधिनियम, 1968 के तहत विनियमित किया जा रहा है। इस अधिनियम के प्रावधान किसानों को सुरक्षित, प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण कीटनाशकों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं।

केंद्र सरकार ने इस अधिनियम के तहत प्रशासन से उत्पन्न मामलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सलाह के लिए कीटनाशक अधिनियम, 1968 की धारा 4 के अंतर्गत केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड का गठन किया है। स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक बोर्ड के अध्यक्ष होते हैं। केंद्र सरकार ने मनुष्यों, पशुओं और पर्यावरण की सुरक्षा दृष्टि से फॉर्मूले की जांच और उनके प्रभाव के बाद कीटनाशकों के पंजीकरण के लिए पंजीकरण समिति का गठन किया है।

भारत सरकार ने केंद्रीय कीटनाशक प्रयोगशाला की स्थापना की है। इसका मुख्य उद्देश्य निर्माता द्वारा प्रस्तावित दावे और कीटनाशकों के गुण, प्रदर्शन और खतरों के पंजीकरण का सत्यापन है। राज्यों में कीटनाशकों के विश्लेषण के लिए क्षेत्रीय कीटनाशक परीक्षण प्रयोगशालों की स्थापना की गई है।

भारत में पौध संगरोध सुविधाएं

देश में विनाशकारी कीड़े और कीट अधिनियम, 1914 (1914 का अनिनियम 2) के माध्यम से पौध संगरोध उपायों को लागू कर रहे हैं। इस अधिनियम का उद्देश्य, वे कीड़े, कवक या अन्य कीट जो फसलों के लिए विनाशकारी हो सकते हैं, को रोकना है। बीज विकास, 1988 पर नई नीति के प्रावधानों के माध्यम से डीआईपी अधिनियम, 1914 के तहत जारी पौध संगरोध (भारत में आयात विनियमन) आदेश, 2003 के अंतर्गत कृषि वस्तुओं का आयात नियंत्रित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, वैश्वीकरण और भूमंडलीकरण को ध्यान में रखते हुए पौधों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार और डब्ल्यूटीओ के तहत हुए एसपीएस के मद्देनजर पौध संगरोध का महत्व बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय पौध संरक्षण सम्मेलन, 1951 के अनुसार योजना के माध्यम से कृषि वस्तुओं का निर्यात किया जा रहा है।

योजना का मुख्य उद्देश्य हैं

विदेशी कीटों फसलों के लिए विनाशकारी होते हैं, विदेशी पौधे और पौध उत्पादन को सीमित या रोक लगाकर विदेशी कीटों का विस्तार और प्रसार रोकना तथा

सक्षम तकनीकी और प्रमाणपत्र सिस्टम के जरिए उत्पादकों और निर्यातकों की मदद से व्यापारिक भागीदारों की आवश्यकताओं को पूरा करना और कृषि में सुरक्षित विश्व व्यापार की सुविधा प्रदान करना

इस योजना के तहत प्रमुख गतिविधियों में शामिल हैं

भारतीय वनों को प्रतिकूल रोगों और विदेशी कीट से रोकने के लिए आयातित कृषि वस्तुओं का निरीक्षण

अंतरराष्ट्रीय पौध संरक्षण सम्मेलन (आईपीपीसी) के तहत आयातक देश की आवश्यकताओं के अनुसार निर्यात के लिए वस्तुओं का निरीक्षण

घरेलू संगरोध नियमों के तहत विदेशी कीट और रोगों पर नियंत्रण

पोस्ट प्रवेश संगरोध निरीक्षण के तहत रोपण सामग्री के पहचान के संबंध में निरीक्षण

पादप और पादप सामग्री के आयात आवश्यकताओं के लिए कीट जोखिम विश्लेषण (पीआरए) का आयोजन

विभिन्न हवाई अड्डों, बंदरगाहों और अन्य सीमाओं पर पौध संगरोध नियमों को लागू करने के लिए पौध संगरोध स्टेशन बनाए गए हैं। पौध संगरोध परीक्षण आदि को आधुनिक उपकरणों के साथ एनपीक्यूएस, नईदिल्ली और आरपीक्यूएस, चेन्नई, कोलकाता, अमृतसर और मुंबई में मजबूत बनाया गया है।

पौधों के फलने और फूलने के लिए बेस्ट ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर

अगर आपके गार्डन में लगे पौधे में फूल और फल नहीं आ रहे हैं, या बहुत कम आ रहे हैं तो इसका एक अहम कारण पौधों में पर्याप्त न्यूट्रिशन (पोषक तत्वों) की कमी भी हो सकता है। यदि आप जानना चाहते हैं कि गार्डन के पौधों में फल और फूल लाने के लिए क्या करें, तो आप उनमें फूलों और फलों को बढ़ाने वाले जैविक फर्टिलाइजर और खाद डाल सकते हैं। कुछ उर्वरकों के इस्तेमाल से पौधों में अच्छी फ्रूटिंग (फल लगना), और फ्लावरिंग (फूल लगना) होने लगती है। यदि आप भी जानना चाहते हैं कि फल और फूल वाले पौधों के लिए कौन सी खाद अच्छी होती है? गार्डन में लगे पौधों में फूल और फल लगने के लिए कौन सी खाद डालें, तथा खाद कब और कैसे डालें? इन सभी सवालों के जवाब जानने के लिए इस आर्टिकल को लास्ट तक जरूर पढ़ें।

पौधों में फूल और फल बढ़ाने वाले पोषक तत्व –गमले या गार्डन की मिट्टी में लगे पौधों में कली, फूल और फलों की ग्रोथ के लिए फॉस्फोरस और पोटेशियम पोषक तत्व, अन्य पोषक तत्वों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण होते हैं।

- फॉस्फोरस युवा जड़ों को मजबूत करने और पौधे की ग्रोथ में मदद करता है।
- पोटेशियम फूलों के खिलने और फलों के पकने में मदद करता है।

इसीलिए पौधों में ज्यादा फूल और फल लाने के लिए उन उर्वरकों का इस्तेमाल किया जाता है, जिनमें फॉस्फोरस और पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है।

- इसके अलावा कॉपर, कैल्शियम और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व भी पौधों में जल्दी फ्लावरिंग और फ्रूटिंग के लिए जिम्मेदार होते हैं।

पौधों के फलने और फूलने के लिए बेस्ट ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर –

आप तो पौधों में खाद और उर्वरकों को डालने का महत्व जानते ही होंगे। पौधों में फल और फूल लगते टाइम यह काफी जरूरी होता है, कि उन्हें उस समय सही न्यूट्रिएंट्स दिए जाएं। होम गार्डन में लगे पौधों में ज्यादा फल और फूल लगने के लिए आप उनमें नीचे दिए गए निम्न फर्टिलाइजर्स का इस्तेमाल जरूर करें–

बोन मील
एप्सम साल्ट
मस्टर्ड केक
रॉक फास्फेट
प्रोम मैन्योर
आर्गेनिक पोटाश फर्टिलाइजर
लिक्विड सीवीड फर्टिलाइजर
केले के छिलके की खाद

बोन मील – पौधों में बोन मील फर्टिलाइजर का उपयोग फल, फूल और सब्जियों की पैदावार बढ़ाने के लिए किया जाता है। प्लांट्स में इसका इस्तेमाल फूल और फल लगने के दौरान कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इसे अधिक मात्रा में डाल देने पर भी पौधे को कोई नुकसान नहीं पहुँचता है। बोनमील उर्वरक से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी निम्न हैं

एन–पी–के वैल्यू – 3–15–0

मुख्य पोषक तत्व – फास्फोरस, कैल्शियम, नाइट्रोजन

इस्तेमाल कैसे करें – पौधे को लगाने के लिए मिट्टी तैयार करते समय, उसमें आधा चम्मच बोन मील मिला सकते हैं और पौधे में कलियों के विकास के दौरान भी एक मुट्ठी बोन मील फर्टिलाइजर पौधे की ऊपरी मिट्टी में मिलाया जा सकता है। मिट्टी में इस उर्वरक को मिलाने के बाद पानी का छिड़काव जरूर करें। बोन मील उर्वरक कितनी बार डालना चाहिए – बोन मील उर्वरक को मिट्टी में पूरी तरह से घुलने में लगभग चार महीने लगते हैं

खबर संक्षेप

कश्मीर के कृषि निदेशक ने पदगामपोरा स्थित बीज गुणन फार्म में चल रही गतिविधियों का जायजा लिया

श्रीनगर, 6 फरवरी(हि.स.)। कश्मीर के कृषि निदेशक सरताज अहमद शाह ने आज पुलवामा के पदगामपोरा स्थित बीज गुणन फार्म का दौरा कर चल रही गतिविधियों का जायजा लिया और बीज उत्पादन पहलों की प्रगति की समीक्षा की। दौरे के दौरान, निदेशक ने विशेष रूप से सब्जी अनुभाग का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने सब्जी बीज गुणन प्रयासों की वर्तमान स्थिति का आकलन किया। उन्होंने क्षेत्र की कृषि आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की तैयारियों सहित अनुभाग के समग्र कामकाज की समीक्षा की, जिसमें खेत संचालन, फसल प्रबंधन पद्धतियां और अन्य तैयारियां शामिल थीं। निदेशक ने कश्मीर में किसानों को सहयोग देने और कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए विभिन्न फसलों, विशेष रूप से सब्जी क्षेत्र में, गुणवत्तापूर्ण बीजों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में विभागीय बीज गुणन फार्मों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। कश्मीर के बीज उत्पादन अधिकारी मीर एजाज हसन ने निदेशक को सब्जी बीज उत्पादन कार्यक्रम के तकनीकी पहलुओं और चल रहे हस्तक्षेपों के बारे में जानकारी दी। पदगामपोरा के फार्म मैनेजर मोहम्मद मुनाफ भट भी इस अवसर पर उपस्थित थे और उन्होंने कृषि प्रबंधन, बुनियादी ढांचे और दैनिक कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। निदेशक ने फील्ड स्टाफ और अधिकारियों से बातचीत की और उन्हें आधुनिक वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने और किसानों को प्रमाणित बीज समय पर उपलब्ध कराने के लिए मिशन मोड में काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने बेहतर परिणामों के लिए बीज गुणन फार्मों को उन्नत बनाने और फसल कटाई के बाद के प्रबंधन को मजबूत करने के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को दोहराया।

जम्मू-कश्मीर का बजट 2026 जनहितैषी और युवा-केंद्रित नहीं है : हकीम यासीन

जम्मू, 06 फ़रवरी (हि.स.)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट (पीडीएफ) के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री हकीम मोहम्मद यासीन ने शुक्रवार को उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उस पर आंकड़ों से भरा, लेकिन जनता की अनदेखी करने वाला卐 बजट पेश करने का आरोप लगाया जो जम्मू और कश्मीर के मेहनतकश गरीबों की सबसे अहम चिंताओं को दूर करने में विफल रहा है। मुख्यमंत्री के 1,13,767 करोड़ रुपये (शुद्ध) के दूसरे वार्षिक बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए यासीन ने कहा कि हजारों दिहाड़ी मजदूर, आकस्मिक श्रमिक और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एक बार फिर निराश हुए हैं क्योंकि नियमितीकरण और मानदेय में वृद्धि के बहुप्रतीक्षित वादे वित्तीय योजना में कहीं भी शामिल नहीं किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने दिहाड़ी मजदूरों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सेवाओं की जमकर प्रशंसा की लेकिन प्रशंसा से पेट नहीं भरता। ये कार्यकर्ता दशकों से न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं और फिर भी बजट में उन्हें केवल आश्वासन दिए गए हैं, समाधान नही यासीन ने कहा। उन्होंने सरकार को याद दिलाया कि पिछले बजट सत्र के दौरान उमर अब्दुल्ला ने दिहाड़ी मजदूरों और अस्थायी कर्मचारियों को नियमित करने के लिए एक रोडमैप तैयार करने हेतु एक उच्च स्तरीय समिति के गठन की घोषणा की थी और वादा किया था कि अगले बजट में एक नीति की घोषणा की जाएगी।

ऊधमपुर पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ 30 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क की

उधमपुर, 06 फ़रवरी (हि.स.)। ऊधमपुर पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दंदयाल निवासी एक आरोपी की करीब 30 लाख रुपये की संपत्ति को कुर्क कर लिया है। आरोपी की पहचान भूपेश पगेत्रा पुत्र ओम प्रकाश, निवासी दंदयाल, तहसील व जिला ऊधमपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ के तहत की है। यह कुर्की ऊधमपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर नंबर 24/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21/22 में दर्ज मामले से संबंधित है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी के पास वार्ड नंबर 21, दंदयाल में खसरा नंबर 69 की 5 मरला जमीन पर बना एक आवासीय मकान तथा कुछ घरेलू सामान मौजूद हैं। पुलिस को संदेह था कि यह संपत्ति अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार से अर्जित की गई रकम से बनाई गई है। इसके बाद पुलिस ने उक्त आवासीय मकान 5 मरला जमीन और दो घरेलू सामानों को कानूनी प्रक्रिया के तहत कुर्क कर लिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस कार्रवाई के साथ ही वर्ष 2026 में अब तक ऊधमपुर पुलिस द्वारा एनडीपीएस मामलों में कुर्क की गई संपत्तियों की कुल कीमत 1.80 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। इससे स्पष्ट है कि ऊधमपुर पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए है।

राजौरी में आयोजित दक्षिण एशिया संवाद का अनूठा आयोजन

राजौरी, 06 फ़रवरी (हि.स.) जम्मू और कश्मीर स्थित शांति निर्माण और नागरिक मंच जम्मू कश्मीर हक इंसाफ काउंसिल के तत्वावधान में बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय (बीजीएसबीयू), राजौरी में 卐दक्षिण एशिया में सत्ता की राजनीति, सार्वजनिक विमर्श और संस्थागत गतिशीलता卐 विषय पर एक विचारोत्तेजक और बौद्धिक रूप से समृद्ध चर्चा का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बीजीएसबीयू में अपनी तरह की पहली पहल थी जिसका उद्देश्य संवेदनशील सीमावर्ती और संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में जागरूक सार्वजनिक चर्चा, लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थागत जवाबदेही को मजबूत करना था।

आलूबुखारा की खेती और देखभाल

आलूबुखारा या प्लम की खेती कश्मीर, हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखण्ड में प्रमुख रूप से की जाती है। कुछ किस्में उप-पर्वतीय तथा उत्तरी पश्चिमी मैदानी भागों में भी पैदा की जाती है, ये सहिष्णु किस्में हैं और ये किस्में इस जलवायु में आसानी से पैदा होती है। आलूबुखारा को प्लम के नाम से भी जाना जाता है।

यदि बागान बंधु आलूबुखारा या प्लम की बागवानी से अधिकतम और गुणवत्तायुक्त उत्पादन चाहते है, तो इसकी खेती वैज्ञानिक तकनीक से करनी चाहिए। इस आर्टिकल में कृषकों की जानकारी के लिए आलूबुखारा या प्लम की खेती वैज्ञानिक तकनीक से कैसे करें, की जानकारी का उल्लेख विस्तार से किया गया है।

यूरोपीय- प्लम को प्रुनस डोमेस्टिका कहते हैं और यह पश्चिमी एशिया का देशज है।

जापानी- प्लम का वैज्ञानिक नाम प्रूनस सालिसिना है जो चीन का देशज समझा जाता है। दोनों रोजेसी कुल के अन्तर्गत आते है।

उपयोग- आलूबुखारा एक स्वास्थवर्धक रसदार फल है। इसमें मुख्य लवण, विटामिन, प्रोटीन, कार्वोहाडट्रेट आदि प्रचुर मात्रा में पाये जाते है। आलूबुखारा फल ताजे खाये जाते है और विभिन्न प्रकार के उत्पाद जैसे जैम, जैली, चटनी एवं अच्छी गुणवत्ता वाली बरांडी बनायी जाती है। बीज में पाये जाने वाले 40 से 50 प्रतिशत तेल का उपयोग सौन्दर्य प्रसाधनों में दवा के रूप में प्रयुक्त होता है।

आलूबुखारा या प्लम की खेती पर्वतीय आंचल और मैदानी क्षेत्रों में

उपयुक्त जलवायु

सफलतापूर्वक की जाती है। इसका पेड़ लगाने के दो वर्ष बाद ही फूलना-फलना आरम्भ कर देता है और अधिक परिपक्वता के साथ साथ इसके पौधे से काफी अधिक उपज मिलती है।

आलूबुखारा या प्लम की खेती के लिए शीतल और गर्म जलवायु की आवश्यकता होती है। यूरोपीय आलूबुखारा को ।ख्र सेल्सीयस से कम ताममान लगभग 800 से 1500 घण्टों तक चाहिए जब कि जापानी आलूबुखारा को उक्त तापमान 100 से 800 घण्टो तक चाहिए। यही कारण है कि इसका उत्पादन कम ऊँचाई वाले स्थानों में और मैदानी क्षेत्रों में भी किया जाता है।

परन्तु इसकी उत्तम खेती समुद्रतल से 900 और 2500 मीटर वाले क्षेत्रों में होती है, ऐसे स्थान जहाँ बसन्त ऋतु में पाला पड़ता हो इसकी खेती के लिये अनुपयुक्त होते है। यूरोपीय अधिक ठंडक वाले तथा जापानी आलूबुखारा कम ठंडक वाले स्थानों में सफलतापूर्वक उगाये जाते है।

भूमि का चयन

आलूबुखारा या प्लम की खेती लगभग सभी प्रकार की भूमियों में की जा सकती है, लेकिन उपजाऊ अच्छे जल-निकास वाली गहरी 1.5 से 2 मीटर गहरी भूमि खेती के लिये उपयुक्त होती है। अधिक अल्यूमिनियम तत्व वाली और

अधिक अम्लता वाली मिट्टी आलूबुखारा के लिए उपयुक्त नहीं है।

आलूबुखारा या प्लम की खेती के लिए आपको अनेक किस्में मिल जाएंगी लेकिन हम यहां कुछ किस्मों के नामों का सुझाव दे रहे है, जो व्यावसायिक तौर पर उगाई जाती है, जैसे-

1. समुद्र तल से 2000 मीटर से अधिक ऊँचाई वाले क्षेत्रों के लिये सलिसिना वर्ग की प्रमुख किस्में-

जल्दी पकने वाली किस्में- फर्स्ट प्लम, रामगढ़ मेनार्ड, न्यू प्लम आदि प्रमुख है।

मध्य समय में पकने वाली किस्में- विक्टोरिया, सेन्टारोजा आदि आदि प्रमुख है।

देर से पकने वाली किस्में- मेनार्ड, सत्सूमा, मैरीपोजा आदि आदि प्रमुख है।

2. समुद्र तल से 2000 मीटर से अधिक ऊँचाई वाले क्षेत्रों के लिये डोमेस्टिका वर्ग की मुख्य किस्में- ग्रीन गेज, ट्रान्स पेरेन्ट गेज, स्टैनले, प्रसिडेन्ट आदि।

सुखाकर खाने वाली प्रून किस्में- एगेन, शुगर प्रून तथा इटैलियन प्रून आदि।

3. समुद्र तल से 1000 मीटर तक ऊँचाई वाले क्षेत्रों के लिये- फंटीयर, रैड ब्यूट, अलूचा परपल, हो, जामुनी, तीतरों, लेट यलो और प्लम लद्दाख प्रमुख है।

कुछ प्रमुख किस्मों का वर्णन इस प्रकार है, जैसे-

फंटीयर- फल सैंटारोजा से भारी और आकार में बड़ा, छिलका गहरा लाल बैंगनी, गूदा गहरे लाल रंग का, मीठा, स्वादिष्ट, सख्त, एक समान मीठा, सुगन्धित, गुठली से अलग होने वाला, फल भण्डारण की अधिक क्षमता तथा जून के अन्तिम सप्ताह तक पककर तैयार, पैदावार अधिक, पौधा ओजस्वी, सीधा ऊपर की ओर बढ़ने वाला, अधिक फलन के लिए परपरागण आवश्यक, इसके लिए सैन्टारोजा अच्छी परागण किस्म है।

रैड ब्यूट- फल मध्यम आकार के, ग्लोब की तरह व लाल एवं चमकीली त्वचा वाले, गूदा पीला, पिघलने वाला, मीठा और सुगंधित व गुठली से चिपके रहने की प्रवृति वाला, सैंटारोजा से दो सप्ताह पहले मई के अन्तिम सप्ताह में पक कर तैयार, पौधे ओजस्वी, मध्यम आकार के और नियमित फल धारण करने वाले होते है।

टैरूल- फल मध्यम से बड़े आकार के गोल, पीले रंग के व लालिमा लिए हुए, गूदा पीला, पिघलने वाला, समान रूप से मीठा, अच्छी सुगन्ध वाला, गुठली से चिपका हुआ व सैंटारोजा से एक सप्ताह बाद में जुलाई के दूसरे सप्ताह में पकने वाला, पौधे ओजस्वी, मध्यम आकार के व अधिक पैदावार देने वाले होते है।

ध्यान दे- कुछ आलूबुखारा की किस्में स्वयं परागण करने में समर्थ नही है, इसलिए बीच बीच में परागण किस्में लगाएं जो उत्तम पैदावार के लिए अति आवश्यक है।

आलूबुखारा की यूरोपीय वर्ग की किस्मों, जैसे- ग्रीन गेज, इटैलियन प्रून तथा शुगर प्रून में फल स्वपरागण से बनते है। इसलिए इन किस्मों की फलत के

परागण

लिए किसी परागकारी किस्म की आवश्यकता नहीं होती है

। परन्तु कुछ किस्में जैसे- एगेन, 'जेफरसन' तथा 'प्रेसिडेट' अपने पराग से फल नहीं बनाती, इन्हें परागण तथा फलत के लिए अन्य किस्मों के पराग की आवश्यकता होती है। इसलिए परागकर्ता के रूप में सेन्टारोजा और रेड हार्ट किस्मों को प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि यह एक बहुत अच्छी व्यावसायिक किस्म है।

जापानी वर्ग की अधिकाशं आलूबुखारा किस्मों में स्व-अनिशेच्यता पायी जाती है। इसलिए इन्हे परागण के लिए अन्य किस्मों जैसे- सेन्टारोजा या मेरीपोजा की आवश्यकता पड़ती है। ब्यूटी और मिथले जो कि जापानी वर्ग की किस्में है, में स्वय-परागण से फल लग जाते हैं। यदि इन किस्मों के साथ अन्य परागकर्ता किस्में भी लगा दी जायें तब फलत और भी अच्छी होगी।

(By: Bhupender; Source: Dainik Jagriti; Compiled by: C.M. Sharma)